वर्ष 73 ▸ अंक 80 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 18 दिसंबर, 2025
पौष कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जब आप अपने काम के प्रति उत्साही होते हैं, तो आप अपने भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा महसूस करते हैं। यह बहुत सरल है।
- पाब्लो कोहिलो

विधानसभा के विशेष सत्र में सीएम ने सदन में रखा विकसित मध्यप्रदेश का खाका

हम ऐसा प्रदेश बनाएंगे जहां हरियाली और उद्योगों का जाल होगा: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास और संस्कृति एक दूसरे के विरोधी नहीं, एक दूसरे के पूरक हैं। जनता के कष्ट कम कर उनके जीवन में खुशियों की बाहर लाना हमारी सरकार का प्रयास है। हम ऐसा प्रदेश बनाएंगे जहां चारों ओर हरियाली और उद्योग- धंधों का जाल होगा, जहां बेरोजगारी और गरीबी नहीं होगी, सभी सुखी और संपन्न होंगे। दो वर्ष की अवधि में लिए गए दूरगामी निर्णय आने वाले समय में माइलस्टोन के रूप में जाने जाएंगे।

डॉ. यादव विधानसभा के विशेष सत्र में अपना वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प पूर्ण होगा, क्योंकि हमारे नेता, नीति और नियत सभी स्पष्ट हैं। हमारी सरकार ने बीमारू राज्य की छवि से निकालकर प्रदेश को विकासशील और संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विशेष सत्र केवल औपचारिकता नहीं अपितु लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और भविष्य के प्रति साझा उत्तरदायित्व के संकल्प का परिचायक है। यह सत्र मध्यप्रदेश को सुखद, समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली और आत्मनिर्भर बनाने के अपने संकल्प को दोहराने का अवसर है।

सीएम ने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार ने जो भी निर्णय लिए हैं, वह निश्चित ही जनता के जीवन में बदलाव का माध्यम बनेंगे। 2 वर्षों में विकास के हर क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। हमें पूरा विश्वास है कि जल्द ही हम लोग राज्य को विकसित राज्य की सूची में आगे ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हमने 11 दिसंबर को नक्सलवाद के लाल सलाम को आखिरी सलाम किया है। यह विधानसभा के लिए भी गौरव का विषय है, क्योंकि वर्ष 1999 में कांग्रेस पक्ष के एक मंत्री की नक्सलियों द्वारा निर्मम हत्या कर लोकतंत्र को चुनौती दी गई थी। लाल सलाम को आखिरी सलाम कर सदन ने वही बदला चुकता किया है। नक्सलवाद के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद से जुड़े मॉडलों को ध्वस्त किया गया है।

विधानसभा के विशेष सत्र के पूर्व संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव।

शहरों की स्थिति लगातार बेहतर हो रही: उन्होंने कहा कि प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित करने की योजना है। हमारे शहरों की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। शहरी विकास के क्षेत्र में दूरगामी दृष्टि से निर्णय लिए जा रहे हैं। राजधानी के स्वरूप पर गहन विचार-विमर्श हो रहा है। मालवा के साथ-साथ मध्य भारत- चंबल क्षेत्र और महाकौशल में भी सुव्यवस्थित विकास हो, इस उद्देश्य से कार्य योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। वर्ष 2026 में ग्वालियर और जबलपुर को भी मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य आरंभ होगा।

हर पंचायत में किसान समृद्धि केंद्र: ग्राम विकास के क्षेत्र में भी गत दो वर्ष में गांव की समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सुव्यवस्थित विकास के लिए कार्य किए गए। हर ग्राम पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना का निर्णय लिया गया है। प्रत्येक विकासखंड में एक गांव को वृंदावन ग्राम बनाया जा रहा है।

शिक्षा नीति पर पहल: डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने पहल की। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संदीपनि स्कूल बनाए गए। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने ही देश में नवोदय विद्यालय व्यवस्था की शुरुआत की। नवोदय विद्यालय ने देश की शिक्षा व्यवस्था में माइलस्टोन का काम किया। सिंह ने उज्जैन में संदीपनी वैदिक संस्थान की स्थापना कर वेदों के अध्ययन- अध्यापन को प्रोत्साहित किया। यह हमारे अतीत का गौरवशाली पृष्ठ है। जनजाति एवं स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के नाम पर तीन विश्वविद्यालय बनाए गए।

उज्जैन में पहली मेडिसिटी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी और कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में पीएमश्री एंबुलेंस सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आयुष्मान कार्ड गरीब के लिए इलाज और सहारे का पर्याय बना है। जनजातीय क्षेत्र में सिकल सेल एनीमिया बड़ी चुनौती है।

नवकरणीय ऊर्जा में प्रदेश दूसरे राज्यों से बहुत आगे

सीएम ने कहा कि पीएम मित्र पार्क की सौगात से मालवा निमाड़ अंचल में तीन लाख से अधिक लोगों को रोजगार और 6 लाख से ज्यादा कपास उत्पादकों को लाभ होगा। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश दूसरे राज्यों से बहुत आगे है। उन्होंने कहा कि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं भूल सकते। महाकाल लोक, राम वन गमन पथ, लोक परंपराएं यह सब हमारी पहचान है और यही पहचान हमारी शक्ति भी है। पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। स्थिति यह है कि पहले कभी एक साल में जितने पर्यटक आते थे, उतने तो अब एक सप्ताह में आ रहे हैं। वर्ष 2024 में साल में 13 करोड़ रिकार्ड पर्यटक मध्यप्रदेश आए। इसी तरह सरकार ने सिंचाई, पेयजल और उद्योगों के लिए जल की उपलब्धता बढ़े इसके लिए हमने उत्तरप्रदेश सरकार के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन किया। राजस्थान सरकार के साथ पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का कार्य प्रारंभ किया और तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए महाराष्ट्र के साथ एमओयू किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 को गौ संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष घोषित किया गया। वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष घोषित किया गया। वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया जा रहा है। हम प्रदेश के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए कार्य योजना बना रहे हैं। डॉ. यादव ने कहा कि जनजाति वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ा वर्ग और गरीब, किसान, महिला, युवा चारों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मिशन को साकार करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

VIT®
Vellore Institute of Technology
(Deemed to be University under section 3 of UGC Act, 1956)

सही दिशा में पहला कदम, बेहतरीन करियर की ओर

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
SUSTAINABILITY | 2026

भारत रैंक	विश्व रैंक	संस्थान का नाम	कुल स्कोर
1	205	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी दिल्ली (IIT-Delhi)	83.1
2	235	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी बॉम्बे (IIT-BOMBAY)	81.4
3	236	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी खड़गपुर (IIT-KGP)	81.3
4	241	दिल्ली विश्वविद्यालय (University of Delhi)	80.9
5	305	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मद्रास (IIT-Madras)	77.3
6	310	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कानपुर (IITK)	77
7	352	वेल्लोर इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (VIT)	74.9
7	352	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रुड़की (IIT-Roorkee)	74.9
9	462	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (IISc) बैंगलोर	70.5
10	467	मणिपाल एकेडमी ऑफ़ हायर एजुकेशन, मणिपाल	70.3

Source : https://www.topuniversities.com/sustainability-rankings

For further information about VITEEE 2026 scan the QR code

www.vit.ac.in | vellore-institute-of-technology | vituniversity | VIT_univ | Vellore Institute of Technology | vellore_vit

एडीईओ, पीसीओ प्रतिमाह अपनी सेक्टर की पंचायत का करें निरीक्षण

कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास की समीक्षा

जागरण, सतना। कलेक्टर रानी वाटड ने कहा कि सहायक ग्रामीण विकास विस्तार अधिकारी और पंचायत समन्वय अधिकारी का मूल कार्य अपनी सेक्टर की पंचायत का प्रतिमाह निरीक्षण करना भी है। उन्होंने एडीईओ, पीसीओ को प्रतिमाह अपने सेक्टर की कम से कम 50 प्रतिशत ग्राम पंचायत का निरीक्षण कर निरीक्षण पत्रक अगली समीक्षा बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, सीईओ जनपद पंचायत वेदमणि मिश्रा, अशोक तिवारी, एमएल प्रजापति, सहायक यंत्री जनपद, उपयंत्री एपीओ, बीसी उपस्थित थे। कलेक्टर रानी वाटड ने जनपद पंचायत रामनगर, अमरपाटन और मैहर के उपयंत्रीवार योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की। मनरेगा लेवर बजट की समीक्षा में जनपद पंचायत में वर्ष 2016-17, 2017-18 के भी कई कार्य अपूर्ण पाए जाने पर कलेक्टर ने गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की।

उपयंत्री अनिल पाण्डेय का कटेगा 15 दिन का वेतन

उन्होंने सहायक यंत्री और जनपद पंचायत सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली बैठक तक वर्ष 2023-24 के पहले का एक भी अपूर्ण कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। जनपद रामनगर के उपयंत्री अनिल पांडेय द्वारा बैठक में गलत जानकारी प्रस्तुत करने पर कलेक्टर ने संबंधित का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। संबंधित उपयंत्री द्वारा सहायक यंत्री और सीईओ जनपद के बार-बार निर्देश के बाद भी वर्ष 2018-19 के दो कार्य अपूर्ण रखे गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीईओ जनपद एपीओ मनरेगा और सहायक यंत्री निरंतर मॉनिटरिंग कर वर्ष 2023-24 के पहले के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करायें।

थैलेसीमिया पीड़ित 4 बच्चों में संक्रमण की जांच के लिए राज्य स्तरीय दल

सतना। आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश श्री तरूण राठी ने सतना जिला चिकित्सालय में थैलेसीमिया से पीड़ित 4 बच्चों में एचआईवी संक्रमण की सूचना पर 6 अधिकारियों का राज्य स्तरीय जांच दल गठित किया है। इनमें क्षेत्रीय संचालक रीवा संभाग डॉ0 सत्या अवधिया जांच दल की अध्यक्ष और उप संचालक डॉ0 रूबी खान एसबीटीसी/ ब्लड सेल संचालनालय भोपाल सचिव होगी। जांच दल में एम्स भोपाल के ब्लड ट्रांसफ्यूजन विशेषज्ञ डॉ0 रोमेश जैन, सीनियर ब्लड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड ब्लड सेंटर अधिकारी बीएमएचआरसी भोपाल, होशंगाबाद के वरिष्ठ औषधि विशेषज्ञ संजीव जादौन और खाद्य औषधि प्रशासन भोपाल की औषधि निरीक्षक प्रियंका चौबे को शामिल किया गया है । राज्य स्तरीय जांच दल सात दिवस में अपनी जांच पूरी कर आयुक्त स्वास्थ्य को प्रतिवेदन सौंपेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा0 मनोज शुक्ला ने जिला चिकित्सालय सतना में संक्रमित ब्लड चढ़ाये जाने से बच्चों को एचआईवी इंफेक्शन होने संबंधी सूचना की प्रारंभिक जांच के उपरांत बताया कि थैली सीमिया नामक रक्त विकार से ग्रसित 5 बच्चे हैं जिनकी उम्र 3 वर्ष से लेकर 15 वर्ष की है। जिन्हे हर माह 2 से 3 बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता पड़ती है। ये बच्चे काफी समय से ब्लड ट्रांसफ्यूजन करवा रहे हैं। इनके द्वारा जिला अस्पताल सतना के अतिरिक्त निजी चिकित्सालय जैसे बिरला हॉस्पिटल सतना तथा सतना से बाहर जबलपुर आदि शहरों में भी ब्लड ट्रांसफ्यूजन कराया जाना पता चला है ।

करोड़ों राजस्व देने के बावजूद एक पैसा खर्च करने का अधिकार नहीं

किसान यूनियन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जागरण, उचेहरा । बड़ी विडंबना है न सुनने जो विभाग करोड़ो का राजस्व दे रहा हो उसको एक फूटी कौडी भी जरूरत में खर्च करने का अधिकार नही है न अजीबो गरीब यह नियम । हम बात कर रहे है उचेहरा के कृषि उपज उप मंडी की इस उपमंडी को भले ही स्वीकृत हुये कई बरस बीत गये लेकिन अब भी यह नागौद मंडी के आधीन है यहां से ही इस मंडी का पूरा संचालन होता है विभागीय हासिल जानकारी अनुसार प्रतिवर्ष इस उपमंडी से करीब एक करोड़ का राजस्व आता है जो सीधे नागौद की मंडी के खाते में चला जाता है ऐसे में अगर यहां के अधिकारियों को कोई भी जरुरत पड़ गए तो पत्राचार में ही काफी समय निकल जाता है । फुल मंडी की मांग को लेकर समय . समय पर भारतीय किसान यूनियन करता रहा है अभी हाल ही में किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष रामकलेश सिंह की मौजूदगी में महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एस डी एम सुमेश द्विवेदी को सौपते सख्त लहजे में कहा कि अगर किसानों की यह मांग शासन नही मानता तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा इसके लिए समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी ।ज्ञात हो इसके पूर्व किसान यूनियन इसी मांग को लेकर पहले भी ज्ञापन सौप चुका था। किसानों की होने वाली मासिक बैठक में किसानों ने इस मांग को अपने प्रमुख एजेंडे में रख चुके है । ज्ञापन सौपने वालो में मुख्य रूप से के डी सिंह ब्लॉक अध्यक्ष एराजकुमार सिंह उपाध्यक्षएसंगठन मंत्री रामचन्द्र सहित काफी संख्या में किसान व महिला किसान मौजूद रही । यहां फुल मंडी न होने से बिचौलियों के हांथे किसान अपनी उपज ओने पौने दाम में बेचने को मजबूर है।

टाइगर कॉरीडोर में फोरलेन सड़क बनाये जाने पर मंत्री : सांसद की चर्चा

सतना। सतना सांसद गणेश सिंह व सडक् परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडक़री के बीच टाइगर कॉरीडोर में फोरलेन सडक् बनाये जाने पर भी चर्चा हुई जिसकी सांसद लगातार मांग कर रहे हैं। सांसद ने मंत्री को बताया कि 23 अगस्त को जबलपुर में सभा को सम्बोधित करते हुए मेरे प्रस्ताव पर टाइगर कॉरीडोर में फोरलेन सडक् बनाए जाने के लिए मध्यप्रदेश में घोषणा की थी। मंत्री ने यह भी कहा था कि कान्हा बांधवगढ़ पन्ना के राष्ट्रीय उद्यानों को एक साथ जोड़ा जायेगा। जिसमें सांसद ने कुछ सुझाव दिया है बताया है कि आखिर कहां किस क्षेत्र का क्या महत्व है।

25 दिसंबर के पूर्व शत-प्रतिशत शालाओं में मेंटर विजिट करायें

कलेक्टर ने ली सर्व शिक्षा अभियान और स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक

जागरण, सतना। कलेक्टर मैहर रानी वाटड ने बुधवार को स्कूल शिक्षा और सर्वशिक्षा केंद्र की समीक्षा बैठक में कहा कि शालाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 25 दिसंबर तक सभी शालाओं में मेंटर विजिट की प्रक्रिया शत-प्रतिशत पूर्ण करें। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, वीईओ,बीआरसीसी भी उपस्थित थे। सर्व शिक्षा केंद्र की समीक्षा में बताया गया कि शालाओं में मैटर विजिट के लक्ष्य 732 के विरुद्ध 397 शालाओं में मेंटर विजिट किए गए हैं। कलेक्टर ने लक्ष्य के विरुद्ध 54 प्रतिशत उपलब्धि पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 25 दिसंबर तक सभी स्कूलों में मेंटर विजिट कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में मैहर जिले में एफएलएन की स्थिति कमजोर पाई गई थी। स्थिति में सुधार लाएं। डीपीसी विष्णु त्रिपाठी ने बताया कि जिले में 8 भवन विहीन शालाओं के भवन निर्माण के लिए विभागीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जिले के स्कूलों में पाठय-पुस्तक छात्रों को गणवेश और निःशुल्क साइकिल का वितरण कर दिया गया है। पोर्टल पर जिले में 2519 बच्चे आउट ऑफ स्कूल प्रदर्शित हो रहे हैं। जिनका चिन्हांकन सर्वे कर शाला प्रवेश कराने के प्रयास किये जा रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में सत्य की हुई जीतः संतोष पाण्डेय

जागरण, सतना। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष पाण्डेय के नेतृत्व मे सिविल लाइन चौरहे पर गांधी जी कि प्रतिमा के सामने नेशनल हेराल्ड पर सोनिया. राहुल गांधी को राउज एवेन्यू कोर्ट से मिली जीत पर कीसान कांग्रेस ने हांथ मे सत्य मेव जयते एवं कोर्ट ने लगाई मोदी सरकार को फटकार जैसी तख्तियां लिये हुए प्रदर्शन किया एवं सत्य मेव जयते का नारा लगाते हुए सत्य की जीत बताया संतोष पाण्डेय ने कहा सत्य परेशान हो सक्ता है परास्त नही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मनी लाइन्ड्रिग मामले में कांग्रेस के संसद राहुल गांधी कांग्रेस से संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य 5 के खिलाफ संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय म्क् द्वारा दायर शिकायत को खारिज कर दिया है मोदी सरकार द्वारा पिछले एक दशक से मुख्य बिपछी दल के खिलाफ राजनैतिक प्रतिशोध और बदले की भवना से की जा रही कार्यवाई आज पूरे देश के सामने बेनकाब हो गई है भाजपा की मोदी सरकार को सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी से माफी मागनी चाहिए कांग्रेस पार्टी और हमारा नेतृत्व सत्य के लिए और हर भारतीय के अधिकारो के लिए लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शन मे प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष गीता सिंह सितपुरा रीतेश त्रिपाठी राममनोहर सोनी आर बी पाण्डेय सतेद्र सिंह डब्बू बिज्ञान सिंह नरेश पटनहा साबिर खान रामकुमार बिस्वकर्म धीरज त्रिपाठी पुष्पेद्र सिंह सद्धू अस्सू गर्ग राकेश शुकला स्वतंत्र मिश्रा सोनू रैकवार अलोक मिश्रा कामता मिश्रा अदित्य नारायण पाण्डेय धर्मेंद्र सिंह सोमेश मिश्रा अनूप सिंह रिषभ निगम रामनाथ बर्मा सहित सैकड़ो लोग प्रदर्शन मे सामिल हुए।

खनिज विभाग दल द्वारा कोयले के अवैध परिवहन 8 वाहनों को किया जब्त

जागरण, वैढ़न । कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी सिंगरौली सुरेश जाधव के मार्गदर्शन में तथा खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल के अगुवाई में खनिज निरीक्षक अशोक मिश्रा द्वारा आज ग्रामीणों की शिकायत पर अवैध परिवहन के जांच में बरहवा टोला झिंगुरदा में कोयला के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 8 वाहनों को बिना अभिववहन पास के परिवहन करने पर पुलिस थाना मोरवा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। जप्त वाहनों में खनिज नियमों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जावेगी। उक्त जप्त वाहनों को परिवहन विभाग द्वारा भी अपने नियमो के तहत कार्यवाही हेतु शामिल कर अपनी अभिरक्षा में लिया हैं।

ग्रामीणों का आरोप, घटिया स्तर की बनाई जा रही सड़क

अमदरा । गांवों के अंदर पीडब्ल्यूडी की रोड ठेकेदार द्वारा बनाई जा रही है वह घटिया बनाई जा रही है घुनवारा वासियों ने बताया कि जो रोड हर जगह बनाई गई हैं वह गुणवत्ता सही नहीं है जो गिट्टी डाली जा रही है वह भी कम एम एम की है दूसरी ओर झुकेही बाद वासियों ने बताया कि काफी समय से झुकेही मोड़ में जो रास्ता कैमोर विजयराघवगढ़ के साथ नीलकंठ मंदिर को जाता है वहां काफी गड्ढा हो गया है कभी भी भीषण हादसा हो सकता है लेकिन किसी भी अधिकारी का ध्यान वहां नहीं जाता है सड़क निर्माण की जांच और झुकेही मोड़ को लेकर जल्द ही पी डब्लू मंत्री को पत्र लिखे जाने की बात जनता ने कही।

तिघरा टीम ने जीता मैच, धर्मेश घई रहे मुख्य अतिथि

जागरण, अमदरा । अमर शहीद वीर शंकर प्रसाद पटेल के स्मृति सीजन 2 में भव्य क्रिकेट टूनामेंट आयोजन के नौवे दिन मैहर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धर्मेश घई मुख्य अतिथि रहे उन्होने मैच का शुभारंभ किया। प्रथम मैच तिघरा बनाम कुठलगवा के मध्य खेला गया जिसमें तिघरा टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर के जीत हासिल की दूसरे मैच में कैलवारा बनाम अमदरा के बीच खेला गया जिसमें कैलवारा ने अपने शानदार प्रदर्शन से जीत हासिल की तीसरा मैच पलौहा बनाम टिस्किली खुर्द के बीच खेला गया जिसमें पलौहा ने अपने शानदार प्रदर्शन से जीत हासिल की चौथे मैच तिघरा बनाम नौगांवा के बीच खेला गया जिसमें तिघरा ने अपने शानदार प्रदर्शन से जीत हासिल की एवं आज ही के दिन का पचामा मैच कैलवारा अे पलौहा के बीच खेला गया जिसमें कैलवारा ने अपने शानदार प्रदर्शन से जीत हासिल की और फाइनल में अपनी जगह बनाई एवं आज के मुख्यातिथि धर्मेश घई रोमी भैया ने अमर शहीद वीर शंकर प्रसाद पटेल जी को याद करते हुए सभी टीमों को बहुत बहुत बधाई दी गई। आज के अतिथि हीरो शशि मोटर्स के संचालक गुड्डू भैया डॉ विवेक सिंह,मैहर से पूर्व पार्षद चूड़ामणि बदौलिया सुभाष पांडेय, अवसर पटेल , रघुनाथ सिंह, एवं अमदरा क्षेत्र के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

महाविद्यालय रामनगर में राष्ट्रीय गीत का हुआ गायन

जागरण, रामनगर। छात्र छात्राओं सहित प्रध्यापको ने भी राष्ट्रगीत गाकर मनाई 150 वी वर्षगांठ राष्ट्र गीत, राष्ट्रगान व मध्यप्रदेश गान का हुआ सामूहिक गान उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय न्यू रामनगर मैहर म.प्र. के प्राचार्य डॉ एस के वर्मा के निर्देश पर प्रभारी प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजय कुमार साकेत के मार्गदर्शन में 16 दिसम्बर को वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वी वर्षगांठ के अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के मूल पाठ के प्रशिक्षण के साथ महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी तथा छात्र एवं छात्राओं के द्वारा राष्ट्रगीत राष्ट्रगान तथा मध्य प्रदेश गान का सामूहिक गान किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ संजय कुमार साकेत मूल पाठ का प्रशिक्षण डॉ पूनम शर्मा एवं कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ अशोक कुमार कुररिया द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर राम जी पाण्डेय द्वारा किया गया।

महापौर ने वार्ड नम्बर 22 में आरसीसी नाली निर्माण का किया भूमि पूजन

जागरण, सतना। बुधवार को महापौर योगेश ताम्रकार ने शहर के वार्ड क्रमांक 22 अंतर्गत सीताराम पेट्रोल पंप के पीछे पीसीसी नाली निर्माण लागत 18.32 लाख एवं आरसीसी नाली निर्माण लागत 14.39 लाख कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। यह कार्य क्षेत्र में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करेगा जिससे स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। जनहित में विकास कार्यों की यह श्रृंखला सतना को स्वच्छ सुव्यवस्थित और सशक्त शहर की दिशा में आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती पांडेय नगर निगम निर्माण समित के अध्यक्ष गोपी गेलानी वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता राजेंद्र कुशवाहा, स्वामीदीन कुशवाहा, सी एल पटेल, समर बहादुर सिंह, त्रिभुवन वर्मा, आर पी सिंह, स्थानीय प्रबुद्ध जन एवं आम नागरिक उपस्थित रहें।

तहसील परिसर से बीएलओ की गाड़ी पार

सतना। निर्वाचन कार्य के लिए दलदल गांव के शिक्षक व बीएलओ लक्ष्मण आदिवासी पिता बुद्धसेन आदिवासी जो की शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बनाफर टोला दलदल में पदस्थ हैं वह अपनी दो पहिया वाहन क्रमांक एमपी 19 एम के 5313 एचएफ डीलक्स लाल और काले रंग की गाड़ी से रामपुर बघेलान तहसील में निर्वाचन कार्यालय आए हुए थे जहां पर वह तहसील परिसर में अपना दो पहिया वाहन खड़ा करके फॉर्म लेने के लिए कार्यालय के अंदर गए दरमियान चोरों ने मौके का फायदा उठाकर उनकी दो पहिया गाड़ी पार कर दी जब लौटे और वहां वाहन नहीं देखा तो इधर उधर पूछ तांछ करने के बाद जब पता नहीं चला तब उन्होंने रामपुर बाघेलान थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। घटना की जानकारी लगते ही रामपुर बघेलान पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

जनप्रतिनिधि बनाम अधिकारी, जिला पंचायत विवाद पर एफआईआर की तैयारी

जागरण, डिंडोरी । मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में एक बार फिर प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि के बीच टकराव सामने आया है। जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी के बीच हुआ विवाद अब पुलिस जांच का विषय बन गया है। दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे पर अभद्रता और अपमानजनक व्यवहार के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार 17 दिसंबर को जिला पंचायत कार्यालय में निर्माण कार्यों की राशि जारी करने तथा 'मां की बगिया' योजना के अंतर्गत लगाए जा रहे पौधों की गुणवत्ता को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान हुई कहासुनी देखते ही देखते तीखी नोकझोंक में बदल गई। जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी ने पुलिस अधीक्षक डिंडौरी को सौंपे लिखित आवेदन में बताया कि वे अपने कक्ष में शासकीय कार्य कर रहे थे, तभी जिला पंचायत अध्यक्ष कार्यालय पहुंचे और निर्माण कार्यों की राशि शीघ्र जारी करने का दबाव बनाने लगे। सीईओ के अनुसार उन्होंने पहले ही इस विषय पर 22 दिसंबर को बैठक तय होने की जानकारी अध्यक्ष को दे दी थी, इसके बावजूद कथित रूप से तेज आवाज में दबाव बनाया गया। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि अध्यक्ष ने टेबल ठोकी, अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया, गाली-गलौज की और धमकी भी दी। घटना के दौरान कार्यालय में अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। सीईओ का कहना है कि इस घटनाक्रम से उनकी सार्वजनिक छवि और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इस मामले में जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी सीईओ के समर्थन में पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर विरोध दर्ज कराया है। दूसरी ओर जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने भी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अध्यक्ष का आरोप है कि सीईओ ने एक जनप्रतिनिधि के साथ अभद्र व्यवहार किया और जानबूझकर उन्हें अपमानित किया। पूरे मामले को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जिला पंचायत अध्यक्ष के द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने दिव्यांग दम्पति को कम्बल वितरित किया

जागरण, मंडला । शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के बीच कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मानवता का परिचय देते हुए असहाय निःशक्त दिव्यांग दम्पति को कम्बल वितरित किया।कड़ाके की ठंड के बीच नर्मदा परिक्रमा पर निकले श्रद्धालुओं,बुजुर्गों एवं परिक्रमावासियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने माहिष्मति घाट,दादा धनीराम बाबा मंदिर और संगम घाट पर देर रात्रि पहुंचकर कंबल वितरित किए सरदार पटेल वार्ड, लालीपुर निवासी श्री मुन्ना सारथी और उनकी पत्नी श्रीमती सोना बाई सारथी को कलेक्टर श्री मिश्रा ने शीतलहर से बचाव के लिए कम्बल प्रदान किया।इस दौरान कलेक्टर ने केवल औपचारिक भेंट नहीं की, बल्कि दम्पति के साथ संवाद भी किया। उन्होंने आत्मीयता से उनकी दिनचर्या और हालचाल पूछा तथा उनकी व्यक्तिगत समस्याओं और आवश्यकताओं को जानने का प्रयास किया।

रैली व अनशन को लेकर किसान संघ ने की प्रेसवार्ता

जागरण, डिंडोरी। भारतीय किसान संघ डिंडोरी शहपुरा के पदाधिकारियों ने किया 29 दिसम्बर 2025 से शुरू होने वाली विशाल रैली व अनशन किसान हड़ताल को लेकर प्रेसवार्ता किया। जिसमें किसान नेताओं ने आंदोलन की रूपरेखा और किसानों की समस्याओं को सार्वजनिक किया। किसान संघ ने बताया कि किसानों की मूलभूत समस्याओं को हल कराने के लिए भारतीय किसान संघ वर्षों से ज्ञापन व अनेक पत्रों के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत करा रही लेकिन सरकार प्रशासन किसानों को लगातार नजरअंदाज कर रही है। भारतीय किसान संघ ने बताया कि कैनाल टूटी हुई है, किसानों को लाइट बिजली, पानी की समस्या लगातार बनी हुई है, लगातार अवगत करा रहे हैं उसके बाद भी शासन प्रशासन मौन है लगभग करोड़ की लागत से बनी हुई जलाशय का पानी किसानों को नहीं मिल रहा है। उसको संबंध में हम प्रशासन प्रकाशन संबंधित हमारे नेता मंत्री का प्रतिनिधि सबको हमने अवगत कराया उसके बाद भी किसानों की आवाज को दबाया जा रहा है लगातार किसानों को इसी संबंध में भारतीय किसान संघ जिला मंत्री निर्मल कुमार साहू जी के द्वारा शासन प्रशासन को चेतावनी दी गई है ।

वर्ष 73 अंक 80 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 18 दिसंबर, 2025
पौष कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

> जिंदगी में आपका नजरिया ही सबसे अहम होता है। अगर आप खुद को बहुत गंभीरता से न लें, तो रोजमर्रा की जिंदगी में भी हास्य ढूंढ सकते हैं और कई बार यही हास्य जीवन रक्षक बन जाता है।
> - बिटी व्हाइट

संसदः लोकसभा में ग्रामीण रोजगार बढ़ाने के दावे और परमाणु नीति पर पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी टकराव

परमाणु क्षेत्र में अब निजी कंपनियों की एंट्री, लोकसभा से 'शांति' बिल पास, 'वीबी जी राम जी' बिल पर तकरार जारी

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद के शीतकालीन सत्र में बुधवार को परमाणु ऊर्जा और ग्रामीण रोजगार के मुद्दों पर सियासी टकराव खुलकर सामने आया। एक ओर लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों की एंट्री का रास्ता साफ करते हुए सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटॉमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) बिल, 2025 को पारित कर दिया, वहीं दूसरी ओर शाम को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी बिल, 2025 पर चर्चा शुरू हुई। दोनों विधेयकों को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया और शांति बिल के समय वॉकआउट भी किया।

लोकसभा ने विपक्ष के विरोध और संशोधनों को खारिज करते हुए शांति बिल को ध्वनिमत से पारित कर दिया। यह बिल परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देता है, जिसे सरकार ने ऐतिहासिक फैसला बताया है। बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि इसमें वही सुरक्षा उपाय शामिल हैं जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के दौर में लागू थे। मंत्री ने बताया कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा गया है और नुकसान की स्थिति में संचालक को ही भरपाई करनी होगी, इसके लिए परमाणु उत्तरदायित्व कोष का भी प्रावधान है।

> यदि भारत को 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य हासिल करना है, तो उसमें परमाणु ऊर्जा की भूमिका निर्णायक होगी। निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया है।
> **डॉ. जितेंद्र सिंह,** केंद्रीय परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री

सरकार का तर्क

आज की दुनिया में अलग-थलग रहकर विकास संभव नहीं है। भारत अब 'अनुसरण करने वाला देश नहीं, बल्कि ऐसा देश है जिसे दुनिया फॉलो करती है।'

दावाः स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत और वैश्विक मानकों के अनुरूप ढांचा खड़ा करने के लिए यह विधेयक मील का पत्थर साबित होगा।

विपक्ष का आरोपः संवेदनशील क्षेत्र में कॉरपोरेट्स के लिए रास्ता

विपक्ष ने शांति बिल को लेकर तीखा विरोध किया। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा सहित कई दलों ने आरोप लगाया कि बिल में आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व को कमजोर किया गया है और यह संवेदनशील परमाणु क्षेत्र को निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए खोलने वाला कदम है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मांग की कि बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जाना चाहिए। विपक्ष के असंतोष के बाद कांग्रेस, डीएमके और अन्य दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

> विधेयक में रेडियोधर्मी विकिरण और परमाणु अपशिष्ट से जुड़े जोखिमों को नजर-अंदाज किया गया है, जिससे नियामक ढांचा कमजोर हो सकता है।
> **शशि थरूर,** कांग्रेस सांसद

वीबी जी राम जी बिल पर हंगामाः कृषि मंत्री बोले- रोजगार 25 दिन बढ़ाया है

शाम 5.40 बजे से लोकसभा में वीबी जी राम जी बिल, 2025 पर चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार ग्रामीण रोजगार को मजबूत करना चाहती है और इस बिल के तहत रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि चर्चा के बाद सरकार का पक्ष भी सुना जाए। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मनरेगा को कमजोर करने की कोशिश बताया। चर्चा से पहले कांग्रेस सांसदों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि नाम बदलकर तथा जिम्मेदारी राज्यों पर डालकर केंद्र सरकार इस योजना से धीरे-धीरे हाथ खींच रही है। वहीं डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि इस बिल के जरिए सरकार गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। वहीं, तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि यह बिल विकास के लिए नहीं, बल्कि राजनीति के लिए लाया गया है।

ऑफ बीट

इटली में सिर्फ 90 रुपए में घर बेच रहे हैं ग्रामीण

इटली के मोलिझे क्षेत्र के मध्यकालीन गांव कास्त्रोपिगनानो में प्रशासन ने बसने के लिए एक यूरो यानी करीब 90 रुपए में घर बेचने की योजना शुरू की है। इस तरह कास्त्रोपिगनानो सबसे सस्ता घर देने वाला दुनिया का पहला गांव बन गया है। अभी इस गांव में 900 लोग रहते हैं। 1930 के दशक में यहां 2500 लोग रहते थे। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कई लोग यहां से जाने लगे। 1960 के बाद युवाओं ने रोजगार और अन्य अवसरों के लिए गांव छोड़ दिया। आज गांव में 60 प्रतिशत लोग 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं। अब प्रशासन यह गांव फिर से बसाना चाहता है। इसलिए लोगों को सस्ते घर देने का वादा कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने घरों के मूल मालिकों को नोटिस भेजा। अगर वे घरों की मरम्मत नहीं कराएंगे तो सुरक्षा कारणों से घर कब्जे में ले लिए जाएंगे।

आरजी कर बलात्कार मामला

हाईकोर्ट करेगा सुको के आदेशों की निगरानी

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई बलात्कार और हत्या की घटना से जुड़े स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) मामले को हाईकोर्ट को सौंप दिया है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के पालन की निगरानी कलकत्ता हाईकोर्ट करेगा। यह फैसला जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि यह मामला कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने रखा जाए। इसके लिए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से उपयुक्त पीठ तय करने को कहा गया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को आदेश दिया गया है कि सभी रिकॉर्ड और दस्तावेज कलकत्ता हाईकोर्ट को भेजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि सीबीआई की ओर से दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट की प्रतियां पीड़िता के माता-पिता को दी जाएं, ताकि उन्हें जांच की प्रगति की पूरी जानकारी मिल सके।

सख्तीः दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का सुझाव

एनसीआर में प्रदूषण के मुद्दे पर 'एक निकाय' की जरूरत

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली-एनसीआर में हर साल गंभीर होती जा रही वायु प्रदूषण की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अहम और दूरगामी टिप्पणियां करते हुए जरूरी निर्देश दिए। स्कूलों के बंद रहने, वर्क फ्रॉम होम, पुराने वाहनों पर छूट, निर्माण श्रमिकों की मदद, अमीर-गरीब के बीच असमान असर के साथ एनसीआर के लिए साझा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर अदालत ने स्पष्ट किया कि अब तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान तलाशने का वक्त आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीटी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा को मिलकर पूरे एनसीआर के लिए एक साझा निकाय के गठन पर समन्वित प्रयास करने चाहिए, ताकि प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अदालत का मानना है कि अलग-अलग राज्यों के बिखरे फैसलों से समस्या का समाधान संभव नहीं है। अदालत ने सीएक्यूएम को निर्देश दिया कि वह प्रदूषण को लेकर लॉन्ग-टर्म प्लान पेश करे, इसमें शहरी आवागमन, पराली रोकने के लिए किसानों को प्रोत्साहन जैसे बिंदु शामिल हों।

बीएस-4 और नए वाहनों को छूटः सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बीएस-4 और उससे नए वाहनों को ही छूट मिलेगी। बीएस-3 और उससे पुराने वाहन प्रतिबंध से बाहर नहीं होंगे।

अमीर-गरीब पर प्रदूषण का अलग असरः यह बात भी सामने आई कि प्रदूषण का असर सभी वर्गों पर समान नहीं पड़ता। सक्षम परिवार ऑनलाइन क्लास, एयर प्यूरीफायर और निजी साधनों से किसी हद तक खुद को बचा लेते हैं, वहीं गरीब परिवारों के पास ऐसे विकल्प नहीं होते। कोर्ट ने संकेत दिया कि नीतियां बनाते समय इस सामाजिक असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

निर्माण श्रमिकों को आर्थिक सुरक्षाः सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि प्रतिबंधों के कारण खाली बैठे निर्माण श्रमिकों का सत्यापन कर उनके खातों में सीधे पैसा ट्रांसफर किया जाए। साथ ही वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था पर विचार करें।

स्कूल बंद या खुले रहें यह नीति का विषय

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि स्कूल खोलना या बंद करना सरकार और विशेषज्ञों का नीतिगत फैसला है, इसमें अदालत दखल नहीं देगी। कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने दो विपरीत मांगें हैं। एक ओर समृद्ध वर्ग स्कूल और खेल गतिविधियां पूरी तरह बंद करने की मांग कर रहा है। दूसरी ओर गरीब अभिभावक स्कूल खोलने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि बच्चों को मिड-डे मील जैसी सुविधाएं मिलती हैं। सरकारें यह अपने अपने क्षेत्र और जरूरत के मुताबिक तय करें।

पाश्चात्य देशों से प्रभावित हम अपनी संस्कृति भूलते जा रहे हैंः राज्यपाल

एपीएसयू विवि रीवा के 13वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मंगूभाई पटेल

जागरण, रीवा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल बुधवार को रीवा दौरे पर रहे। उन्होंने एपीएसयू के रिसर्च, इनोवेशन और इनक्यूवेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने बतौर विश्वविद्यालय कुलाधिपति समारोह में छात्रों को उपाधि प्रदान की। साथ ही, उत्कृष्ट छात्रों को कुलपति स्वर्ण पदक व स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि जीवों में मानव एक ही है, जिसे सम्पूर्ण शक्ति मिली। मानव के अलावा कोई बोल नहीं सकता, इस शक्ति को ध्यान में रखते हुए हमारा कर्तव्य क्या है, उसे अच्छी तरह से समझने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय वह पहला विवि है जहां रामायण शोध पीठ की स्थापना की गई है। यह विवि की बड़ी उपलब्धि है, हमारे इन ग्रंथों पर शोध होंगे तो लोग संस्कृति को जानेंगे। पहले घरों में बच्चे जगने के बाद धरती माता को प्रणाम करते थे, पश्चिमी देशों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, यह दीक्षा कभी न भूलने वाला पर्व है। हम भूल सकते हैं लेकिन छात्रों को कुलगुरु द्वारा दी गई दीक्षा कभी भूलना नहीं हैं। छात्र विद्या के सम्पूर्ण महत्व को समझें, यह सामाजिक समरसता का विकास करती है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने देश का युवा आगे आये। देश को आगे बढ़ाने में आपका योगदान होना चाहिए और आपकी सक्रियता का पता चलना चाहिए। समारोह में बतौर मुख्य वक्ता महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरदास महाराज सम्मलित हुए।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

4 लोग जिंदा जले, सीट पर चिपक गए थे शव

अलवर, जेएनएन। अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर देर रात एक पिकअप में आग लग गई। हादसे में 3 लोगों की बुरी तरह जलने से मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर झुलसे व्यक्ति को जयपुर रेफर किया गया है।

एक्सीडेंट जिले के रैणी थाना क्षेत्र में रात करीब एक बजे हुआ। एएसआई मोहम्मद आमीन ने बताया कि अंदाजा है कि पिकअप को ड्राइवर साइड की तरफ किसी वाहन से टक्कर लगी है। टक्कर के तुरंत बाद आग लग गई। तीनों शव सीट पर चिपके हुए मिले। हादसे में घायल ड्राइवर की पहचान हन्नी निवासी झज्जर (हरियाणा) के रूप में हुई है, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप को पीछे से टक्कर मारी गई है।

दो मृतक मध्यप्रदेश के

पिकअप में मिले तीन लोगों के शवों की पहचान मोहित निवासी बहादुरगढ़ (हरियाणा), दीपेंद्र निवासी सागर (मध्यप्रदेश) और पदम निवासी सागर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है।

देवासः 11 लाख की एमडी सहित तस्कर गिरफ्तार

जागरण, खातेगांव। प्रदेश में एमडी ड्रग्स की तस्करी पुलिस की सख्ती के बाद भी रुक नहीं पा रही है। अब देवास जिले में 11 लाख रुपए की एमडी ड्रग्स पुलिस के हत्थे चढ़ी है। दो तस्करों को भी पुलिस ने पकड़ा है। यह गिरोह गांवों को अपना टारगेट बनाता है और गांव-गांव में अपने पेडलर्स के जरिए ड्रग्स सप्लाई करता है। दो आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

गिरोह में एक नाबालिग भी आरोपी

ऑपरेशन प्रहार के तहत देवास के कन्नौद और सतवास थाना क्षेत्रों की संयुक्त टीमों ने मुखबिर की सूचना व संदिग्ध गतिविधियों की लगातार निगरानी के बाद दबिश देकर दो आरोपियों को पकड़ा है। बाइक सवार दो संदिग्धों की तलाशी में 55 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई है। इसकी कीमत 11 लाख से अधिक बताई जा रही है। आरोपियों के कब्जे से मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। नारायणसिंह (50) पिता बोमेरसिंह, निवासी आंगरी सुवासरा एवं एक नाबालिग बालक के पास ड्रग्स से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले।

बेबाक बोल — चीफ ऑफ स्टाफ के इंटरव्यू से अमेरिका में सियासी हलचल

ट्रंप का व्यवहार शराबियों जैसा, उन्हें लगता है कि वे कुछ भी कर सकते हैं

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में एक इंटरव्यू से बड़ा भूचाल आ गया है। मशहूर मैगजीन वैनिटी फेयर में प्रकाशित एक लेख में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यक्तित्व और सत्ता संचालन को लेकर बेहद तीखी और चौंकाने वाली बातें कहीं। यह लेख आते ही अमेरिकी सत्ता के गलियारों में हलचल मच गई है। लेख के अनुसार, सूसी वाइल्स ने ट्रंप के व्यक्तित्व को 'अल्कोहॉलिक जैसी मानसिकता' वाला बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप शराब नहीं पीते, लेकिन उनका व्यवहार और काम करने का तरीका एक 'हाई-फंक्शनिंग अल्कोहॉलिक' जैसा है- अत्यधिक जुनूनी, लगातार सक्रिय और हर हाल में नियंत्रण अपने हाथ में रखने वाला। वाइल्स के शब्दों में, ट्रंप इस विश्वास के साथ काम करते हैं कि 'ऐसा कुछ भी नहीं है जो वे नहीं कर सकते।'

लेख में वाइल्स ने यह भी दावा किया कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 11 महीनों में ही उतना काम कर चुके हैं, जितना कई राष्ट्रपति पूरे आठ साल में नहीं कर पाए।

एक साल में दिए 11 इंटरव्यू

इस लेख को पत्रकार क्रिस व्हिपल ने लिखा है और यह लगभग एक साल में दिए गए 11 ऑन-द-रिकॉर्ड इंटरव्यूज पर आधारित है। इतनी विस्तृत बातचीत के कारण वाइल्स के लिए लेख की सामग्री से पूरी तरह इनकार करना मुश्किल हो गया। हालांकि उन्होंने इसे 'भ्रामक ढंग से पेश किया गया हिट पीस' बताते हुए कहा कि इसमें जरूरी संदर्भों को नजरअंदाज किया गया है।

वेंस को बताया अवसरवादी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को लेकर वाइल्स ने बेहद कड़ा बयान दिया। उन्होंने वेंस को 'अवसरवादी' बताया और कहा कि वह किसी वैचारिक प्रतिबद्धता के कारण नहीं, बल्कि राजनीतिक फायदे के लिए ट्रंप के समर्थक बने। उन्होंने वेंस को 'षड्यंत्र सिद्धांतों में विश्वास करने वाला' व्यक्ति भी कहा।

मस्क को बताया नशे का आदी

लेख में अरबपति कारोबारी एलन मस्क का भी जिक्र है, जिन्हें वाइल्स ने 'खुले तौर पर केटामाइन का उपयोग करने वाला' बताया। इसके अलावा, उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने ट्रंप को आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने और बदले की राजनीति से बचने की सलाह दी थी, लेकिन ट्रंप ने उनकी बात नहीं मानी। वाइल्स के मुताबिक, ट्रंप लगातार 'प्रतिशोध' की भावना से संचालित होते हैं।

21वें निर्वाण दिवस पर
पुण्य स्मरण

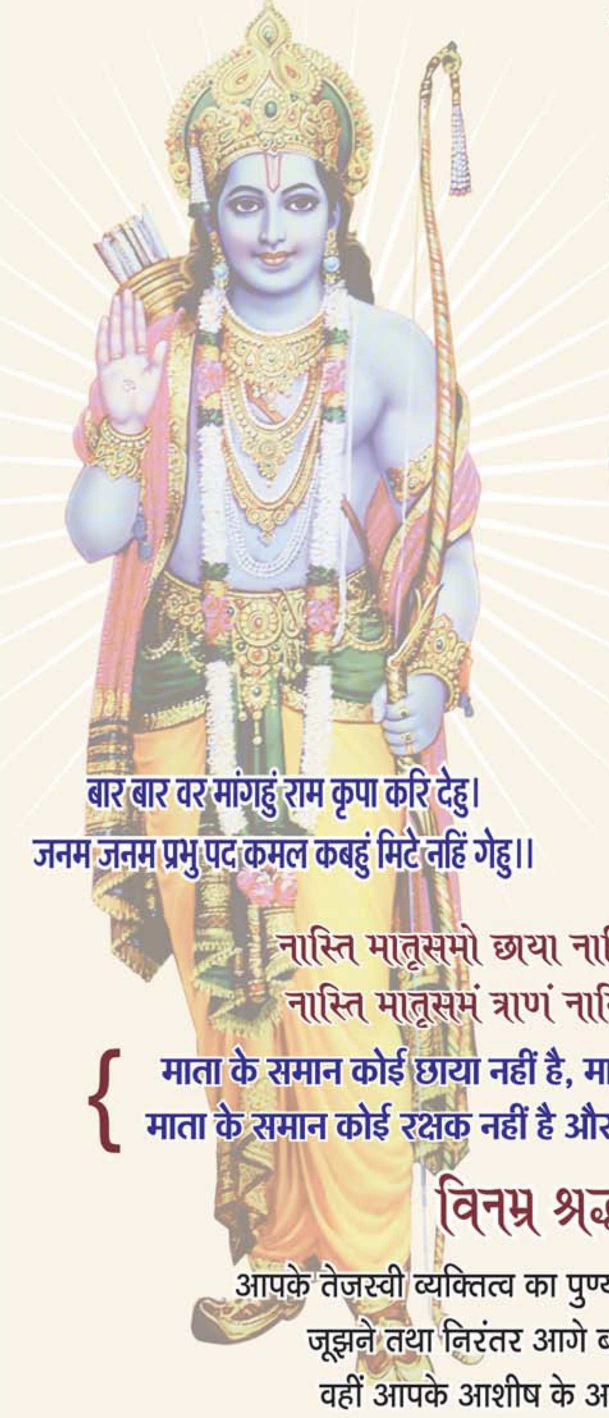

बार बार वर मांगहुं राम कृपा करि देहु।
जनम जनम प्रभु पद कमल कबहुं मिटे नहिं गेहु।।

श्रद्धेय श्रीमती सोमवती गुप्ता
जन्म 3 दिसम्बर 1926 महाप्रयाण 18 दिसम्बर 2004

नास्ति मातृसमो छाया नास्ति मातृ समा गतिः ।
नास्ति मातृसमं त्राणं नास्ति मातृसमा प्रिया ।।

माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है।
माता के समान कोई रक्षक नहीं है और माता के समान कोई प्रिय नहीं है।

विनम्र श्रद्धांजलि

आपके तेजस्वी व्यक्तित्व का पुण्य स्मरण हमें कठिनाईयों से
जूझने तथा निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।
वहीं आपके आशीष के अहसास की ऊष्मा हमें
कामयाबी के नित नए आसमान छूने की ऊर्जा प्रदान करती है।
आपकी सत्यता, सादगी, सदाचार और सहिष्णुता
सदैव हमारे मार्गदर्शन करते रहेंगे।

परम रामभक्त "माताश्री" के चरणकमलों में श्रद्धावनत
समस्त दैनिक जागरण परिवार

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

नफरत प्रेरित आतंकी हमलों पर शिकंजा कसे दुनिया

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है।

जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था, जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता।

निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है। विश्व समुदाय को किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ होने वाली आतंकी घटनाओं का मुकाबला मिलकर करने की जरूरत है। अन्यथा कट्टरपंथी तत्वों के हौसले बुलंद होते रहेंगे।

विकास दर और जीवन स्तर के बीच संतुलन बनाना जरूरी

विकास और प्रदूषण

प्रसेनजित दत्ता

> सरकार को विकास दर में तेजी और नागरिकों के जीवन स्तर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। तेज आर्थिक वृद्धि के साथ कुल उत्सर्जन में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है, जिससे वायु प्रदूषण, स्वास्थ्य जोखिम और जीवन गुणवत्ता पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। त्वरित विकास के लिए अनिवार्य रूप से ऊर्जा की अधिक खपत, उच्च निर्माण गतिविधियों और उच्च औद्योगिक उत्पादन आदि की जरूरत होती है। लेकिन तेज आर्थिक तरक्की और ऊंची आर्थिक वृद्धि के साथ उत्पन्न होने वाली उत्सर्जन की अपरिहार्य समस्या के बीच संतुलन साधना एक ऐसी चुनौती रही है, जिसका सामना सभी विकासशील देश कर रहे हैं।

पिछले कुछ हफ्तों के दौरान दिल्ली और देश के अन्य महानगरों में बढ़ते वायु प्रदूषण ने भारतीय नीति निर्माताओं को एक ऐसे विषय का सामना करने के लिए विवश कर दिया है जिसकी वे अक्सर अनदेखी करते रहे हैं। वह विषय है कुल उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत न कि केवल अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता पर। वायु प्रदूषण की यह विकट समस्या ऐसे समय में सरकार सहित सबकी सांसे रोक रही है, जब भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर तेज करने और वर्ष 2047 तक एक विकसित देश बनने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है।

कुल उत्सर्जन और अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता के बीच का अंतर बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने उत्सर्जन तीव्रता कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है यानी वह आर्थिक उत्पादन की प्रति इकाई उत्सर्जन कम करना रहा है। भारत ने वर्ष 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता वर्ष 2005 के स्तर से 45 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य निश्चित रूप से साधा जा सकता है क्योंकि भारत 2005 से उत्सर्जन तीव्रता लगभग 36 फीसदी तक कम करने में सफल रहा है।

मगर समस्या यह है कि इससे वास्तव में हवा स्वच्छ नहीं होती है या वैश्विक तापमान में वृद्धि थमती नहीं। पूर्ण स्तर पर उत्सर्जन अभी भी बढ़ रहा है और तब तक बढ़ता रहेगा जब तक नीति निर्माता आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए नीतियां तैयार करते समय उत्सर्जन कम करने या कम से कम इसे सीमित रखने का तरीका नहीं खोज लेते। मौजूदा अध्ययनों से पता चलता है कि भारत का कुल उत्सर्जन वर्ष 2040 तक या जीडीपी की मौजूदा वृद्धि दर पर और अधिक समय तक बढ़ता ही रहेगा।

तेज आर्थिक तरक्की और ऊंची आर्थिक वृद्धि के साथ उत्पन्न होने वाली उत्सर्जन की अपरिहार्य समस्या के बीच संतुलन साधना एक ऐसी चुनौती रही है जिसका सामना सभी विकासशील देश कर रहे हैं। त्वरित विकास के लिए अनिवार्य रूप से ऊर्जा की अधिक खपत, उच्च निर्माण गतिविधियों और उच्च औद्योगिक उत्पादन आदि की जरूरत होती है।

वर्ष 2047 के लिए निर्धारित भारत के विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक है कि हमारी अर्थव्यवस्था लगातार दो दशकों तक 8 फीसदी सालाना वृद्धि दर से आगे बढ़े। यह आर्थिक वृद्धि देश की प्रति व्यक्ति आय को उस सीमा के पार पहुंचाने के लिए जरूरी है जिसका उपयोग विश्व बैंक किसी देश को उच्च आय वाले देश के रूप में वर्गीकृत करने के लिए करता है। यह बात भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है कि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि दर कुल उत्सर्जन में बढ़ोतरी का कारण बनेगी और जब तक इससे गंभीर तरीके से निपट नहीं लिया जाता तब तक देश के सभी बड़े शहरों में नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना जारी रहेगा। कई अध्ययनों से पता चला है कि लगातार उच्च वायु प्रदूषण जीवन प्रत्याशा कम करता है और नए शोध से यह भी पता चलता है कि इससे गर्भ में पल रहे शिशुओं को भी भ्रूण अवस्था में नुकसान पहुंच सकता है।

एक विकसित देश की पहचान केवल उच्च प्रति व्यक्ति आय ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के अनुसार उच्च प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ जीवन की उच्च गुणवत्ता, विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य, हासिल करना भी है। इसका मतलब है कि भारत को औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की रफ्तार तेज करने के साथ ही वायु और जल प्रदूषण जैसे सार्वभौमिक और उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा आदि पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उच्च आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा सुनिश्चित करना बहुत मुश्किल नहीं है। हालांकि, भारत में अधिकांश केंद्र सरकारों ने अब तक शिक्षा में सुधार का जिम्मा राज्य सरकारों या निजी क्षेत्र पर छोड़ना अधिक उचित समझा है। मगर पूर्ण उत्सर्जन कम करना या उससे निपटना नीति निर्माताओं के लिए कहीं अधिक बड़ी चुनौती है।

भारत की भविष्य की आर्थिक वृद्धि की दशा-दिशा विनिर्माण और सेवाओं, दोनों पर निर्भर होनी चाहिए। एक समय यह कहा जा रहा था कि सेवा-आधारित वृद्धि में कम ऊर्जा की आवश्यकता होगी और विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में कम उत्सर्जन होगा। मगर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और विशाल डेटा केंद्रों के आने के बाद बढ़ी ऊर्जा और पानी की खपत ने खतरे की घंटी बजा दी है। पूर्ण स्तर पर उत्सर्जन अभी भी बढ़ रहा है और तब तक बढ़ता रहेगा जब तक नीति निर्माता आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए नीतियां तैयार करते समय उत्सर्जन कम करने या कम से कम इसे सीमित रखने का तरीका नहीं खोज लेते। मौजूदा अध्ययनों से पता चलता है कि भारत का कुल उत्सर्जन वर्ष 2040 तक या जीडीपी की मौजूदा वृद्धि दर पर और अधिक समय तक बढ़ता ही रहेगा।

यही कारण है कि नीति निर्माताओं के लिए यह महसूस करना अब जरूरी हो गया है कि वे कुल उत्सर्जन या वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों से निपटने के लिए भारत के एक उच्च आय वाला देश बनने तक इंतजार नहीं कर सकते। वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचने की राह में निर्धारित अंतरिम लक्ष्यों के लिए भी पूर्ण उत्सर्जन के लिए समाधान मुहैया करने की जरूरत होगी। यह कतई नहीं कहा जा सकता कि आर्थिक वृद्धि दर धीमी कर दी जाए बल्कि वायु प्रदूषण की वास्तविक समस्या से निपटने का तरीका खोजना सही रणनीति होगी। जब तक इससे गंभीर तरीके से निपट नहीं लिया जाता तब तक देश के सभी बड़े शहरों में नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना जारी रहेगा। तेज आर्थिक विकास साथ में वायु प्रदूषण जैसी चुनौतियां भी लाता है जिसका सामना सभी लोगों को करना पड़ता है। इनमें से कम से कम कुछ समस्याओं को अधिक कठोर पर्यावरणीय नियमों को लागू करके और मौजूदा मानदंडों के बेहतर ढंग से लागू कर हल किया जा सकता है। पूर्ण उत्सर्जन कम करना या उससे निपटना नीति निर्माताओं के लिए कहीं अधिक बड़ी चुनौती है। भारत की भविष्य की आर्थिक वृद्धि की दशा-दिशा विनिर्माण और सेवाओं, दोनों पर निर्भर होनी चाहिए।

यह कोई छुपी बात नहीं है कि कई उद्योग (बड़े, मध्यम और लघु) उत्सर्जन मानदंडों पर बहुत कम ध्यान देते हैं। स्थानीय, राज्य या यहां तक कि केंद्र सरकार के स्तर पर भी उत्सर्जन या वायु प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर प्रयास नहीं होते हैं। पुराने ताप बिजली संयंत्रों को अक्सर अधिकारियों द्वारा उत्सर्जन नियंत्रण प्रणाली लागू करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। पूरे देश में जल प्रदूषण और जल स्तर में कमी का सिलसिला जारी है।

उत्सर्जन अवशोषित करने एवं प्रदूषण कम करने में बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पेड़ सड़कों एवं कारखानों के निर्माण और खनन गतिविधियों के लिए बेरहमी से गिराए जा रहे हैं और इनके बदले नई हरियाली विकसित करने के बहुत कम प्रयास किए जाते हैं। इसी तरह, जल निकायों को साफ करने से निर्माण गतिविधि और संबंधित क्षेत्रों के लिए सख्त उत्सर्जन नियंत्रण जैसे उपायों के साथ-साथ उत्सर्जन अवशोषित करने में मदद मिल सकती है। केंद्र सरकार को उच्च आर्थिक गति और नागरिकों के जीवन की बेहतर गुणवत्ता के बीच सही संतुलन साधने की जरूरत है। वह एक पहलू पर अधिक ध्यान देने के चक्कर में दूसरे की अनदेखी नहीं कर सकती।

भारत को औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की रफ्तार तेज करने के साथ ही वायु और जल प्रदूषण जैसे सार्वभौमिक और उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा आदि पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारत पाक संघर्षों में नजर आता है सैन्य रणनीति का विकास

भारतीय सैन्य रणनीति

जयसिंह रावत

> भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास में 1971 और 2025 दो ऐसे पड़ाव हैं, जो अलग-अलग समय, तकनीक और वैश्विक परिस्थितियों में लड़े गए संघर्षों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन दोनों संघर्षों को साथ रखकर देखने से न सिर्फ सैन्य रणनीति का विकास समझ में आता है, बल्कि यह भी साफ होता है कि भारत ने समय के साथ अपने प्रिवेंटिव एक्शन को कैसे बदला और परिष्कृत किया।

इतिहास में कुछ तारीखें केवल अतीत नहीं होतीं, वे वर्तमान को चेताती और भविष्य की दिशा तय भी करती हैं। 1971 का युद्ध और 2025 का आपरेशन सिंदूर दोनों अलग-अलग युगों की उपज होते हुए भी एक साझा सूत्र से जुड़े हैं। भारत की वह रणनीतिक चेतना, जो खतरे को सीमा पर पहुंचने से पहले रोकने में विश्वास रखती है। एक संघर्ष ने एक नए राष्ट्र को जन्म दिया, दूसरा परमाणु युग में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बदली हुई युद्ध-भाषा को परिभाषित करता है।

यह एक तरह से परमाणु धमकियों की पराजय ही थी। 13 दिनों के पूर्ण युद्ध और चार दिनों की सीमित सैन्य कार्रवाई के बीच का यह अंतर केवल समय का नहीं, बल्कि राजनीति, तकनीक, कूटनीति और वैश्विक शक्ति-संतुलन में आए गहरे बदलाव का भी दर्पण है।

देखा जाए तो भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास में 1971 और 2025 दो ऐसे पड़ाव हैं, जो अलग-अलग समय, तकनीक और वैश्विक परिस्थितियों में लड़े गए संघर्षों का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक ओर 1971 का 13 दिनों का पूर्ण युद्ध था, जिसने एशिया का राजनीतिक नक्शा बदल दिया, वहीं दूसरी ओर 2025 का चार दिन का सीमित आपरेशन था, जिसने परमाणु युग में युद्ध की नई परिभाषा गढ़ी।

इन दोनों संघर्षों को साथ रखकर देखने से न सिर्फ सैन्य रणनीति का विकास समझ में आता है, बल्कि यह भी साफ होता है कि भारत ने समय के साथ अपने प्रिवेंटिव एक्शन को कैसे बदला और परिष्कृत किया।

1971 का युद्ध किसी सीमित सैन्य घटना का परिणाम नहीं था। यह पूर्वी पाकिस्तान में चले 'ऑपरेशन सर्चलाइट' की परिणति ही था जिसके दौरान हुए भीषण जनसंहार में लाखों लोग मारे गए और एक करोड़ से अधिक शरणार्थी भारत में आ गए थे। भारत के लिए यह केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप का प्रश्न भी था। इसके विपरीत 2025 का संघर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले से उपजा, जिसमें 25 भारतीय नागरिक मारे गए जिसकी जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली। फर्क साफ है, 1971 का संघर्ष मानवाधिकार संकट से उपजा था, जबकि 2025 प्रॉक्सी वॉर और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का उदाहरण है।

अवधि और पैमाने में भी दोनों संघर्ष बिल्कुल अलग हैं। 1971 में 13 दिनों के युद्ध के बाद 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। यह न केवल भारत की अब तक की सबसे निर्णायक सैन्य विजय थी, अपितु विश्व के युद्धों के इतिहास का एक जगमगाता पन्ना भी था। इसके मुकाबले 2025 की कार्रवाई चार दिनों तक सीमित रही जिसमें करीब 14 लक्षित स्ट्राइक्स, नौ आतंकी कैंप ध्वस्त हुये मगर कोई भू-क्षेत्रीय बदलाव नहीं, जो भारत की मंशा भी नहीं थी।

यह परमाणु हथियारों के साये में लड़े जा रहे लिमिटेड वॉर का उदाहरण था, जहां लक्ष्य जीत नहीं, बल्कि विरोधी की क्षमता को बाधित करना था। आपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान की बार-बार की परमाणु हमले की धमकियों की हवा भी निकाल दी।

अंतरराष्ट्रीय भूमिका भी दोनों दौर में बदली हुई दिखती है। 1971 में भारत को सोवियत संघ का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था, जबकि अमेरिका और चीन पाकिस्तान के पक्ष में खड़े थे। 2025 में तस्वीर ज्यादा जटिल है। अमेरिका और चीन दोनों मध्यस्थ की भूमिका में दिखते हैं, जबकि चीन खुले तौर पर पाकिस्तान को ड्रोन और तकनीकी सहायता देता रहा है।

फर्क यह है कि 1971 में भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था था, जबकि 2025 में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ भारत की वैश्विक सौदेबाजी की क्षमता भी कहीं अधिक मजबूत है। रणनीति और तकनीक के स्तर पर बदलाव सबसे गहरा है। 1971 का युद्ध टैंक, तोप और पारंपरिक वायुसेना अभियानों पर आधारित था, जिसका अंतिम परिणाम एक नए राष्ट्र का निर्माण था।

2025 में ड्रोन, सटीक मिसाइलें, सैटेलाइट इंटेलिजेंस और साइबर क्षमताएँ निर्णायक रहीं। ब्रह्मोस जैसी प्रणालियों और रियल-टाइम इंटेलिजेंस ने यह दिखाया कि अब युद्ध की तैयारी महीनों नहीं, घंटों में होती है।

पाकिस्तान ने एक बार फिर 'मॉरल विक्टरी' का दावा ठीक उसी तरह किया जैसे 1971 में 120 भारतीय विमानों को मार गिराने का झूठा प्रचार किया गया था।

फर्क यह है कि आज सूचना युद्ध में झूठ ज्यादा देर नहीं टिकता। 2025 के संघर्ष में पाकिस्तान अब उसी तरह चीन का फ्रंट फेस बन चुका है, जैसे 1971 में वह अमेरिका के लिए था। साथ ही, सोशल मीडिया ने युद्ध और इतिहास की व्याख्या का नया मंच बना लिया है, जहाँ विजय और पराजय के दावे तुरंत चुनौती के घेरे में आ जाते हैं।यह साफ होता है कि साहस, नेतृत्व और स्पष्ट उद्देश्यकृये तत्व दोनों दौर में समान हैं, भले ही साधन बदल गए हों।

भविष्य के लिये इन संघर्षों का सबक स्पष्ट हैं। 1971 ने सिखाया कि राष्ट्रीय एकता और तेज निर्णय ऐतिहासिक परिणाम दे सकते हैं। 2025 चेतावनी देता है कि प्रॉक्सी वॉर के दौर में केवल सर्जिकल स्ट्राइक काफी नहीं, लंबी रणनीति, कूटनीति और खुफिया नेटवर्क उतने ही जरूरी हैं।

इतिहास बताता है कि शांति केवल ताकत से नहीं, बल्कि सतर्कता और समझदारी से आती है। अतीत की सीख ही भविष्य की सबसे मजबूत ढाल है।

प्रसंगवश

एक सोचा-समझा राजनीतिक संदेश है नितिन की नियुक्ति

राकेश के सिंह

> नितिन नवीन की नियुक्ति यह बताती है कि पार्टी नेतृत्व को उम्र या विरासत नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और संगठन में काम करने के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि बदलाव जरूरी है, लेकिन वह व्यवस्था को तोड़कर नहीं, बल्कि उसे मजबूत करते हुए किया जाएगा।

नितिन नवीन बिहार से आते हैं और बिहार लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाता रहा है। इसके बावजूद, शीर्ष स्तर पर वहां के नेताओं की भागीदारी सीमित रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नितिन नवीन को पार्टी का वर्किंग प्रेसिडेंट नियुक्त करना केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं है। यह एक सोचा-समझा राजनीतिक संदेश है। भाजपा में ऐसे फैसले आम तौर पर सिर्फ व्यक्ति को देखकर नहीं किए जाते, बल्कि इसके पीछे कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, विरोधियों और मतदाताओं तक पहुंचने वाला संकेत छिपा होता है।

सबसे पहले यह नियुक्ति पीढ़ीगत बदलाव का संकेत देती है। 45 वर्ष की उम्र में नितिन नवीन उस नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने भाजपा की राजनीति को उसके विस्तार और मजबूती के दौर में देखा है। उनकी नियुक्ति यह बताती है कि पार्टी नेतृत्व को उम्र या विरासत नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और संगठन में काम करने के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि बदलाव जरूरी है, लेकिन वह व्यवस्था को तोड़कर नहीं, बल्कि उसे मजबूत करते हुए किया जाएगा।

इस फैसले में एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संदेश भी छिपा है। बिहार लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाता रहा है। इसके बावजूद, शीर्ष स्तर पर वहां के नेताओं की भागीदारी सीमित रही है। एक बिहारी नेता को राष्ट्रीय संगठन में अहम जिम्मेदारी देना यह दर्शाता है कि भाजपा पूर्वी भारत और हिंदी पट्टी के राज्यों को गंभीरता से ले रही है। नेताओं को यह भरोसा भी देता है कि पार्टी का केंद्र सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है।

भाजपा ने इस नियुक्ति के जरिए खुद को एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी के रूप में फिर से स्थापित किया है। नितिन नवीन का राजनीतिक सफर—युवा मोर्चा से लेकर विधायक और मंत्री तक—पार्टी को यह कहने का अवसर देता है कि जो कार्यकर्ता जमीन पर काम करता है, वही आगे बढ़ता है। ऐसे समय में जब कई दल बाहरी और चर्चित चेहरों को तरजीह देते हैं, यह संदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

इस नियुक्ति में भविष्य की नेतृत्व तैयारी का संकेत भी दिखाई देता है। भाजपा भले ही उत्तराधिकार पर खुलकर बात न करती हो, लेकिन वर्किंग प्रेसिडेंट जैसे पद स्वाभाविक रूप से ऐसी चर्चाओं को जन्म देते हैं। नियुक्ति की घोषणा जिस तरीके और गति से हुई, वह भी अपने आप में एक संदेश है। प्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेताओं की तुरंत बधाई ने यह सुनिश्चित किया कि चर्चा सकारात्मक दिशा में जाए।

कुल मिलाकर, यह नियुक्ति एक व्यक्ति की तरक्की से ज्यादा भाजपा की सोच को दर्शाती है- युवा नेतृत्व, क्षेत्रीय संतुलन, कार्यकर्ताओं का सम्मान और भविष्य की तैयारी। यह एक शांत लेकिन प्रभावशाली राजनीतिक संदेश है।

॥गीता॥

श्लोक

इन्द्रियाणि मनो
बुद्धिरस्याधिष्ठानमुच्यते।
एतैर्विमोहयत्येष
ज्ञानमावृत्य देहिनम।।

भावार्थ

इन्द्रियाँ, मन और बुद्धि, ये सब वास स्थान कहे जाते हैं। यह काम इन मन, बुद्धि और इन्द्रियों के द्वारा ही ज्ञान को आच्छादित करके जीवात्मा को मोहित करता है।

जीवन दर्शन

तूफानों से लड़ने वाले वृक्ष ही मजबूत बनते हैं

प्रकृति बताती है कि मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सामना किया हो। बेशक संघर्ष पीड़ा देता है, लेकिन इन्सान को बेहतरीन प्रतिफल भी उसी से मिलता है।

प्रकृति ने मनुष्य के भीतर जो सबसे चतुर तंत्र रचा है, उसका नाम है संघर्ष। यह वही शक्ति है, जो इन्सान को आगे बढ़ने, विकसित होने और अंततः महान बनने के लिए प्रेरित करती है। संघर्ष कभी दर्द बनकर सामने आता है और कभी किसी अद्भुत अनुभव का रूप लेकर, परंतु हर रूप में वह मनुष्य को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा ही देता है। जन्म से लेकर अंतिम सांस तक का जीवन चुनौतियों व परीक्षाओं से भरी एक निरंतर यात्रा है, जिसे कोई भी टाल नहीं सकता। ऐसे में, लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए संघर्ष जरूरी है।

हर सीख, हर समझ और हर अनुभव एक नई चुनौती के द्वार से होकर गुजरता है। ठीक उसी प्रकार जैसे सोना आग में तपकर चमकता है, व्यक्ति भी संघर्ष के ताप से निखरता है। धन-संपत्ति का निर्माण हो या कॅरिअर की ऊंचाई, कोई भी लक्ष्य संघर्ष के बिना नहीं मिलता। कई लोग तो आवश्यकता से अधिक धन कमाने की बेचैनी में, अत्यधिक परिश्रम और चिंता के कारण जीवन के शुरुआती पड़ाव में ही खुद को थका देते हैं। परंतु संघर्ष केवल धन या पद तक सीमित नहीं है। बेहतर सेहत बनाए रखना अपने आप में एक निरंतर युद्ध है-आलस्य, अस्वास्थ्यकर आदतें, रोगों और तनाव से लड़ने का युद्ध। इसी प्रकार भोजन, आश्रय, नौकरी की सुरक्षा, पेशे में पहचान, और व्यवसाय को संकट से बचाने जैसे हर मोड़ पर संघर्ष मिलता ही है। जीवन का ऐसा शायद ही कोई क्षेत्र हो, जहां संघर्ष का हाथ थामे बिना आगे बढ़ना संभव हो पाए।

संघर्ष मनुष्य को तोड़ता नहीं, बल्कि उसे और बेहतर ढंग से गढ़ता है। वह बुद्धि को पैना करता है, उत्साह को जगाता है, विश्वास को मजबूत करता है और कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है। यही वह चीज है, जो मनुष्य को अपने भीतर छिपे उस उद्देश्य की खोज करने के लिए प्रेरित करता है, जिसके लिए वह इस धरती पर आया है।

यह आत्मसंतोष और आलस्य की नींद से बाहर निकालकर उसे जीवन की अनवरत गति में बनाए रखता है। मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति वही है, जो उसे सबसे बड़ी चुनौती देती है। और यही सत्य है। शक्ति, चाहे शारीरिक हो या मानसिक, संघर्ष की ही उपज है। जो व्यक्ति चुनौतियों का सामना करता है, वह अंततः वही शक्ति प्राप्त करता है, जिसकी उसे अपनी विजय के लिए आवश्यकता होती है।

जीवन की राह स्पष्ट है-गतिशील रहो या फिर समाप्त हो जाओ। यहां कोई अपवाद नहीं, कोई समझौता नहीं। प्रकृति बताती है कि सबसे मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सीधे सामना किया हो।

हर संघर्ष कुछ पीड़ा देता है, लेकिन यही पीड़ा मनुष्य को उसका सबसे बड़ा प्रतिफल भी देती है। इतिहास के हर सफल व्यक्तित्व ने अपना नेतृत्व संघर्षों की भट्ठी में तपा है। इसलिए, संघर्ष से भागिए मत।

जीवन में हर कदम पर खुद को गढ़ना पड़ता है। संघर्ष ही वह जादू है, जो क्षमताओं को तराशता तथा हौसले को और मजबूत बनाता है। जो व्यक्ति चुनौतियों से नहीं डरता, वही अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान पाता है। तूफानों से जूझकर खड़े रहने वाले वृक्षों की तरह, इन्सान भी विपरीत परिस्थितियों का सामना करके ही महान बनता है।

-नेपोलियन हिल

उपार्जन केंद्रों में निर्धारित मात्रा से ज्यादा ली जा रही धान

जागरण मनमानी

40 किलो के स्थान पर ली जा रही 41 किलो धान

धान के गीली होने का बनाया जा रहा दबाव

जागरण, सीधी

जिले के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी का कार्य शुरू होते ही मनमानी भी सुर्खियों में हैं। उपार्जन केंद्रों में धान लेकर आने वाले किसानों पर धान के गीली होने का दबाव बनाया जाता है। उस दौरान किसानों से कहा जाता है कि 40 किलो के स्थान पर 41 किलो धान देने पर ही खरीदी होगी। जो किसान उसके लिए राजी नहीं होते उनकी धान को जांच के दौरान रिजेक्ट कर दिया जाता है। असुविधा से बचने के लिए किसान भी निर्धारित से ज्यादा धान देने के लिए मजबूर होते हैं। तत्संबंध में मझौली, मड़वास, टिकरी, ताला, पथरौला, बहरी, चंदवाही, अमरपुर, कमर्जी, सिहावल, अमिलिया, चुरहट, रामपुर क्षेत्र के कुछ किसानों ने चर्चा के दौरान बताया कि शासन किसानों के हित को लेकर भले ही कोई निर्देश दे लेकिन उपार्जन केंद्रों की जिम्मेदारी जिनको सौंपी गई है वह धोखाधड़ी करने के लिए नए-नए तरीके निकाल लेते हैं। सामान्य किसानों को खरीदी केंद्र में अपनी धान लेकर जाने के बाद से ही सेंपल जांच के दौरान तरह-तरह की कमियां निकाली जाती हैं। बाद में बिचौलियों के माध्यम से दबाव बनाया जाता है कि निर्धारित से ज्यादा धान देने पर ही खरीदी होगी। अधिकांश केंद्रों में प्रथम दृष्टया ही धान को गीली बताया जाता है। फिर कहा जाता है कि गीली धान सूखने के बाद वजन में कम हो जाएगी इस वजह से उपार्जन केंद्र प्रभारी के ऊपर ही समूची बात आएगी। इससे बचने के लिए केवल यही रास्ता है कि सभी किसान निर्धारित से एक किलो ज्यादा धान बोरी में दें। जिससे उनके समक्ष भी किसी तरह की दिक्कतें न आएं। मजबूरी में किसानों को निर्धारित से ज्यादा धान देना पड़ता है। खरीदी केंद्रों में ज्यादा धान देने के बाद भी अधिकांश किसान इस वजह से विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाते हैं क्योंकि उनके खाते में बेंची गई धान की राशि बाद में आनी है। इस वजह से किसान खुलकर विरोध करने से डरते हैं कि कहीं बाद में उपार्जन केंद्रों के माध्यम से गलत जानकारी भेजकर उनका भुगतान न फंसा दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में उपार्जन केंद्रों में चल रही मनमानी की शिकायतें आम हैं। लेकिन खरीदी केंद्रों में काफी संख्या में बिचौलियों के सक्रिय रहने के कारण सामान्य किसान कोई भी विरोध नहीं कर पाते। इसी का पूरा फायदा उपार्जन केंद्रों में प्रभारियों द्वारा उठाया जा रहा है। किसानों को इस मामले में प्रशासनिक जांच एवं हस्तक्षेप से ही आस है। हैरत की बात तो यह है कि उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से चल रहा है।

डिफाल्टर समूह संचालकों का दिख रहा खेल

उपार्जन केन्द्र संचालन में लाखों का खेल कर डिफाल्टर हुये समूह संचालक पुनः दूसरे समूह के नाम से धान उपार्जन केन्द्रों में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो चुके हैं। धान उपार्जन केन्द्र संचालन में डिफाल्टर समूह संचालकों का खेल खरीदी के पूर्व से ही शुरू हो गया था। गौरतलब है कि सीधी जिले में 39 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की व्यवस्था आरंभ में बनाई गई थी। कुछ स्थानों पर अन्य उपार्जन केन्द्र भी संचालित करने की कार्यवाही प्रचलन में थी। ऐसे में पिछले वर्ष डिफाल्टर हुये समूह संचालक पुनः दूसरे समूह के नाम से धान उपार्जन केन्द्र लेने के जुगाड़ में जुटे हुये थे। डिफाल्टर समूहों द्वारा पिछले वर्ष जमकर मनमानी की गई थी। उनकी मनमानी के चलते सीधी जिले में 7 डिफाल्टर समूहों के माध्यम से खरीदी गई धान में 8126.56 क्विंटल की कमी पाई गई थी। डिफाल्टर समूहों द्वारा धान खरीदी में पूरी गड़बड़ी कम्प्यूटर आपरेटर के माध्यम से की गई। धान शार्टेज के बाद जब वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर जांच हुई तो घोटाले का भंडाफोड हुआ। संबंधित समूहों से वसूली के आदेश भी हुये। वहीं आपरेटरों को ब्लैक लिस्टेड के आदेश भी हुये थे।

सीमावर्ती खरीदी केंद्रों में यूपी की पहुंच रही धान

जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी का काम शुरू होने के साथ ही कई दलाल भी सक्रिय हो गए हैं। ऐसे दलाल उपार्जन केंद्रों में प्रभारियों के गुर्गों के माध्यम से सेटिंग बनाने का काम कर रहे हैं जिससे यूपी की धान लाकर यहां बिक्री की जा सके। इस तरह की शिकायतें पूर्व में भी काफी मिलती रही हैं। किंतु दलालों की सांठगांठ इतनी मजबूत होती है कि उनके आगे उपार्जन केंद्र प्रभारियों को भी दबाव में आना पड़ता है। यूपी से काफी मात्रा में हर वर्ष धान सीधी जिले के सीमावर्ती उपार्जन केंद्रों में पहुंचाने का खेल दलालों के माध्यम से होता है। खासतौर से सीधी जिले की सीमा सिहावल क्षेत्र से यूपी से सबसे नजदीक स्थित है। इसके अलावा यूपी की धान को कमर्जी अंचल के उपार्जन केंद्रों के साथ ही चुरहट अंचल के उपार्जन केंद्रों में भी खपाने का काम सुनियोजित तरीके से किया जाता है। रात के अंधेरे में ही उपार्जन केंद्रों में यूपी की धानों को लाने का काम किया जाता है।

तहसीलदार की छापेमारी में 120 क्विंटल धान जब्त, दो ट्रैक्टर पकड़ाए

उपार्जन केंद्र बघवार में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा

जागरण, सीधी

जिले के रामपुर नैकिन तहसील अंतर्गत बघवार धान खरीदी केंद्र में बुधवार को प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया। लगातार शिकायतों के बाद तहसीलदार रामपुर नैकिन आशीष मिश्रा और नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया, जिसमें धान खरीदी प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार उजागर हुआ। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र परिसर में दो ट्रैक्टर खड़े पाए गए, जिनमें भारी मात्रा में धान लदा हुआ था। जांच करने पर यह सामने आया कि इन ट्रैक्टरों में रखे धान का कोई भी वैध रिकॉर्ड न तो किसानों के पास उपलब्ध था और न ही समिति प्रबंधक के पास। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों ट्रैक्टरों को जप्त कर लिया। बताया जा रहा है कि इन दो ट्रैक्टरों में कुल 280 बोरी धान लदी हुई थी, जिसका वजन लगभग 120 क्विंटल आंका गया है। जप्त किए गए धान और ट्रैक्टरों को फिलहाल सुपुर्दगी में समिति प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह को सौंप दिया गया है, ताकि जांच पूरी होने तक धान की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही पूरे मामले की जानकारी खाद्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी दे दी गई है। स्थानीय ग्रामीण तेजभान लोनिया ने आरोप लगाते हुए बताया कि समिति प्रबंधक के इशारे पर लंबे समय से इस प्रकार की गतिविधियां चल रही हैं। उनका कहना है कि जिन किसानों के नाम समिति की किसी सूची में दर्ज नहीं हैं, उनसे भी धान खरीदी कर उसे बाद में ब्लैक में बेच दिया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह की शिकायतें पहले भी प्रशासन को दी गई थीं, लेकिन इस बार जाकर ठोस कार्रवाई हुई है, जो सराहनीय कदम है। वहीं तहसीलदार आशीष मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि जनता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच की गई है। जांच में अनियमितता पाए जाने पर दोनों ट्रैक्टर जप्त किए गए हैं और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति यदि धान खरीदी में अनैतिक या अवैध कार्य करते पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतों में लापरवाही: कलेक्टर ने जारी किया नोटिस

जागरण, सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में गंभीर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर द्वारा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग, जिला आयुष अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीधी और रामपुर नैकिन, खंड चिकित्सा अधिकारी कुसमी एवं चुरहट, कार्यपालन यंत्री नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल, रामपुर नैकिन, सीधी, कुसमी, सहायक आयुक्त अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, जिला आबकारी अधिकारी वाणिज्यक कर विभाग, श्रम पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, कार्यपालन यंत्री ऊर्जा विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और लीड बैंक मैनेजर यूनियन बैंक ऑफइंडिया को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे लंबित शिकायतों का तत्काल निराकरण कर प्रतिवेदन सहित जवाब प्रस्तुत करें। निर्धारित समय में संतोषजनक उत्तर न देने की स्थिति में वरिष्ठ कार्यालय को एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जवाबदेही की पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों पर होगी।

अस्पतालों व क्लिनिकों में नियमों की जांच के निर्देश

जागरण, सीधी। अपर जिला दण्डाधिकारी ने आदेश जारी कर जिला सीधी अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय एवं निजी अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, नर्सिंग होम्स, क्लीनिकों, पैथालॉजी, फिजियोथेरेपी केन्द्रों तथा मेडिकल स्टोरों में फायर सेफ्टी, प्रदूषण नियंत्रण एवं विद्युत नियमों के पालन की जांच के निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रत्येक उपखण्ड में संबंधित उपखण्ड दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में जांच दल गठित किए गए हैं। आदेशानुसार गोपद बनास, चुरहट, रामपुर नैकिन, मझौली, कुसमी, सिहावल एवं बहरी उपखण्डों में गठित दल संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग, नगर निकाय, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। जांच दलों को निर्देशित किया गया है कि सभी शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों का संयुक्त निरीक्षण कर फायर सेफ्टी ऑडिट, फायर एनओसी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति, बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण, विद्युत ऑडिट रिपोर्ट तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के सत्यापन की जांच सुनिश्चित करें। नियमों का पालन नहीं पाए जाने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

स्वेच्छाचारिता से प्रा. विद्यालय का शैक्षणिक कार्य ठप्प

जागरण, सीधी। विकास खंड शिक्षा केन्द्र रामपुर नैकिन अन्तर्गत संकुल केन्द्र भरतपुर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत पटना के ग्राम सरदा में संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालय का शैक्षणिक कार्य शिक्षक रमाशंकर द्विवेदी की स्वेच्छाचारिता से पूर्णरूपेण ठप्प है। तदाशय की पुष्टि गत 17 दिसम्बर को शिक्षा समिति रामपुर नैकिन के अध्यक्ष पदेन उपाध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ऋषिराज मिश्रा द्वारा किए गए निरीक्षण में परिलक्षित हुई। जानकारी से अवगत कराते हुए बताया गया कि ग्राम सरदा में संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में कुल 14 छात्र प्रवेशी है। जहां दस वर्षों से पदस्थ सूरदास श्रेणी के शिक्षक सुरेश पनिका के साथ रमाशंकर द्विवेदी बीते दो साल से पदस्थ हैं जो विद्यालय कभी-कभार आकर केवल कागजी खानापूर्ति कर शैक्षणिक कार्य को ठप्प किए हुए हैं। स्थिति यह कि विद्यालय में सूरदास शिक्षक अपनी पत्नी तथा पिता के साथ विद्यालय में रहते हैं। यही कारण है कि विद्यालय का ताला खुला रहता है, प्रवेशी छात्रों में पांच छात्रों का पता नहीं है। शेष छात्र विद्यालय की दुर्दशा के चलते विद्यालय नहीं आते हैं। मध्याह्न भोजन कौन करता है, यह भी समझ के परे है। शिक्षक रमाशंकर द्विवेदी पूर्णरूपेण मनमौजी बन कर प्रति माह लाखों का पलीता लगा रहे हैं। ग्राम पंचायत पटना के सरपंच द्वारा कहा गया है कि तत्काल प्रभाव से कार्रवाई नहीं हुई तो नौनिहालों के भविष्य की बरबादी तय है, जिसकी भरपाई हो सकना सूर्य को दीपक दिखाने की भांति होगा। शिक्षा समिति रामपुर नैकिन के अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि विकास खंड शिक्षा अधिकारी को लेख कर दायित्वों से पृथक ऐसे शिक्षक के तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने तथा सरदा प्राथमिक विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त शिक्षक की व्यवस्था किये जाने हेतु लेख किया गया। समय रहते विद्यालय की समुचित व्यवस्था हेतु कलेक्टर सीधी का ध्यान आकृष्ट है। ताकि नौनिहालों के भविष्य को चौपट होने से बचाया जा सके।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक ने मनाया विजय दिवस

जागरण, सीधी। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला इकाई सीधी के तत्वावधान में मंगलवार को रामावलदेव पैलेस सीधी में 1971 भारत-पाक युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में विजय दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रामावलदेव पैलेस खचाखच भरा रहा। जिले के दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियां, शहीद परिजन एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य 1971 के युद्ध में योगदान देने वाले मां भारती के सपूतों, वीर शहीदों के परिवारों और वीर नारियों के त्याग व बलिदान को सम्मान देना रहा। समारोह की शुरुआत शहीदों को नमन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष मेजर जनरल निश्चय राउत का संबोधन सभी पूर्व सैनिकों एवं उपस्थित जनसमूह के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने देशवासियों, विशेषकर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा 1971 का युद्ध भारतीय सेना के अनुशासन, साहस और रणनीतिक क्षमता का जीवंत उदाहरण है। मेजर जनरल राउत ने युवाओं से अनुशासित जीवन, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया तथा कहा कि सैनिकों से मिलने वाली सीख नागरिक जीवन में भी सफलता की कुंजी है। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी के छात्रों को भी सम्मानित किया गया, ताकि उनमें राष्ट्रसेवा और सैन्य अनुशासन की भावना और प्रबल हो। इस अवसर पर अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से कर्नल सीके निगम, सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के राष्ट्रीय मंत्री सार्जेंट रमेश प्रसाद पाण्डेय, प्रांतीय संगठन मंत्री सूबेदार बीपी तिवारी, रीवा इकाई से अध्यक्ष अनिल सिंह एवं पदाधिकारी मऊगंज इकाई से कैप्टन केपी मिश्रा एवं पदाधिकारी, जिले के समस्त पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन के पश्चात दूरदराज से आए पूर्व सैनिकों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

नेबूहा पश्चिम और कठास में हुआ जल संचय हेतु बोरी बंधान

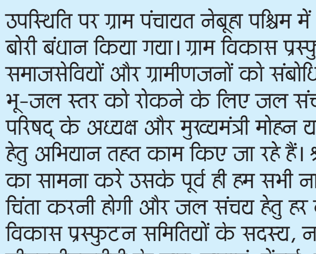

जागरण, सीधी। मप्र जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण और जल संवर्द्धन को लेकर चल रहे 15 नवम्बर से 30 दिसम्बर 2025 तक जल संचय अभियान तहत गांव-गांव में मौजूद जल स्त्रोत नदी, नालों में बोरी बंधान किया जा रहा है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद शासी निकाय सदस्य संभाग रीवा कृष्णकांत द्विवेदी के विशेष उपस्थिति पर ग्राम पंचायत नेबूहा पश्चिम में ग्रामीणों के साथ जल संचय हेतु संवाद और बोरी बंधान किया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नेबूहा पश्चिम पदाधिकारियों, समाजसेवियों और ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए श्री द्विवेदी ने कहा कि घट रहे भू-जल स्तर को रोकने के लिए जल संचय बहुत जरूरी है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर पर जल संचय हेतु अभियान तहत काम किए जा रहे हैं। श्री द्विवेदी ने कहा कि भविष्य में जल संकट का सामना करे उसके पूर्व ही हम सभी नागरिकों को सामाजिक रूप से इसके लिए चिंता करनी होगी और जल संचय हेतु हर कोशिश करनी होगी। श्री द्विवेदी ने ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं, मेंटर्स, स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं स्थानीय लोगो से जन सामूहिक रूप से स्थानीय स्तर पर अभियान में बढ़-चढ़कर सम्मिलित होंने और अभियान को सफल बनाने अपील किया है।

पड़रा में चल रहे एनएसएस शिविर का समापन

जागरण, सीधी। सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी द्वारा चल रहे सात दिवसीय शिविर का समापन कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य आरती पाण्डेय ने बताया कि विद्यालय के एनएसएस प्रभारी ज्वाला प्रसाद पटेल के मार्गदर्शन में ग्राम पड़रा में सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया था। दिनांक 17 दिसंबर को शिविर के समापन समारोह में दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम के बाद स्वागत गीत, एनएसएस से सम्बंधित जानकरी सभी स्वयं सेवकों को दी गई। इस अवसर पर। अजिता द्विवेदी, शक्ति श्रीवास्तव, संजय पाण्डेय, प्रदीप सिंह, राजेश साहू, सुभाष जायसवाल इत्यादि सभी विद्यालय के शिक्षक, ग्राम वासी एवं सभी स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

आरटीई के उल्लंघन पर विद्यालय संचालक को जारी हुई नोटिस

बच्चों से मनमानी पैसा मांगने का लगा था आरोप

नोटिस पर तीन दिन में मांगा गया जवाब

जागरण, सीधी

जिले के जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत भदौरा में संचालित हंस वाहिनी विद्या मंदिर के संचालक द्वारा आरटीई के तहत अध्यनरत बच्चो से पैसा मांगने परेशान करने एवं विद्यालय से भगाने के मामले पर समाचार पत्रों में खबर का प्रकाशन किया गया था। वहीं एसडीएम के पास शिकायत पहुंची थी। जिस पर कुसमी एसडीएम वीके आनंद ने गंभीरता से लेते हुए विद्यालय संचालक सीताराम जायसवाल को नोटिस भेज कर कोर्ट में तलब किया गया। एसडीएम के द्वारा दिनांक 16 दिसम्बर के जारी किए गए आदेश में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय संचालक द्वारा आरटीई का उल्लंघन करना एवं बच्चों और अभिभावकों को संस्था प्रमुख के द्वारा अपमानित करना, अभिवावकों को नोटिस देना और बच्चों को विद्यालय से भगा दिया गया था। जिससे अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(सी) का उल्लंघन संस्था प्रमुख के द्वारा किया गया है। जिसे तीन दिवस के अंदर जवाब न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया है। मामले पर देखना दिलचस्प होगा कि संचालक का क्या जबाब आयेगा। जब स्वयं एसडीएम ने अपने पत्र में ही आरटीआई के उल्लंघन करने की बात का उल्लेख किया है, इसके साथ-साथ भदौरा प्राचार्य एवं बीआरसीसी के पत्र में पंचनामा शामिल कर एसडीएम को पूर्व में ही भेजा जा चुका है।

25 लाख नए निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत

जागरण, सीधी। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) 3.0 के अंतर्गत 25 लाख नए निःशुल्क घरेलू एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह योजना गरीब एवं वंचित परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती रसोई ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। इस संबंध में जानकारी डीजीएम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन जबलपुर समीर शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मीडिया संवाद के दौरान दी। इस अवसर पर सेल ऑफिसर नवीन बिसेन भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशानुसार अनुसूचित जनजाति बहुल जिलों में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के विस्तारित चरण 2025 के अंतर्गत जनसामान्य, विशेषकर जनजातीय जनसंख्या के बीच योजना के लाभों के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता के उद्देश्य से इस मीडिया संवाद का आयोजन किया गया है। डीजीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई 2016 में गरीब परिवारों की महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। योजना के अंतर्गत अब तक देशभर में 10 करोड़ 33 लाख से अधिक एलपीजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं, जिससे स्वच्छ ईंधन तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्री शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना केवल गैस कनेक्शन प्रदान करने की योजना नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण से जुड़ी एक समग्र पहल है। योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को बिना किसी प्रतिभूति राशि के एलपीजी सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज एवं डोमेस्टिक गैस उपभोक्ता कार्ड प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही लाभार्थियों को निःशुल्क गैस चूल्हा और पहला रिफिल भी तेल विपणन कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

महाविद्यालयों के छात्रों की बनाई जाएगी आभा आईडी

जागरण, सीधी। प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अब आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की (आभा आईडी) बनाई जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग, ने सभी शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक शासकीय महाविद्यालय में आभा आईडी निर्माण के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। साथ ही अंतिम वर्ष में अध्ययनरत दो विद्यार्थियों को एबीडीएम चौम्पियन के रूप में नामांकित किया जाएगा, जो इस अभियान के सफल क्रियान्वयन में सहयोग करेंगे। नियुक्त नोडल अधिकारी एवं एबीडीएम चौम्पियन को आयुष्मान भारत मिशन द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

जीवन को सुलझाने का हरिकथा एकमात्र रास्ता: मुरलीधर

कपुरी कोठार में निकली भव्य कलश यात्रा, श्रीराम कथा का शुभारंभ

कथा सुनने श्रद्धालुओं का उमड़ा भारी हुजूम

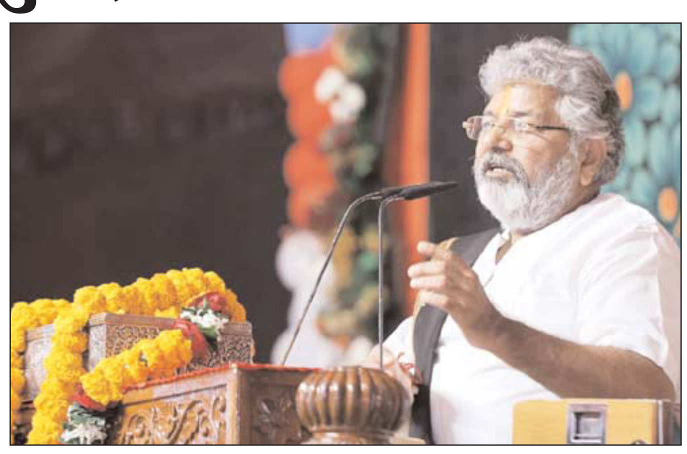

जागरण, सीधी

जिले के सुप्रशिद्ध हनुमान मंदिर ग्राम कपुरी कोठार में आज भव्य कलश यात्रा के पश्चात श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। कथाव्यास परम पूज्य संत मुरलीधर जी महराज ने प्रथम दिवस की कथा में अपने ओजस्वी वाणी प्रवाह के साथ कहा कि कथा सुनने की नहीं होती बल्कि इसको समझना और आत्मसात करना भी आवश्यक है। उलझे हुए जीवन को सुलझाने का एकमात्र रास्ता श्रीहरि कथा है। हरिकथा के प्रसंग पर कथाव्यास ने कहा कि एक बार भगवान शिव ने पार्वती को हरिकथा सुनाते हुए कहा कि मैं इतने लंबे अवधि से कथा सुना रहा हूं, मेरा स्वयं का अनुभव है कि हरि के भजन में डूबने वाले व्यक्ति के लिए बांकी जगह सपना है। बिना सत्संग के हरि कथा का श्रवण कर पाना संभव नहीं है। कथाव्यास ने कहा कि भागीरथी जी ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को स्वर्ग से लाया था। इसमें भले ही उनका निजी स्वार्थ रहा हो लेकिन गंगा के आ जाने के बाद वह उसको अपने साथ नहीं ले गए। गंगा आज उनकी शरण में जाने वाले सभी का उद्धार कर रही हैं। इसी प्रकार भगवान श्री राम की कथा के आयोजन के लिए भागीरथी प्रयास कोई एक ही व्यक्ति करता है लेकिन जहां उसका आयोजन होता है उस गांव और शहर के लोग डुबकी लगाते हैं। कथारूपी गंगा से व्यक्ति पापमुक्त होता है। यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन से 9 दिन की कथा का श्रवण करता है तो वह मन से पूरी तरह से शुद्ध हो जाता है। ऐसा नहीं है कि पापमुक्त होने के बाद वह व्यक्ति आगे पाप नहीं करेगा। लेकिन उसकी अंतरात्मा आगे पाप करने से सचेत करने के साथ ही रोंकती भी है। कथाव्यास ने श्रद्धालुओं से खचाखच भरे पंडाल में कीर्तन और भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देते हुए लोगों को श्रीराम कथा से सराबोर कर दिया। वरिष्ट संविदाकार केडी सिंह एवं सकल समाज भरतपुर के सौजन्य से आयोजित हो रही इस कथा में दूर-दूर के गांव के भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में आज प्रथम दिवस शामिल हुए। श्रद्धालुओं की कड़ाके की ठंड में सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आयोजकों द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन दोपहर 12 बजे से प्रतिदिन किया जाएगा। श्रीराम कथा का रसास्वादन करने क्षेत्र के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह काफी पहले से था। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सर्वसमाज वरिष्ट नागरिक सेवा समिति सगौनी द्वारा भारी इंतजाम किए गए हैं। आयोजन से जुड़े लोगों को यह मालूम था कि कथाव्यास परम पूज्य संत मुरलीधर जी महराज को सुनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इसी वजह से सभी व्यवस्थाओं को पहले ही चाकचौबंद किया गया था। कथा का आयोजन लगातार 25 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ संविदाकार एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष कृष्णदेव सिंह केडी सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीनू सिंह, अखिलेश पाण्डेय, शिवेंद्र सिंह, उमेश सिंह, प्रदीप सिंह, अनोखेलाल सिंह, एडवोकेट केपी सिंह, अनुराग सिंह, सतीष सिंह, पंकज सिंह, शशिभूषण तिवारी, अरविंद सिंह, दिवाकर तिवारी, महेंद्र पाण्डेय, सुधाकर द्विवेदी, राजेश सिंह, हंसराज सिंह, राम लखन कोरी, अनिल सिंह, सुरेश उपाध्याय, छोटे लाल पाण्डेय, राम लखन गुप्ता, रावेन्द्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह, गोविंद गुप्ता, संदीप सिंह, नरेश सिंह आदि लोग मौजूद थे।

लोकसभा में सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने उठाई कटनी सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की मांग

जागरण, कटनी। खजुराहो संसदीय क्षेत्र के यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से महत्वपूर्ण प्रश्न किया। सांसद शर्मा ने कटनी जंक्शन, स्लीमनाबाद, रीठी सहित संसदीय क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाई। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सांसद श्री शर्मा ने जिन ट्रेनों के कटनी स्टेशन में स्टापेज की मांग की गई उनमें गाड़ी क्रमांक 11059 छपरा एक्सप्रेस, 22360 पटना सुपरफास्ट, 11015 सहरसा अमृत भारत, 12293 प्रयागराज एक्सप्रेस, 11060 मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस, 22359 मुंबई सीएसएमटी एक्सप्रेस, 11016 मुंबई एलटीटी अमृत भारत एक्सप्रेस, 12294 मुंबई एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस शामिल हैं। इसी तरह रेवांचल एक्सप्रेस का स्टापेज रीठी रेल्वे स्टेशन पर तथा बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस का स्टापेज पटौहा स्टेशन पर करने की मांग सांसद ने की। उन्होंने जनता एक्सप्रेस 13301-13302, रीवा-इतवारी ट्रेन 11753-11754, जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस 15205-15206, जबलपुर अंबिकापुर एक्सप्रेस 11265-11266, जबलपुर गोंडवाना एक्सप्रेस 22181-22182, सिंगरौली इंटरसिटी एक्सप्रेस 11651-11652 का स्टापेज स्लीमनाबाद स्टेशन पर करने गाड़ी क्रमांक 22190-22189 रीवा जबलपुर इंटरसिटी, 12182-12181 दयोदया एक्सप्रेस, 12190-12189 महाकौशल एक्सप्रेस का स्टापेज निवार स्टेशन पर करने की मांग लोकसभा में रखी।

साथ ही पूछा कि इन स्टॉपेज को स्वीकृत कर लागू करने की क्या समय सीमा निर्धारित की गई है क्योंकि इनसे स्थानीय यात्रियों, विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों तथा पर्यटन एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कटनी जंक्शन जैसे महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन में कुछ ट्रेनों के स्टॉपेज नहीं होने की ओर ध्यान दिलाया। साथ-साथ कटनी से जुड़े स्लीमनाबाद और रीठी जैसे स्टेशनों पर कुछ यात्री ट्रेनों के ठहराव की भी मांग की। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि इससे क्षेत्रीय आवागमन सुगम होता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। इन स्टेशनों पर ठहराव बहाल होने से हजारों यात्रियों को प्रतिदिन सीधा लाभ मिलेगा।

सांसद श्री शर्मा ने यह भी उल्लेख किया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम जनता द्वारा लगातार रेल मंत्रालय से ट्रेनों के स्टॉपेज पुनः प्रारंभ किए जाने की मांग की जा रही है। उन्होंने पूर्व में भी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत भेंट कर इस विषय में ज्ञापन सौंपा था लेकिन विभागीय स्तर पर अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं होने के कारण उन्हें लोकसभा में यह ध्यानाकर्षण कराना पड़ा। उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए पूर्व में जिन ट्रेनों का ठहराव इन स्टेशनों पर थाए उन्हें बहाल किया जाए, ताकि क्षेत्र के यात्रियों को राहत मिल सके और रेलवे सेवाओं का अधिकतम लाभ आम जनता तक पहुंचे।

सांसद श्री शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी के पूर्व इन स्टेशनों पर कई यात्री ट्रेनों का नियमित ठहराव होता था जिससे हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलता था। लेकिन कोरोना काल के बाद जब ट्रेनों का संचालन पुनः शुरू हुआ तो अनेक महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव समाप्त कर दिया गया जिससे आम यात्रियों, व्यापारियों, छात्रों और कर्मचारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

मंत्री विजय शाह द्वारा लाडली बहनों को अपमानित करने पर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग

कटनी। कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा 13 दिसंबर को रतलाम में विकास समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान प्रदेश की 1.26 करोड़ लाडली बहना को अपरोक्ष रूप से तथा जिले की 2.5 लाख लाडली बहनों को परोक्ष रूप से धमकाने और अपमानित करने का असंवैधानिक कार्य किया गया। कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा मौलिक अधिकार के तहत हित लाभ प्राप्त करने वाली करोड़ों लाडली बहनों को धमकाया गया कि अगर उन्होंने मुख्यमंत्री का सम्मान नहीं किया तो मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में उनके पंजीयन का आधार कार्ड से लिंक नहीं होने के नाम पर जांच प्रारंभ कर उनका हित लाभ निलंबित कर दिया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा संविधान की शपथ लेकर संविधान के अनुच्छेदों के अनुसार मंत्रिमंडलीय कार्य करने के दायित्व के विपरीत लाडली बहनाओं को धमकाने का यह बयान संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 21 के विरुद्ध है और असंवैधानिक कृत्य की श्रेणी में आता है।

हम महामहिम के संज्ञान में लाना चाहते हैं कि कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने प्रभारी मंत्री के रूप में जिला स्तरीय बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में महिला बाल विकास के जिला अधिकारी को यह आदेश दिया कि जिले की लाडली बहन जो मुख्यमंत्री की ओर से प्रतिमाह हजारों रुपए प्राप्त कर रही है उनसे मुख्यमंत्री का सम्मान करवाया जाए तथा जो सम्मान के दौरान उपस्थित नहीं हो उन लाडली बहनों के पंजीयन की जांच करो कि वह आधार से लिंक है या नहीं। उनका यह आदेश निश्चय ही शासकीय बैठक की नोट शीट में भी उल्लेखित किया गया होगा। कैबिनेट मंत्री का यह कृत्य एवं कथन संविधान की शपथ के विरुद्ध है लाडली बहन को मिलने वाला हित लाभ संविधान के मौलिक अधिकार के अंतर्गत आता है माननीय महामहिम जी कटनी जिले की महिला कांग्रेस की टीम यह ज्ञापन प्रस्तुत कर आपसे यह मांग करते हैं की संवैधानिक दायित्व के विरुद्ध महिलाओं का अपमान करने और उन्हें धमकाने के लिए कैबिनेट मंत्री विजय शाह जी को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए।

जगमोहन दास वार्ड में 16.92 लाख रुपये की लागत से सीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

कटनी। नगर के जगमोहन दास वार्ड क्रमांक 11 में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए सीसी नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद जयनारायण निषाद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्यों की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। नाली निर्माण कार्य डॉ.डी.पी.साहू के निवास के समीप एवं वार्ड के विभिन्न स्थानों पर लगभग 16 लाख 92 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, पूर्व पार्षद पार्वती निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक द्वारा कराया गया विधिवत भूमिपूजन

भूमिपूजन कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड के वरिष्ठ नागरिक रामलखन चतुर्वेदी द्वारा विधि विधान से पूजन अर्चन कर किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों में उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था में होगी सुदृढ़

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के विस्तार हेतु निरंतर कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीसी नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी जिससे स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा।

महिलाओं ने किया महापौर श्रीमती सूरी का आत्मीय स्वागत

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वार्ड की महिलाओं ने महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी का माला पहनाकर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। महिलाओं ने वार्ड में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए का विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने आश्वस्त किया कि नगर विकास हेतु भविष्य में भी प्राथमिकता अनुसार वार्डों में निरंतर विकास कार्य कराए जाएंगे। कार्यक्रम में विजय चतुर्वेदी, श्याम निषाद, नकुल निषाद, गुड्डी बाई, सरला निषाद, ललिता रजक, मधु दुबे, दीपा कोरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने विकास कार्यों का स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

स्व.सत्येंद्र पाठक बाबूजी की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कटनी। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बरही नगर परिषद अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरही में रविवार 14 दिसंबर को पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व.सत्येंद्र पाठक बाबूजी की पुण्य स्मृति में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल एवं जरूरतमंद नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। स्वास्थ्य शिविर में हड्डी रोग फिजियोथेरेपी एवं जोड़ों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की गहन जांच की गई। शिविर का संचालन वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ ऋषभ जैन द्वारा किया गया। वहीं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ.रजनीश सूर्यवंशी एवं डॉ.रजत तिवारी ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया। शिविर में विशेष रूप से घुटनों का दर्द, कमर दर्द गर्दन दर्द नस दबना मोच पुराने जोड़ों के दर्द से पीड़ित मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। साथ ही फिजियोथेरेपी से जुड़ी आधुनिक उपचार पद्धतियों एवं सावधानियों की जानकारी भी मरीजों को दी गई। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक मरीजों ने पंजीयन कराया जिनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार जांच एवं उपचार किया गया। आयोजन को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा गया।

।। पुण्य स्मरण ।। - सातवीं -पुण्यतिथि

18 दिसंबर 2025
डॉ. सुधाकर तिवारी जी
(शिक्षाविद, साहित्यकार, समाज सेवी, पुण्यात्मा)
पितुः प्रेमम् अनन्तं, तेजश्च स्थैर्यम् अमूल्यम्।
पित्रे प्रणामाः।
श्री चरणों में कोटिशः कृतज्ञ नमन्
-श्रद्धावनत-
अनुपम तिवारी, डॉ. नीता, अनुष्का, अभ्युदित व
समस्त तिवारी परिवार रीवा एवं ग्राम रनगढ़ तह. मनगवां, जिला रीवा।

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला रीवा (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक/0630/निगरानी/2023-24
रीवा दिनांक 16/12/2025

01. हनुमानदीन तनय रामजियावन कुशवाहा, 02. जयमन्ती पत्नी हनुमानदीन, दोनों निवासी ग्राम टीकर बरहा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)।
........निगरानीकर्तागण

बनाम

01. रामाश्रय तनय स्व० रामकिशोर जायसवाल, 02. रामसखा तनय स्व० रामभजन जायसवाल, 03. रामलखन तनय स्व० रामभजन जायसवाल, 04. कैलाश तनय स्व० रामभजन जायसवाल, सभी निवासी ग्राम टीकर बरहा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)।
..........गैर निगरानीकर्तागण//

//आम इश्तहार//

गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 ता 04 निवासीगण ग्राम टीकर बरहा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) को सूचित किया जाता है कि निगरानीकर्ता हनुमानदीन तनय रामजियावन कुशवाहा वगैरह निवासी ग्राम टीकर बरहा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी तहसील हुजूर जिला रीवा मध्यप्रदेश के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0245/अपील/2019-20 आदेश दिनांक 20.03.2023 के विरूद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत निगरानी प्रस्तुत की गई है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 07.01.2026 को पेशी नियत है।

अतः गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 ता 04 निवासीगण ग्राम टीकर बरहा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) को सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण की पेशी दिनांक 07.01.2026 को समय 11:00 बजे दिन स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की सुनवाई की कार्यवाही में भाग लें, गैर निगरानीकर्तागण के उक्त दिनांक एवं समय में अनुपस्थित रहने पर गैर निगरानीकर्तागण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

अपर कलेक्टर
जिला, रीवा (म.प्र.)
RN-82961

CHANGE OF NAME

I, No JC260796P Har Prasad Naye Ex - Sub Resident of House No-730 ward no-05 Jawahar Nagar Dhekha Tehsil – Huzur, Distt. – Rewa (M.P) state that name of my spouse in Army Records is Kailashwati Sen which is wrong. Her correct name is Kailashvati Sen. Now the name of my spouse write, read and known as Kailashvati Sen.

Har Prasad Naye
RN-82962

कार्यालय प्राचार्य
शहीद पद्मधर सिंह शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना म.प्र. 485001 नैक द्वारा ग्रेड- बी प्रदत्त

क्रमांक 8733/ ग्रंथालय /2025 सतना दिनांक 17.12.2025

स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु निविदा सूचना 2025-26

कार्यालय, प्राचार्य (स्वशासी) शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना म.प्र. द्वारा अनुसूचित जाति / जनजाति विद्यार्थियों हेतु स्टेशनरी सामग्री आपूर्ति के लिए ई.निविदाएँ आमंत्रित हैं।
अनुमानित राशि रू. 1000000/- EMD 25000/- निविदा शुल्क 2000/-
बिड जारीः 16/12/2025 अंतिम तिथिः 08/01/2026
विस्तृत विवरण हेतु MP टेंडर पोर्टल व https://pgcsatna.com/ देखें ।

ग्रंथपाल
शास.स्नातको.महावि. सतना (म.प्र.)

(डॉ एस.सी.राय.)
प्राचार्य
शास. स्नातको. महावि. सतना (म.प्र.)

जिले में कांग्रेस ने किए नए ब्लॉक व उपब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किये

कटनी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र जीतू पटवारी ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अनुमोदन के पश्चात प्रदेश भर में नवीन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इस क्रम में कटनी जिले के विभिन्न ब्लॉक एवं उपब्लॉक अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है जो तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी संगठन की ओर से जारी सूची के अनुसार यह नियुक्तियाँ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मंशा के अनुरूप की गई हैं। इन नियुक्तियों का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए पार्टी को सशक्त बनाना है। कटनी जिले में नियुक्त ब्लॉक, उपब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बड़वारा विकास निगम ढीमरखेड़ा बड़वारा आनंद मिश्रा, देवरी हर्रई उपब्लॉक रमाकांत दुबे, विजयराघौगढ़ रवीन्द्र सिंह बघेल, सिगोंडी उप ब्लॉक शरद दुबे, बरही उप ब्लॉक अंबिका प्रसाद लल्ला, मुड़वारा राजेश जाटव, इंदिरा गांधी मुड़वारा जितेंद्र गुप्ता, माधव नगर उप ब्लॉक अजय जैसवानी, मुड़वारा सुशील जैसवाल, बहोरीबंद नरेन्द्र सैनी, रीठी बहोरीबंद नदीम खान, स्लीमनाबाद उपब्लॉक प्रदीप त्रिपाठी, बिलहरी उप ब्लॉक चिंतामणि तिवारी, बाकल उप ब्लॉकद्ध संतोष पटेल, संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी पार्टी नेतृत्व ने नव नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांतों एवं संगठनात्मक अनुशासन के अनुरूप कार्य करते हुए ब्लॉक और उप.ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे तथा आमजन के मुद्दों को सक्रियता से उठाएंगे। इन नियुक्तियों के बाद कटनी जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

नन्हवारा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

कटनी। राह्त हेल्थ विजन मिशन के अंतर्गत सिमको के सहयोग से ग्राम पंचायत नन्हवारा में विशाल निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सिमको की संवेदनशील और जिम्मेदार सामाजिक सोच को दर्शाता है 17 दिसम्बर को ग्राम पंचायत नन्हवारा स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित इस शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों की गहन जाँच की गई मोतियाबिंद कांचियाबिंद नाखूना आँखों से पानी आना धुंधला दिखना जैसी समस्याओं से ग्रसित लोगों को निःशुल्क परामर्श एवं उपचार सुविधा प्रदान की गई।

सलैया रेलवे स्टेशन के पास पेड़ पर लटका मिला उमरिया जिले के युवक का शव

कटनी। पड़ोसी जिला उमरिया के पाली क्षेत्र निवासी एक युवक का शव कटनी-दमोह रेलखंड के सलैया रेलवे स्टेशन के पास जंगली क्षेत्र में पेड़ से लटका हुआ बरामद किया गया है। युवक पाली से यहां कैसे पहुंचा तथा उसने आत्महत्या कि या फिर किसी हादसे का शिकार हुआ अभी इस बारे में पुलिस को भी कुछ नहीं पता है। बहरहाल इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक सलैया स्टेशन के पास जंगली क्षेत्र में जिस युवक का शव बरामद किया गया वह उमरिया जिले के पाली थाना अंतर्गत निवासी पवन सिंह ठाकुर बताया जा रहा है। यह भी पता चला है कि उसकी रीठी थाना अंतर्गत ग्राम सलैया में रिश्तेदारी भी थी। पुलिस रिश्तेदारों सहित उसके परिजनों के कटनी पहुंचने का इंतजार कर रही है।

In The Court Of I Civil Judge Class-I, District Court, Rewa

Presiding Officer: श्रीमती शिवानी शर्मा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000077/2021)

शंकुतला शर्मा.................. आवेदक
VS
शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
.............अनावेदक

Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 07/01/2026

प्रेषिती–
1. हर आम व खास पता–रीवा (म.प्र.)
2. आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शंकुतला शर्मा पता ने मृतक श्री सूर्यभान शर्मा पिता अत्रमुनि शर्मा निवासी ग्राम रतहरा तहसील हुजूर रीवा म.प्र. की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक /संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 07 जनवरी 2026 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 07 जनवरी 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 05 दिसंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

यदि किसी कारणवस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(मुद्रा)
न्यायाधीश
(शिवानी शर्मा)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खण्ड,
जिला रीवा (म.प्र.)
RN-84896

कार्यालय नगर परिषद रामपुर बाघेलान जिला-सतना (म.प्र.)

Office No- 07672-271336 E-mail:-cmorampurbaghelan@mpurban.gov.in
क्रमांक/3135 /न.प./ई–टेन्डर/2025 रामपुर बाघेलान दिनांक 16/12/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर परिषद रामपुर बाघेलान द्वारा निर्माण कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग मे नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से ईटेण्डर के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एस.ओ.आर. दिनांक 02 अगस्त 2021 बिल्डिंग निर्माण एवं 08 नवम्बर 2025 सड़क निर्माण के आधार पर निविदा प्रपत्र 'अ' मे दरे आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्तें एवं जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in से एवं कार्यालय नगर परिषद रामपुर बाघेलान से प्राप्त की जा सकती है। निविदा मे किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा ।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	नाम सामग्री विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि (रू.में)	समयावधि	निविदा फार्म का शुल्क
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_UAD_468378_1	वार्ड क्र. 01 छिबौरा रोड स्टेडियम के पास बी.आर.सी. कार्यालय एव बी.ई.ओ. कार्यालय (संयुक्त) भवन निर्माण कार्य।	114.53 लाख + जी.एस.टी.	91700.00 रू.	09 माह	15000.00 रू.
2	2025_UAD_468438_1	वार्ड क्र. 01 खेल मैदान के पास इनडोर स्टेडियम निर्माण कार्य।	305.84 लाख + जी.एस.टी.	153000.00 रू.	12 माह	20000.00 रू.
3	2025_UAD_468401_1	वार्ड क्र. 06 डॉ. गोविन्द नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय से बस्ती होते हुये राष्ट्रीय राजमार्ग तक बी.टी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	101.14 लाख + जी.एस.टी.	80900.00 रू.	09 माह	15000.00 रू.

उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 16.12.2025 समय 10:30 से दिनांक 16.01.2026 समय 05:30 तक बेवसाइट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त कर सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में एवं वेबसाईट http://wwwmptenders.gov.in पर से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

शर्तें :–
1. निविदाकार (पैनकार्ड, टिन नंबर, ई.पी.एफ., पी.डब्लू.डी. पंजीकरण) की छायाप्रति रखनी होंगी। दरें केवल ऑनलाईन ही मान्य होंगी।
2. कर संबंधी अनियमितता को विराम देने हेतु म.प्र. जी.एस.टी. पंजीकरण प्रस्तुति अनिवार्य है।
3. निविदा की शर्तों की पूर्ति के आभाव में निविदा अमान्य होगी एवं बंधनयुक्त निविदायें स्वीकार नहीं की जावेगी।
4. विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पास रहेगा।

(रामसखी कचेर)
अध्यक्ष
नगर परिषद रामपुर बाघेलान
जिला सतना (म.प्र.)

(अरूण कुमार श्रीवास्तव)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद रामपुर बाघेलान
जिला सतना (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

-: अधिसूचना :-

पत्र क्र. 217 प्रवा./भू–अर्जन/2025 मऊगंज दिनांक 04/11/2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है की नीचे दी गयी अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यावस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–19 के अंतर्गत इसके द्वारा घोषित किया जाता है कि निजी/शासकीय भूमि पर स्थित सपत्ति के अर्जन हेतु आवश्यकता है:–

।। अनुसूची ।।

भूमि का विवरण :–
जिला – मऊगंज
तहसील – नईगढ़ी
ग्राम – पथरौड़ा कला 583
क्षेत्रफल – 0.002 हे.

क्र.	खसरा क्र.	अर्जित रकबा (हे.में.)
1	365/1/1 365/1/2 365/1/3 365/1/4 365/2/1 365/2/2 365/3	0.001
2	73	0.001

1. सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है–"बाणसागर नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना अंतर्गत डी.बी. निर्माण" में आने वाले निजी/शासकीय भूमि एवं उस पर स्थित संपत्तियों के अर्जन हेतु। 2. भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर जिला मऊगंज के कार्यालय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कोमल सिंह)
अनुविभागीय अधिकारी
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
उपसंभाग क्रमांक 2, मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)

(बी.पी. मिश्रा)
कार्यपालन यंत्री
नईगढ़ी सूक्ष्म दवाब सिंचाई परियोजना
संभाग रीवा (म.प्र.)

(संजय कुमार जैन)
कलेक्टर
जिला मऊगंज एवं पदेन उपसचिव
म.प्र.शासन राजस्व विभाग

G-22822/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

चुहरि विद्यालय में सीईओ ने मध्यान्ह भोजन की परखी गुणवता

जागरण गोहपारू। गोहपारू जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम चुहरि में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर दिनकर ने प्राथमिक पाठशाला एवं माध्यमिक पाठशाला चिहुरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता भी परखी तथा मीनू अनुसार भोजन नहीं बनाए जाने के संबंध में स्व सहायता समूह को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर विद्यालय में दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान एपीओ व जनप्रतिनिधि सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क – 8962086944

संक्षिप्त खबरें

जेन एस लाइफ वरिष्ठ नागरिकों के लिए सेहतमंद और खुशहाल जीवन का भरोसेमंद डिजिटल साथी

नई दिल्ली। जेन एस लाइफ, भारत का पहला 55+ आयु वर्ग के लोगों के लिए समर्पित लाइफ़स्टाइल ऐप, वरिष्ठ नागरिकों के लिए बढ़ती उम्र में स्वस्थ और सक्रिय रहना आसान बना रहा है। यह प्लेटफ़ॉर्म भरोसेमंद हेल्थ और वेलनेस पार्टनर्स के माध्यम से इलाज, जांच, फिटनेस, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी सेवाएँ एक ही जगह उपलब्ध कराता है। आज उम्र बढ़ने का मतलब अकेलापन या सीमित जीवन नहीं, बल्कि सक्रिय रहना, समाज से जुड़े रहना और अपने शरीर व मन का ख्याल रखना है। जेन एस लाइफ ऐप के जरिए वरिष्ठ नागरिकों को अलग-अलग सेवाओं के लिए भटकने की जरूरत नहीं पड़ती। डॉक्टर परामर्श, डायग्नोस्टिक जांच, पुरानी बीमारियों की देखभाल और मानसिक सहयोग आसानी से मिल जाता है।

सरकार ने बनाया राज्य स्तरीय जांच दल

विसं भोपाल। आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने सतना जिला चिकित्सालय में थैलेसीमिया से पीड़ित चार बच्चों में एचआईवी संक्रमण पाए जाने के संबंध में तत्काल और पारदर्शी जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल का गठन किया है। जांच दल के अध्यक्ष डॉ. सत्या अवधिया, क्षेत्रीय संचालक, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, रीवा संभाग, सचिव डॉ. रूबी खान, उप संचालक, एस.बी.टी.सी./ ब्लड सेल, संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सहित जांच दल में ब्लड ट्रांसफ्यूजन विशेषज्ञ डॉ. रोमेश जैन, एम्स भोपाल, डॉ. सीमा नवेद, सीनियर ब्लड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड सेंटर अधिकारी, भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी), भोपाल, संजीव जादोन, वरिष्ठ औषधि निरीक्षक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, होशंगाबाद, और प्रियंका चौबे, औषधि निरीक्षक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल शामिल हैं। जांच दल 7 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

शासकीय कॉलेजों में छात्रों की बनेगी आभा आईडी

विसं भोपाल। प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अब आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की (आभा आईडी) बनाई जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग, ने सभी शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक शासकीय महाविद्यालय में आभा आईडी निर्माण के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। साथ ही अंतिम वर्ष में अध्ययनरत दो विद्यार्थियों को एबीडीएम चैम्पियन के रूप में नामांकित किया जाएगा, जो इस अभियान के सफल क्रियान्वयन में सहयोग करेंगे।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का शुभारंभ

विसं भोपाल। प्रदेश में पशुपालकों, किसानों की आय बढ़ाने व दुग्ध उत्पादन वृद्धि के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है, जिसके द्वितीय चरण का शुभारंभ 17 दिसंबर, से होगा। द्वितीय चरण में प्रदेश के सभी गांवों में दुधारू पशु रखने वाले पशुपालकों से सीधे संपर्क कर संवाद किया जाएगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विकासखंड से एक पशु चिकित्सक को मास्टर ट्रेनर के रूप में राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है। प्रथम चरण में 3 लाख 76 हजार पशुपालकों के घर विभागीय अधिकारी पहुंचे थे और उन्हें अभियान से संबंधित सूचनाओं व सुविधाओं लाभान्वित किया था।

अटल जयंती पर ग्वालियर में ग्रोथ मीट, एक लाख करोड़ के निवेश की तैयारी

25 को केंद्रीय गृह मंत्री शाह की मौजूदगी में लॉन्च होगी नई निर्यात संवर्धन नीति

मुख्य संवाददाता, भोपाल। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एमपी ग्रोथ समिट का आयोजन करने जा रही है।

आगामी 25 दिसंबर को ग्वालियर के मेला ग्राउंड में इस दौरान प्रदेश की महत्वाकांक्षी नवीन निर्यात संवर्धन नीति 2025 को लॉन्च किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे। सुबह 11 बजे से आयोजित होने वाली इस समिट के लिए

देश-विदेश के प्रमुख निवेशकों को न्योता भेजा गया है। समिट के जरिए ग्वालियर चंबल अंचल को प्रदेश का एक्सपोर्ट हब बनाने की भी तैयारी है। 1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की उम्मीद मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एमपीआईडीसी) द्वारा आयोजित इस समिट का फोकस ग्वालियर और चंबल अंचल पर है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस दौरान अंचल के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में रोजगार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बुलाई समिट निवेशकों को इस दौरान कई नई सहूलियतें देने की भी घोषमा करेंगे ताकि निवेश बढ़ाने के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा हों। इस दौरान ग्वालियर-चंबल अंचल में निवेश के लिए नए एक्सपोर्ट ओरिएंटेड पार्क और क्लस्टर तैयार करने और वहां बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की भी घोषणा होगी।

एक्सपोर्टर्स के लिए नई नीति में मिलेंगे ये तोहफे

पहली बार निर्यात प्रोत्साहन

रजिस्ट्रेशन कम मेंबरशिप सर्टिफिकेट (आरसीएमसी) पाने वाले निवेशकों को पहली बार एक्सपोर्ट करने पर 10 लाख तक और सीलिंग पंजीकरण पर 25 लाख तक की आर्थिक मदद मिलेगी।

एक्सपोर्ट यूनिट्स को सपोर्ट

एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट्स को पहली बार एक्सपोर्ट पर आने वाले खर्च का 25प्रतिशत या अधिकतम 1 करोड़ तक दिया जाएगा।

टर्नओवर आधारित प्रोत्साहन

निर्यात के लिए ट्रांसपोर्टेशन फ्री ऑन बोर्ड वैल्यू पर 1प्रतिशत यानी अधिकतम 2 करोड़ तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

ग्रीन बैनिफिट भी

ग्रीन सर्टिफिकेशन और इंटरनेशनल मानकों का पालन करने पर फर्म को 20 लाख प्रति वर्ष (5 वर्ष तक) मिलेगा। निर्यात संबंधी क्रेडिट फेसिलिटीज पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा।

सेवा क्षेत्र को बढ़ावा

इंजीनियरिंग, आईटी, कन्सल्टेंसी और फिल्म्स जैसी हाई ग्रोस वैल्यू सर्विस को भी 70 लाख से 3.5 करोड़ की आर्थिक सहायता मिलेगी।

मार्केटिंग और ट्रेड शो सहायता

मेले और ट्रेड शो पर होने वाले खर्च के लिए अधिकतम 25 लाख तक की सहायता राज्य सरकार प्रदान करेगी।

श्रमवीरों की मेहनत से बनती है विकास की मजबूत नींव: सीएम

संबल योजना के तहत श्रमिकों के खातों में अंतरित की राशि

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि श्रमवीरों की मेहनत से ही विकास की मजबूत नींव रखी जाती है। उनके कल्याण के लिए राज्य सरकार ने 'श्रमणा' पहल शुरू की है और नए श्रम कानूनों को प्राथमिकता से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर उस जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है, जो इसके वास्तविक हकदार हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनकल्याण (सम्बल 2.0) योजना के तहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों के लिए 5 लाख रुपये तक आयुष्मान बीमा को इस योजना में जोड़ा है। गर्भवती बहनों को काम पर न जाना पड़े, इसके लिए 16,000 रुपये की आर्थिक राशि देने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, लाचार, श्रमिक, निराश्रित और जरूरतमंद नागरिकों को स्नेह, अपनत्व, स्वावलंबन और आर्थिक सहायता का संबल देती रहेगी। प्रदेश की जनता के सुख-दुख में सरकार हमेशा साथ खड़ी है। डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ श्रम के स्वरूप भी बदले हैं। हमारी सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को असंगठित श्रमिक का दर्जा दिया है। एक मार्च 2024 से इन्हें भी संबल योजना के दायरे में शामिल किया गया है। अब तक 1400 से अधिक गिग वर्कर्स पंजीकृत किए गए हैं। डॉ. यादव ने कहा कि अब पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, पापड़ अचार बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले मजदूर या तेंदूपत्ता बीनने वाले सभी श्रमिक और उनके परिवार इस योजना से जुड़कर आर्थिक मदद पा रहे हैं। साथ ही प्रदेश की कुशल श्रम शक्ति को सहकारिता के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए हमने श्रमणा जैसी योजनाएं भी शुरू की हैं, जिससे श्रमिक वर्ग आत्मनिर्भर बन सकें। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अमरकंटक से वर्चुअल शामिल होकर कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में आज संबल योजना के अंतर्गत 7वीं बार हितग्राही परिवारों को राशि अंतरित की जा रही है। संबल योजना के अंतर्गत अब तक 1.83 करोड़ से अधिक श्रमिकों ने पंजीयन कराया है, जबकि संबल 2.0 में 43 लाख लोगों ने पंजीयन किया है।

श्रमिकों के खातों में भेजे 160 करोड़

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 55 जिलों के 7227 सम्बल हितग्राहियों के बैंक खाते में 160 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। उन्होंने बताया कि योजना के प्रारंभ वर्ष 2018 से लेकर अब तक 7.76 लाख प्रकरणों में 7383 करोड़ रुपए की सहायता राशि जरूरतमंद हितग्राहियों को दी जा चुकी है।

दृष्टि बाधित महिला क्रिकेटर को दिए जाएंगे 25-25 लाख रुपए

कैबिनेट से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने मंत्रिमण्डल के सदस्यों से अनौपचारिक चर्चा की। उन्होंने बताया कि विमेन टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 (ब्लाइंड) का फाइनल मैच जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल मध्यप्रदेश की तीन दृष्टि बाधित महिला क्रिकेट खिलाड़ियों सुनीता सराठे, सुषमा पटेल और दुर्गा येवले को 25-25 लाख रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जा रही है। प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 10-10 लाख रुपए नगद और 15-15 लाख रुपए की एफडी की व्यवस्था है। टीम के तीनों कोच सोनू गोलकर, ओमप्रकाश पाल और दीपक पहाड़े को एक-एक लाख रुपये प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुना जिले के म्याना रेलवे स्टेशन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म द्वारा सम्मानित करना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। स्टेशन का बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट के रूप में सम्मानित होना, प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इसी तरह राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बैतूल जिले के शिल्पकार बलदेव वाघमारे को राष्ट्रीय शिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि इंदौर में एम.वाय. हॉस्पिटल का नवनिर्माण किया जाएगा। जिससे पुरानी बिल्डिंग की कठिनाईयों से मुक्ति मिलेगी। डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी भोपाल को प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धता से जोड़ने के संकल्प के अंतर्गत राजधानी भोपाल के प्रमुख मार्गों पर महापुरूषों को समर्पित द्वार बनाने का निर्णय लिया गया था। यह द्वार, विरासत से विकास के संकल्प की सिद्धी की दिशा में प्रभावी कदम सिद्ध होंगे।

विधानसभा सत्र के दौरान भोपाल में धारा 163 लागू

5 किलोमीटर के दायरे में लगा प्रतिबंध

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा के एक दिनी विशेष सत्र को लेकर राजधानी में मंगलवार से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बुधवार को आयोजित होने वाले इस सत्र के लिए पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश बुधवार सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। आदेश के मुताबिक विधानसभा के नजदीक और गुजरने वाले मेन रोड पर पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान जुलूस, धरना-प्रदर्शन, रैली, आम सभा, पुतला दहन और आंदोलन की अनुमति भी नहीं होगी। निषेधाज्ञा के दौरान शस्त्र, लाठी, डंडा, भाला, पत्थर, चाकू, धारदार हथियार या बंदूक लेकर चलने पर प्रतिबंध के अलावा परिसर के 5 किलोमीटर के दायरे में ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर जैसे भारी वाहनों तथा यातायात बाधित करने वाले तांगा, बैलगाड़ी आदि के आवागमन पर भी रोक रहेगी।

इन इलाको के लिए जारी हुआ प्रतिबंधात्मक आदेश

आदेश के अनुसार लिली टॉकीज से 7 बटालियन मार्ग, रोशनपुरा, बाणगंगा चौराहा, राजभवन-ओल्ड विधानसभा मार्ग, जिंसी-शब्बन-पुरानी जेल मार्ग, स्लॉटर हाउस रोड, बोर्ड ऑफिस चौराहा, ठंडी सड़क, 74 बंगला, रोशनपुरा, पॉलिटेक्निक रोड, दूरदर्शन रोड, भारत भवन रोड से मुख्यमंत्री निवास तक, नवीन विधानसभा, राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, पत्रकार भवन, विधायक विश्राम गृह, सतपुड़ा, विंध्याचल, वल्लभ तक के इलाके में निषेधाज्ञा जारी रहेगी। इस दौरान स्कूल-कॉलेजों, होटलों, दुकानों, उद्योगों और निजी अथवा सार्वजनिक सेवाओं में व्यवधान पैदा करने वाली गतिविधि पर भी रोक रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश ड्यूटी पर तैनात शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों, पुलिस स्टाफ, विवाह समारोह, बारात और शवयात्रा पर लागू नहीं होगा।

विशेष सत्र में सरकार से 22 साल का हिसाब मांगेगी कांग्रेस

विधायक दल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को विधायक दल की बैठक बुलाई। जिसमें सत्र को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। जानकारों की माने तो बैठक में तय किया गया कि कांग्रेस एक दिवसीय सत्र में भाजपा सरकार से उनके 22 साल के कार्यकाल का हिसाब मांगेगी।

नेता प्रतिपक्ष के आवास में हुई बैठक में विधायकदल ने नेता प्रतिपक्ष सिंघार और उपनेता कटारे के 2 साल पूर्ण करने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। बैठक में प्रदेश की आर्थिक स्थिति, किसानों, युवाओं, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ विकास की वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा की गयी। साथ ही सरकार की नीतियों की समीक्षा करते हुए कांग्रेस विधायक दल द्वारा विशेष सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप दिया गया। विधायकों ने कहा कि प्रदेश के मौजूदा हालात खराब हैं और सरकार भविष्य की बात कर सिर्फ जनता को बरगलाने की कोशिश कर रही है। उमंग

सिंघार ने कहा कि एक दिवसीय विशेष सत्र केवल औपचारिकता न बने, बल्कि इसमें किसानों की आय, युवाओं के रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, आदिवासी-दलित समाज के अधिकार और प्रदेश की बदहाल आर्थिक स्थिति पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम सत्र की अविधि बढ़ाने की बात करते हैं, तो सरकार सुनती नहीं जबकि एक दिन का सत्र बुलाकर सिर्फ अपनी ब्रांडिंग करना चाहती है। हम सभी विधायक एकजुट होकर भाजपा सरकार से 22 साल का हिसाब मांगेंगे।इस मौके पर विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे का उनके कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर अभिनंदन किया।

एसआईआर में संलग्न अधिकारी नहीं जाएंगे प्रशिक्षण में

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय लिया है कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) में संलग्न किसी भी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को मिड कैरियर ट्रेनिंग फेस 3 के लिए नामांकित नहीं किया जाएगा। दरअसल कांग्रेस ने सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी पत्र दिनांक 2.12.2025 के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग से शिकायत की है कि प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण कार्य चल रहा है. लेकिन राज्य सरकार द्वारा 24 जिलों के कलेक्टर को प्रशिक्षण के लिये भेजा जा रहा है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी द्वारा आवंटन वर्ष 2010 से 2018 तक के अधिकारियों को मिड कैरियर ट्रेनिंग फेस 3 हेतु नामित किए जाने संबंधी पत्र प्रेषित किया था, जिसकी प्रति सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही हेतु समस्त 127 अर्ह अधिकारियों को प्रेषित की गई थी। लेकिन विभाग द्वारा जारी पत्र का आशय यह बिल्कुल ही नहीं है कि सूची में शामिल हर अधिकारी को प्रशिक्षण के लिये नामांकित कर दिया है। विभाग ने साफ किया कि अर्ह अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन नामांकन किए जाने उपरांत नामांकित अधिकारियों में से प्राथमिकता के आधार पर अफसरों को राज्य शासन द्वारा ट्रेनिंग में सम्मिलित होने अनुमति दी जाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बेहतर प्रयास हुए: शुक्ल

विशेष संवाददाता, भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में पिछले दो वर्षो में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई बड़े प्रयास किए गए है। सरकार प्रदेश के अस्पतालों में गंभीर से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए जहां आधुनिक मशीनों के स्थापित किया गया है,तो वहीं मरीजों को उपचार हेतु कई तरह की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। हेल्थ एवं मेडिकल शिक्षा विभाग संभाल रहे डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल अपने विभाग के राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के साथ जनसंपर्क संचालनालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाए और इसी उद्देश्य के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इंदौर, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में अत्याधुनिक लिनियर एक्स-रेटर मशीनें स्थापित की गई हैं, जिससे कैंसर उपचार की सुविधाएं प्रदेश स्तर पर सुलभ हुई हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और सागर में सीटी स्कैन एवं एमआरआई मशीनों को स्वीकृति दी गई है, जबकि ग्वालियर, रतलाम और विदिशा में एमआरआई एवं सीटी सुविधाओं का विस्तार किया गया है। शुक्ल ने कहा कि भोपाल एवं रीवा में

कार्डियक कैथ लैब स्थापित की गई हैं तथा भोपाल, इंदौर, रीवा और सागर में ब्रेकी-थेरेपी मशीनों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इंदौर और जबलपुर में बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं और जबलपुर मेडिकल कॉलेज में ऑर्गन एवं हार्ट हार्वेस्टिंग के माध्यम से सात लाभार्थियों को जीवनदान मिला है। इंदौर मेडिकल कॉलेज में ब्लड कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक सीएआर -टी सेल थेरेपी प्रारंभ की गई है, जो प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। शासकीय मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 से बढ़कर 19 हो चुकी है तथा निजी मेडिकल कॉलेज 12 से बढ़कर 14 हो गए हैं। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर में 50 एमबीबीएस सीटों के साथ शैक्षणिक गतिविधियां आरंभ हो चुकी हैं। शासकीय एमबीबीएस सीटों की संख्या 2275 से बढ़कर 2850 हो गई है तथा शासकीय एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल एमबीबीएस सीटें 5550 तक पहुंच चुकी हैं। पीजी (एमडी/एमएस) सीटों की संख्या 1262 से बढ़कर 1468 हुई है और कुल पीजी सीटें 2862 हो गई हैं। इसके साथ ही 93 सुपर स्पेशियलिटी सीटों की उपलब्धता से प्रदेश में उन्नत चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ सेवाओं को नया आयाम मिला है। वर्ष 2018-20 की तुलना में मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 142 तथा शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हो गई है। अनमोल 2.0 के माध्यम से उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान, रेफरल और प्रबंधन को सुदृढ़ किया गया है। वर्ष 2028 तक निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों का संचालन, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, एमबीबीएस एवं पीजी सीटों में वृद्धि, विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, एमआरआई एवं कैथ लैब सुविधाओं का विस्तार, प्रमुख राजमार्गों पर ट्रॉमा सेंटरों का विकास तथा टेलीमेडिसिन सेवाओं का व्यापक विस्तार करना है।

फैसला

अंतरिम आदेश जारी, अगली सुनवाई 30 जनवरी को

राजेश शर्मा के मामले में हाईकोर्ट के फैसले पर सुको की रोक

मुख्य संवाददाता, भोपाल। त्रिशूल कंस्ट्रक्शन एवं ट्राइडेंट वेचर्स के संचालक और भोपाल के किसान के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोपी राजेश शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने झटका दे दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में अंतरिम आदेश देते हुए हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें शर्मा के खिलाफ ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज

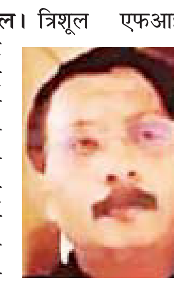

एफआईआर को निरस्त कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने इस मामले में सभी पक्षों को नोटिस जारी करते हुए आगामी सुनवाई से पहले अपने जवाब और हलफनामे कोर्ट में पेश करने को कहा है। इस केस की अगली सुनवाई 30 जनवरी को रखी गई है।

हाईकोर्ट ने एफआईआर को किया था निरस्त

अपने अंतरिम आदेश में सुप्रीम कोर्ट की युगलपीठ ने एमपी हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा की अदालत द्वारा दिए गए फैसले पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने इस मामले में राजेश शर्मा और उसके दो साथियों राजेश तिवारी एवं दीपक तुलसानी के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी, कूटरचना, आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश में ये भी कहा है कि अगली सुनवाई आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न की जाए।

इस तरह किया था फर्जीवाड़ा

राजेश शर्मा ने अपनी फर्म ट्राइडेंट मल्टीवेंचर्स के दो कर्मचारियों राजेश तिवारी और दीपक तुलसानी की मदद से इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया था। उन्होंने रातीबड़ के किसान चिंता सिंह मारण की महुआखेड़ा स्थित 12.46 एकड़ कृषि भूमि खरीदने का सौदा कर उसका आईसीआईसीआई बैंक की नेहरू नगर शाखा में खाता खुलवाया, लेकिन इसमें मोबाइल नंबर और मेल आईडी राजेश तिवारी का भर दिया। 12 जून 2023 को राजेश शर्मा ने रजिस्ट्रार के सामने आवेदन पेश कर जमीन का बेचनामा तैयार कर ट्राइडेंट मल्टीवेंचर्स के नाम पर 2 करोड़ 86 लाख 16 हजार रुपए में रजिस्ट्री कराई, लेकिन किसान को केवल 81 लाख 13 हजार 840 रुपए ही दिए। राजेश ने शेष रकम में 66 लाख के चेक स्टॉप पेमेंट कर वापस ले लिए, जबकि 1 करोड़ 36 लाख रुपए किसान के खाते से अपने सहयोगी राजेश तिवारी के खातों में ऑनलाइन, वॉलेट और अन्य तरीकों से ट्रांसफर कर दिए। इस सौदे में किसान को केवल 81 लाख रुपए मिले जबकि 2 करोड़ 2 लाख रुपए राजेश शर्मा ने धोखाधड़ी कर हड़प लिए। जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने राजेश शर्मा, दीपक तुलसानी और राजेश तिवारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120बी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

फैसले के खिलाफ दो याचिकाएं दाखिल

हाईकोर्ट की एकलपीठ द्वारा विगत 28 जुलाई को राजेश शर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त करने के आदेश को किसान चिंता सिंह मारण और ईओडब्ल्यू दोनों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्य पीठ के जस्टिस विशाल मिश्रा की कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा था कि कानून के दुरुपयोग को रोकने और न्यायिक कार्यवाही की पवित्रता को बनाए रखने के लिए एफआईआर को रद्द किया जाता है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह दो पक्षों का प्राइवेट मामला है और इसमें ईओडब्ल्यू का दखल अनुचित था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने चिंता सिंह मारण की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश जारी किया है। इस मामले में सुनवाई को दौरान मौजूद रहे ईओडब्ल्यू के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट के द्वारा जारी नोटिस को तत्काल स्वीकार करते हुए अदासत को बताया कि ईओडब्ल्यू भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर चुका है। इसके बाद जस्टिस करोल और जस्टिस सिंह ने दो सप्ताह में ईओडब्लयू को भी अपना रिजॉइन्डर कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक राजेश शर्मा के ठिकानों पर पिछले साल के अंत में आयकर विभाग की टीम ने छापे मारकर लगभग 400 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति उजागर की थी।

सरकार की गलत नीतियों से किसान की स्थिति चिंताजनक: विधायक यादव

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के कृषि मंत्री रहे विधायक सचिन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार की गलत नीतियों के चलते सूबे के किसानों की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा सरकार ने किसानों को उत्पादन की लागत, बाजार के भाव, बीमा सुरक्षा और संस्थागत व्यवस्था जैसे सभी मोर्चो पर अकेले छोड़ दिया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व मंत्री यादव ने कहा कि किसानो की ऐसी स्थिति सरकार की नीति केवल उनकी विफलता नहीं,बल्कि सोची-समझी किसान विरोधी नीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जब राज्य में कमलनाथ की सरकार थी,तब किसानों को राहत के साथ-साथ संरक्षण की भी गारंटी दी गई। जय किसान ऋण मुक्ति योजना के जरिए 2 लाख तक फसल ऋण जहां माफ किए गए,तो वही 10 एच पी तक बिजली बिल आधे किए गए। मुख्यमंत्री प्याज कृषक प्रोत्साहन योजना से प्याज किसानों को सही दाम दिया गया। नकली खाद-बीज के खिलाफ शुद्ध के लिए युद्ध के तहत सख्त कार्रवाई हुई। यादव ने भाजपा के घोषणा पत्र(संकल्प) को पूरी तरह से झूठा और वादाखिलाफी वाला बताते हुए कहा कि तब किसानों को निरंतर 10 घंटे बिजलीसोयाबीन की एमएसपी पर नियमित सरकारी खरीदी और उसे और मजबूत करने,गेहूं रुपए 2700/क्विंटल, धान रुपए 3100/क्विंटल खरीदने की बात कही गई थी,लेकिन आज इन मामलों में किसान अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहा है। राज्य सरकार ने केन्द्र को मक्का खरीदी का कोई प्रस्ताव नहीं भेजा। इसी तरह केले का उचित बाजार भाव नहीं मिल पा रहा है। विधायक यादव ने सरकार पर मंडी व्यवस्था को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य शासन पर मंडी बोर्ड की1700 करोड़ की लेनदारी है,लेकिन इस ओर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिससे कर्मचारियों को वेतन-पेंशन समय पर नहीं मिल पा रहा है।

स्कूल में मध्यान्ह भोजन चखकर कलेक्टर ने की जांच, पढ़ाई और पोषण पर दिया जोर

शिक्षा व्यवस्था पर सख्त निर्देश

जागरण डिंडौरी। कलेक्टर भदौरिया ने जिले के विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण कर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत परखी। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक शाला भर्रा टोला, ग्राम पंचायत घानाघाट, गीधा, लिखनी, मझियाखार एवं लालपुर का भ्रमण किया और विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण विकास विभाग की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत चल रहे गेबियन कार्य, कंटूर ट्रेंच एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निर्माणाधीन नवीन तालाबों का निरीक्षण किया। ग्राम बरसोद में नवीन तालाब निर्माण स्थल पर पहुंचकर उन्होंने मजदूरों से सीधे संवाद कर कार्य की प्रगति, मजदूरी भुगतान एवं अन्य समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर सचिव एवं रोजगार सहायक को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। प्राथमिक शाला भर्रा टोला, घानाघाट में कलेक्टर ने बच्चों से पाठ पढ़वाकर उनके शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन किया। बच्चों द्वारा कलेक्टर, पुलिस अधिकारी, वकील एवं इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त करने पर उन्होंने उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। विद्यालय में तैयार हो रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता जांचने हेतु कलेक्टर ने स्वयं भोजन चखकर भी देखा। ग्राम पंचायत घानाघाट में 6.81 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन कंटूर ट्रेंच तथा 1.47 लाख रुपये की लागत के गेबियन कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री आरईएस विभाग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत डिंडौरी को कार्यस्थल के आसपास वृहद वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए, ताकि मिट्टी कटाव को रोका जा सके और क्षेत्र में हरित एवं स्वच्छ वातावरण विकसित हो। ग्राम पंचायत लिखनी में कलेक्टर ने हैंडलूम बुनकरों के घर-घर जाकर उनसे चर्चा की। उन्होंने बुनकरों की आय-व्यय एवं लाभ की जानकारी लेते हुए कहा कि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रशासन सहयोग करेगा, जिससे स्वदेशी साड़ी, सलवार-सूट, कुर्ता-पायजामा एवं चादर जैसे उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग हो सके। कलेक्टर ने संतोषी बछलहा, राजेश्वरी एवं गणेश स्व सहायता समूह की महिलाओं से भी संवाद किया। महिलाओं ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रतिमाह 5 हजार से 15 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। ग्रामीणों द्वारा सड़क, पानी, बिजली एवं आवास की मांग रखे जाने पर कलेक्टर ने धरती आबा योजना के अंतर्गत सर्वे कराकर प्राप्त आवेदनों के आधार पर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत लिखनी के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार पोषण आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन बरेठी सोलर पावर प्लांट का निरीक्षण किया

स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनकर उनके कौशल अनुरूप रोजगार देने के निर्देश

छतरपुर। बुधवार को कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल एवं एसपी श्री अगम जैन ने बरेठी में सोलर पावर प्लांट के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया। साथ ही एनटीपीसी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम बिजावर श्री विजय द्विवेदी, सटई तहसीलदार श्री आदित्य सोनकिया, एसडीओपी सहित परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने पौधरोपण भी किया।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने सोलर मॉड्यूल पाइलिंग कार्य, इन्वर्टर कंट्रोल स्टेशन तथा सबस्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही परियोजना का पूरा काम निर्धारित समयावधि में करने के निर्देश दिए और कब्जा हटाने संबंधी कार्यवाही के राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने सांदनी ग्राम से आए कुछ ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और अधिकारियों को उचित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि परियोजना के कार्य में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता से उनकी कौशल क्षमता अनुरूप रोजगार दिया जाए।

परियोजना प्रमुख श्री राजेश शर्मा ने बताया कि बरेठी परियोजना 2809 एकड़ भूमि पर स्थापित की जा रही है। लगभग 2750 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह एक सौर ऊर्जा परियोजना है। जिसकी क्षमता 630 मेगावाट होगी। परियोजना के अंतर्गत सौर मॉड्यूल, पूलिंग सबस्टेशन का कार्य एवं ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण तीनों कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं। इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली की आपूर्ति ईशानगर सबस्टेशन को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परियोजना से बिजली उत्पादन 31 दिसंबर 2026 तक प्रारंभ हो जाएगा। निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के अनुरूप प्रगति पर है। यह परियोजना न केवल प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेगी। बल्कि हरित ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध होगी।

22 मकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

सड़क मार्ग पर लोगों ने किया था कब्जा, प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया

छतरपुर। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में स्थित हुसैन मस्जिद के पीछे बने 22 मकानों पर बुधवार सुबह प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की। नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई, जबकि पूरे घटनाक्रम पर ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी गई। भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच मकानों को ध्वस्त किया गया।

प्रशासन का कहना है कि ये मकान सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए थे। गोपाल टौरिया की ओर जाने वाले मार्ग पर कब्जा किए जाने के कारण सड़क चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हो रही थी। इसी को लेकर पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए थे। एसडीएम अखिल राठौर ने बताया कि सभी अतिक्रमणकारियों को तीन बार नोटिस दिए गए थे और समझाइश भी दी गई थी। कुछ लोगों ने स्वयं अतिक्रमण हटा लिया था, जबकि शेष के खिलाफ बुधवार को कार्रवाई की गई। लगभग 20 लोगों की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया है। वहीं वार्ड पार्षद अब्बास अली ने प्रशासन पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन मकानों को तोड़ा गया, वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए थे। ऐसे में लोगों को बेघर करना अन्यायपूर्ण है। सीएसपी अरुण सोनी ने बताया कि नगर पालिका और राजस्व विभाग अपने स्तर पर वैधानिक कार्रवाई कर रहे हैं। पुलिस बल केवल सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया गया था, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। कार्रवाई से प्रभावित लोगों ने अपनी पीड़ा भी बताई। पीड़िता संतों ने कहा कि उनके पति बेरोजगार हैं, चार बच्चे हैं और वे घरों में झाड़ू-पोछा कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं।

खाद की किल्लत से नाराज़ किसानों का सटई रोड पर चक्का जाम

छतरपुर। जिले में खाद की भारी किल्लत से परेशान किसानों का आक्रोश मंगलवार को सड़कों पर देखने को मिला। समय पर खाद नहीं मिलने से नाराज़ किसानों ने सटई रोड पर चक्का जाम कर दिया, जिससे करीब 30 मिनट तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। अचानक लगे जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जाम की सूचना मिलते ही एसडीएम एवं सिविल लाइन थाना प्रभारी टीआई सतीश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने बताया कि रबी सीजन में खाद की समय पर आपूर्ति नहीं होने से बुवाई प्रभावित हो रही है, जिससे फसलों को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि वे पिछले दो-तीन दिनों से लगातार खाद वितरण केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। किसान अंकित पाल, निवासी दलपतपुरा ने बताया कि जब प्रशासन दावा कर रहा है कि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है, तो फिर किसानों को खाद क्यों नहीं दी जा रही है। इसी तरह किसान प्रियंका पटेल ने बताया कि वह सुबह 6 बजे से लाइन में लगी थीं, लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल सकी। सिर्फ अनाउंसमेंट किए जा रहे हैं, वितरण नहीं हो रहा है। प्रशासन द्वारा जल्द खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद किसानों ने चक्का जाम समाप्त किया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए हैं और शीघ्र ही खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित ग्रामीणों ने जनसुनवाई में की शिकायत, सचिव पर पैसे मांगने के आरोप

छतरपुर। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत रानीताल, विकासखंड बड़ामलहरा के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित किए जाने का गंभीर मामला कलेक्टर के समक्ष उठाया। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर आवास योजना में नाम जोडऩे के बदले पैसे मांगने के आरोप लगाए हैं। जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंची एक बुजुर्ग महिला को भीड़ और तनाव के चलते चक्कर आ गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उसे प्राथमिक उपचार दिलाया। ग्रामीणों ने लिखित शिकायत में बताया कि वे मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और योजना के सभी मापदंडों पर खरे उतरते हैं। इसके बावजूद तत्कालीन सर्वे के दौरान उनके नाम सूची में नहीं जोड़े गए, जिससे आज भी वे कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। शिकायतकर्ताओं में नम्रता देवी, जमना, केसकली, रानीबाई, सुन्नाबाई, रेखा, संगीता, टुकन, सविता, छोटीबाई, रूपा, मीना, रजनी, पानबाई, जल्लो और सीता सहित कई महिलाएं शामिल हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि

पंचायत सचिव संतोष कुमार जैन ने उनसे नाम जोडऩे के बदले रिश्वत की मांग की। गरीब मजदूर होने के कारण वे पैसे नहीं दे सके, जिसके चलते उनके नाम सर्वे सूची से बाहर कर दिए गए। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कई बार पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने कलेक्टर से निष्पक्ष जांच कराकर पुन~ सर्वे कराने और पात्र हितग्राहियों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में जोडऩे की मांग की है। प्रशासन की ओर से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया गया है।

सैलवारा में गंदगी का साम्राज्य, जान जोखिम में डालकर गंदा पानी पी रहे ग्रामीण

हैंडपंप के पास नरकीय हालात, नाली न होने से मुख्य मार्ग पर जमा कीचड़; अधिकारी-जनप्रतिनिधि सब मौन

जागरण मंडला। घुघरी विकासखंड की पांडकला ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम सेलवारा में इन दिनों ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव में व्याप्त भयंकर गंदगी और जल-जमाव से त्रस्त होकर आज दोपहर 2 बजे बड़ी संख्या में महिलाएँ और पुरुष एकजुट हुए और प्रशासन से अपनी समस्या सुनने की गुहार लगाई।

मुख्य सड़क पर फिसलन और जल-जमाव

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था (नाली) न होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। यह स्थिति इतनी विकट है कि ग्रामवासियों को गंदे, बदबूदार पानी के बीच से होकर आना-जाना पड़ रहा है।

सबसे चिंताजनक स्थिति गांव के मुख्य हैंडपंप के पास है, जहाँ से महिलाएँ और पुरुष पीने का पानी भरते हैं। हैंडपंप के इर्द-गिर्द भी गंदा पानी भरा हुआ है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। जल-जमाव के कारण मुख्य मार्ग पर भारी काई (द्वश्ह्यह्य) जम गई है, जिसकी वजह से आए दिन लोग फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता

सेलवारा के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी आवेदन पत्र दिए हैं, लेकिन अभी तक कोई भी अधिकारी उनकी सुध लेने नहीं आया। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत के सदस्य, सरपंच और सचिव सभी अपनी मनमर्जी के मालिक हैं। ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर वे पूरी तरह उदासीन हैं। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को ऐसा प्रतीत होता है जैसे वे सिर्फ मगरमच्छ की चाल चलते रहेंगे और जनता चिल्लाती रहेगी।

आज महिलाओं ने उठाया आवाज़

आज दोपहर 2 बजे, खासकर महिलाओं ने इकट्ठे होकर अपनी समस्या को प्रमुखता से उठाया और प्रशासन से त्वरित समाधान की मांग की। हम कब तक इस गंदगी और खतरे के बीच जिएंगे? न कोई नाली है, न कोई सुनवाई। बच्चे, बूढ़े, सब गिर रहे हैं। क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? एक आक्रोशित महिला ग्रामीण ने सवाल किया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए सेलवारा में नाली निर्माण और जल-जमाव की समस्या का समाधान करने की मांग की है, ताकि उन्हें साफ-सुथरा और सुरक्षित जीवन मिल सके।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का हुआ शुभारंभ

जागरण मंडला। पशु पालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी जायेंगे पशु पालक के घर, पशु स्वास्थ, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार से सम्बंधित देंगे जानकारी। प्रदेश में पशुपालकों, किसानों की आय बढने व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु पालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसके द्वितीय चरण का शुभारंभ 17 दिसम्बर से हो चुका है। अभियान अंतर्गत पशु पालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी पशुपालकों, किसानों के घर जायेंगे जहाँ पशु स्वास्थ, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार से सम्बंधित जानकारी देंगे। द्वितीय चरण में प्रदेश के सभी गांवों में दुधारू पशु रखने वाले पशु पालक से सीधे संपर्क कर संवाद किया जायेगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विकासखंड के एक चिकित्सक को मास्टर ट्रेनर के रूप में राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया गया है इन मास्टर ट्रेनर द्वारा/नोडल ऑफिसर द्वारा अपने जिले के प्रत्येक विकासखंड में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र, अधिकारी, मैत्री, गौसेवक को दे दिया गया है। अभियान की निगरानी के लिए जिला स्तर पर कण्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा नियमित रूप से अभियान की समीक्षा करेंगे। साथ ही राज्य स्तर जानकारी साँझा करेंगे। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण 5-9 गौवंश एवं भैंसवंश रखने वाले पशु पालकों के यहाँ प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी, साथ ही उन्हें पशु स्वास्थ्य, पशु पोषण एवं पशु नस्ल सुधार पर जागरूक किया जावेगा।

सांदीपनि स्कूल परिसर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से हटाया गया अतिक्रमण

जागरण मंडला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग तथा शैक्षणिक संस्थाओं के परिसर के लगे क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी कड़ी में नायब तहसीलदार श्री रामसिंह उलाड़ी के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा निर्माणाधीन महर्षी सांदीपनी स्कूल सागर के परिसर में बाउंड्रीवॉल से लगे हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई।

नशे में धुत पुलिसकर्मी ने मचाया कहर

छतरपुर। शहर में मंगलवार की देर रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब नशे में धुत एक पुलिसकर्मी ने कार चलाते हुए एक के बाद एक दो हादसों को अंजाम दे दिया। पहली घटना सिटीकार्ट के सामने हुई, जहां कार की टक्कर से एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके बाद आरोपी ने भागने की कोशिश में स्टेडियम के सामने दोबारा एक बैल को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। कार की तलाशी में शराब की बोतलें बरामद हुई हैं।

जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान अजय अहिरवार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में छतरपुर पुलिस लाइन में आरक्षक वाहन चालक के पद पर पदस्थ है। बताया जा रहा है कि वह अत्यधिक शराब के नशे में कार चला रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। देर रात पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पुलिसकर्मी अजय अहिरवार को सस्पेंड कर दिया है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद्
QUALITY COUNCIL OF INDIA
QCI Creating an Ecosystem for Quality

भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई), भारत सरकार द्वारा स्थापित एक अग्रणी स्वायत्त निकाय है। क्यूसीआई गुणवत्ता की मानसिकता विकसित करने के लिए ज़िम्मेदार है और इसकी परिकल्पना है कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को स्पर्श करने वाले विविध उत्पादों और सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय के रूप में भारतीय गुणवत्ता परिषद्, अपने घटक बोर्डों और प्रभागों के माध्यम से अपनी गतिविधियों का समन्वय करते हुए उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं के स्वतंत्र अन्य-पक्ष मूल्यांकन के लिए एक तंत्र तैयार करती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), भारतीय गुणवत्ता परिषद् के लिए नोडल प्वाइंट के रूप में कार्य करता है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद् इस विज्ञापन के माध्यम से, "Engagement of agency for publishing newspaper advertisement", के प्रस्ताव आमंत्रित करती है।

विस्तृत आवश्यकताओं के साथ निविदा प्रस्ताव (आरएफपी) क्यूसीआई की वेबसाइट www.qcin.org पर निविदा अनुभाग (https://qcin.org/work-with-us/#tenders) के अंतर्गत पाया जा सकता है।

इच्छुक एजेंसियां अपने आवेदन पत्र बाहरी लिफाफे पर "Engagement of agency for publishing newspaper advertisement" विषय के साथ Quality Council of India (Procurement unit), Tower J, 2nd floor, World Trade Center, Nauroji Nagar, New Delhi -110029 को भेज सकती हैं। तकनीकी और वित्तीय आवेदन पत्र अलग-अलग लिफाफों में एक बाहरी लिफाफे में बंद करके **20 दिसंबर, 2025** को दोपहर **2 बजे** तक जमा किए जाने चाहिए।

QCI'S BOARDS AND DIVISIONS
PADD PPID NDIE

Quality Council of India, World Trade Centre, J-200, Block J, Narouji Nagar, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029
@QualityCouncilofIndia @QualityCouncil qualitycouncilofindia quality-council-of-india-qci- info@qcin.org

ऑफिस के बहाने स्कूल से गायब शिक्षक रडार पर, बीईओ ने जारी किए आदेश, अब सीधे होगी कार्रवाई

जागरण डिंडौरी। विकासखण्ड करंजिया अंतर्गत शासकीय शालाओं में पदस्थ शिक्षकों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी करंजिया द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अधीनस्थ कर्मचारी संस्था से बिना अनुमति अथवा कारण अनुपस्थित नहीं रहेगा। निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि बीएसी एवं सीएसी करंजिया के माध्यम से समय-समय पर शालाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई शिक्षक कार्यालयीन कार्य का बहाना बनाकर विद्यालय में उपस्थित नहीं रहते और बिना अनुमति इधर-उधर घूमते पाए गए। इस प्रकार की लापरवाही से शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है, जिसे विभाग ने गंभीरता से लिया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निरीक्षण के समय यदि कोई शिक्षक या कर्मचारी अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु उच्च कार्यालय को प्रतिवेदन भेजा जाएगा। इस कार्रवाई के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की होगी और किसी भी प्रकार का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिक्षा अधिकारी ने कार्यालयीन कार्य के नाम पर विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। यदि किसी कर्मचारी को अनिवार्य रूप से कार्यालयीन कार्य से करंजिया आना-जाना पड़ता है, तो उसे संस्था प्रमुख से विधिवत अनुशंसा पत्र प्राप्त करना होगा।

बकाया बिजली बिलों की वसूली को लेकर सख्त हुआ बिजली विभाग, मोहनगढ़ में स्कूटी कुर्क

टीकमगढ़। जिले में विद्युत वितरण कंपनी ने बकाया बिजली बिलों की वसूली को लेकर अभियान और तेज कर दिया है। बुधवार को इसी अभियान के तहत मोहनगढ़ क्षेत्र में बिजली विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बकायादार उपभोक्ता की स्कूटी कुर्क कर ली। विभाग की इस सख्ती के बाद क्षेत्र के अन्य बकायादार उपभोक्ताओं में भी हड़कंप की स्थिति है। मोहनगढ़ के सहायक अभियंता नितिन बाथम ने बताया कि उपभोक्ता क्रमांक 1189001955 भैयालाल दांगी पर कुल 1 लाख 60 हजार 202 रुपये का विद्युत बिल लंबे समय से बकाया था। विभाग द्वारा कई बार नोटिस जारी किए गए और समाधान योजना के तहत बड़ी राहत भी दी गई, इसके बावजूद उपभोक्ता ने भुगतान नहीं किया। नितिन बाथम ने बताया कि शासन की समाधान योजना के अंतर्गत उपभोक्ता को ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट दी गई थी, जिससे उन्हें कुल 98 हजार 203 रुपये की राहत मिलती। योजना के अनुसार उपभोक्ता को केवल 65 हजार रुपये जमा करना थे, लेकिन इसके बाद भी भुगतान नहीं किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कनेक्शन लेने के बाद से उपभोक्ता ने आज तक कभी भी बिजली बिल जमा नहीं किया। उन्होंने कहा कि बार-बार अवसर देने और इतनी बड़ी छूट के बावजूद यदि उपभोक्ता बिल जमा नहीं करते हैं, तो विभाग को मजबूरन कानूनी कार्रवाई करनी पड़ती है। कुर्की की कार्रवाई नियमों के तहत की गई है और आगे भी ऐसे बकायादारों पर सख्ती जारी रहेगी। सहायक अभियंता नितिन बाथम ने स्पष्ट किया कि मोहनगढ़ क्षेत्र में कुर्की अभियान की शुरुआत हो चुकी है और यह लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि समाधान योजना की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इसके बाद किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। जो उपभोक्ता समय रहते अपने बकाया बिलों का भुगतान नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कुर्की सहित अन्य कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अंतिम तिथि से पहले अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में संपर्क कर समाधान योजना का लाभ लें और बकाया विद्युत बिल जमा करें, ताकि किसी भी अप्रिय कार्रवाई से बचा जा सके।

जिला अस्पताल निरीक्षण में खुली अव्यवस्थाओं की पोल कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने बुधवार को जिला अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान न केवल निर्माण कार्यों की धीमी गति सामने आई, बल्कि गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं में गंभीर खामियां भी उजागर हुईं। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण की शुरुआत नवनिर्मित ओपीडी भवन से हुई, जहां कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पाया कि कई कार्य अब भी अधूरे हैं। इस पर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी शेष कार्य पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि अगले बुधवार तक ओपीडी से संबंधित समस्त कार्य हर हाल में पूरे होने चाहिए। उन्होंने सिविल सर्जन को भी निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूर्ण होते ही ओपीडी एवं प्राइवेट रूम का संचालन तुरंत शुरू कराया जाए। कलेक्टर ने यह भी याद दिलाया कि पिछले माह निरीक्षण के दौरान 15 दिनों के भीतर ओपीडी शुरू करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक आदेशों का पालन नहीं हुआ है, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिलाओं ने कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। महिलाओं ने बताया कि उन्हें मिलने वाला भोजन गुणवत्ताहीन है, दूध केवल एक समय दिया जाता है और लड्डू का वितरण नहीं किया जा रहा है। कुछ महिलाओं ने यह भी शिकायत की कि भोजन समय पर नहीं मिलता और मात्रा भी पर्याप्त नहीं होती। इसके बाद कलेक्टर ने अस्पताल की रसोई का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मौजूद स्टाफ से स्टॉक रजिस्टर और मीनू रजिस्टर प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन संबंधित ठेकेदार रजिस्टर लेकर मौके से गायब हो गया। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे गंभीर अनुशासनहीनता बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही सीधे तौर पर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। डिलीवरी वार्ड के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भर्ती महिलाओं से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि शासन की योजना के अनुसार मिलने वाली सुविधाएं उन्हें पूरी तरह नहीं मिल पा रही हैं। कलेक्टर ने मौके पर ही सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला और अस्पताल प्रबंधक अंकुर साहू को निर्देश दिए कि भोजन वितरण कर रहे ठेकेदार की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाए और तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं को दोनों समय दूध, बिस्किट और लड्डू का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगली समीक्षा में व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं देना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र ने जीता स्वर्ण पदक

जागरण, पन्ना । 16 दिसंबर 2025 से 17 दिसंबर 2025 तक मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर के परिपालन में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स महिला एवं पुरुष प्रतियोगिता क्रीडा विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आयोजित कि गई। उक्त प्रतियोगिता में छत्रसाल शासकीय पी जी महाविद्यालय पन्ना के एक छात्र एवं दो छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कला संकाय में अध्यनरत बी.ए द्वितीय वर्ष के छात्र प्रियेश जाटव ने जैवलिन थ्रो इवेंट में स्वर्ण पदक, जीतकर अपना एवं महाविद्यालय तथा पन्ना जिले का नाम पूरे प्रदेश स्तर पर रोशन किया है। अन्न दो छात्राओं क्रमशः प्रिंसी खंगार एक काजल कुशवाह ने अपने अपने इवेंट में क्रमश पाँचवा एवं चौथा स्थान राज्य स्तर पर प्राप्त किया है!महाविद्यालय के खिलाड़ियों की इस स्वर्णिम उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.डी.चतुर्वेदी द्वारा छात्र के पन्ना आगमन पर शानदार स्वागत एवं सम्मान समारोह में छात्र को सम्मानित करने की प्रस्ताव रखा है साथ ही राज्य स्तर पर पदक जीतने वाले अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मानित करने की बात की है! एवं प्रोत्साहन स्वरूप महाविद्यालय के राज्य स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को महाविद्यालय से यथासंभव मदद का आश्वासन दिया दिया है! साथ ही महाविद्यालय परिवार के सभी के सदस्यों द्वारा छात्र को शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं! खिलाड़ियों ने अपना अभ्यास प्रशिक्षण का कार्य महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी धर्मेंद्र यादव के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

एक आरक्षक का सड़क दुर्घटना में देवलोक गमन

पन्ना । कोतवाली अंतर्गतआरक्षक अजय भास्कर पन्ना से अमानगंज रोड जाते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी जिससे मोटरसाइकिल से आरक्षक को भयंकर चोट आई घंटो आरक्षक लहूलुहान होकर पड़ा रहा राहगीरों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पुलिस पहुंची और आरक्षक को घायल अवस्था में अस्पताल में ले जाने पर डॉक्टर द्वारा आरक्षक को मृत घोषित कर दिया पन्ना अमानगंज रोड पर अधिकतर सड़क दुर्घटना होती हैं। जिससे कई लोगों की मौके पर ही विगत वर्षों में मौत हो चुकी है। आरक्षक के छोटे बच्चे हैं परिवार में भाई और मां है। जांच जारी शव विच्छेदन गृह से परिवार जनों को सौंप दिया गया कल दिनांक 18 दिसंबर 2025 को संस्कार किया जाएगा। आरक्षक अजय भास्कर पिता भूपत भास्कर उम्र 42 साल जो कि थाना कोतवाली में पदस्थ था जिसकी मृत्यु आज सुबह करीब 9 से 10:00 बजे के बीच अमानगंज घाटी के ऊपर सड़क दुर्घटना में हुई है मृतक आरक्षक को डायल 108 की मदद से जिला चिकित्सालय पन्ना लाया गया जो कि डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किया गया थाना कोतवाली में मर्ग कायम कर पीएम पंचनामा कार्यवाही परिजनों के समक्ष की गई अंतिम संस्कार कल दिनांक 18 दिसंबर को की जाएगी

इको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

जागरण, पन्ना । भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन, एप्को भोपाल द्वारा नियंत्रित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत जारी पत्रानुसार पन्ना के छत्रसाल शासकीय महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ एस डी चतुर्वेदी के आदेशानुसार महाविद्यालय के विज्ञान भवन में दिनांक 17.12.2025 को पर्यावरण संरक्षण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन इको क्लब प्रभारी डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने आयोजन समिति के सदस्यों सुश्री मनीषा शर्मा, डॉ मनोज कुमार मिश्र, डॉ रोशनी गुप्ता एवं श्रीमती वंदना सिंह के सहयोग से किया व इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न मुद्दों के प्रति समझ एवं जागरूकता उत्पन्न करना है। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोहित रैकवार, द्वितीय स्थान वैष्णवी शेगोकार एवं तृतीय स्थान अंकिता बाजपई ने प्राप्त किया। इन सभी को प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो दिया जाएगा साथ ही सभी प्रतिभागियों को इको क्लब की ओर से सहभागिता प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

कलेक्टर ने की पशुपालन विभाग की समीक्षा

जागरण, पन्ना । कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में पशुपालन एवं डेयरी विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं तथा कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की गई। आज से प्रारंभ हुए दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण में पशुपालकों से डोर टू डोर संपर्क कर आवश्यक जानकारियां प्रदान करने के निर्देश दिए। उप संचालक डॉ. नरेन्द्र गुप्ता द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान के दूसरे चरण में 840 ग्रामों में विभागीय अमले द्वारा पशुपालकों से संपर्क कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने सहित नस्ल सुधार, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी जाएगी। ऑडियो विजुअल के माध्यम से भी पशुपालकों को जागरूक एवं प्रेरित किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने अभियान अवधि में सतत मॉनिटरिंग सहित समय सीमा में विभागीय लक्ष्यपूर्ति के निर्देश भी दिए। साथ ही गौशालाओं के निकट सड़क पर गौवंश मिलने की स्थिति में संबंधित गौशाला संचालक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीओ टीम द्वारा की गई वाहन चेकिंग

पन्ना । कलेक्टर ऊषा परमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में परिवहन विभाग की टीम द्वारा ओवरलोड वाहनों एवं बगैर दस्तावेज के संचालित वाहनों के विरूद्ध अभियान संचालित कर कार्यवाही आरंभ की गई है। इस क्रम में आज आरटीओ सुनील शुक्ला द्वारा विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान नियमों के उल्लघंन पर चार वाहनों को जप्त कर 18 हजार 500 रूपए की चालानी कार्यवाही की गई। ओवरलोड ट्रक सहित स्कूल बस में वांछित दस्तावेज न पाए जाने पर यह कार्यवाही हुई है। आगामी दिनों में भी यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत 5 दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जागरण, पन्ना । राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र पन्ना में कृषि सखियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र पन्ना एवं परियोजना संचालक आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग पन्ना के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रमंडल सदस्य संजीव खरे ने सभी कृषि सखियों को संबोधित करते हुए बताया कि हम सभी को मृदा, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य को सही रखना है, तो प्राकृतिक खेती अपनाना जरुरी है। उपसंचालक कृषि ओ.पी. तिवारी ने कृषि सखियों को उनकी जिम्मेदारी की महत्ता को बताते हुए कहा कि आप जन जन तक प्राकृतिक खेती की विधा को पहुंचा सकती हैं। इसलिए प्रशिक्षण पूरी गंभीरता एवं ईमानदारी से प्राप्त करें। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पी.एन. त्रिपाठी ने प्राकृतिक खेती के घटकों के बारे में बताया एवं खेती में सूक्ष्म जीवाणुओं के महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रतिभागियों को जैविक और प्राकृतिक खेती के सूक्ष्म अंतर के बारे में भी बताया। केंद्र के प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी डॉ. रितेश कुमार जायसवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय मिशन प्राकृतिक खेती के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया तथा इसके मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में तरुण पाठक, सहायक संचालक कृषि एन.पी. प्रजापति, वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. सिंह, रितेश बागोरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जयचंद लोधी, बीटीएम शिवमंगल सिंह, पीपल साइंस इंस्टीट्यूट के विनोद निरंजन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की की सहायक प्राध्यापक डॉ. रूपम शुक्ला सहित विभाग के अन्य कर्मचारी और कृषक सखियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर.पी. सिंह द्वारा किया गया।

क्षतिग्रस्त नहरों की प्राथमिकता से मरम्मत कराएं : कमिश्नर

खाद बीज वितरण की व्यवस्था को और सुचारू बनाएं कमिश्नर ने की विकास कार्यों की समीक्षा

जागरण, पन्ना । कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने सागर संभाग में क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत कराने के निर्देश जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। कमिश्नर ने निर्देशित करते हुए कहा है कि पानी का सदुपयोग सुनिश्चित करने और किसानों के खेतों तक आसानी से पानी पहुंचाने के लिए सागर संभाग में क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि *पन्ना* जिले सहित सागर संभाग के अन्य जिलों में वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि *पन्ना* जिले में निर्देशों के बावजूद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत किन कारणों से नहीं हुई तथा अभी तक कितनी सड़कें मरम्मत के लिए लंबित हैं, इसकी जानकारी तत्काल मुहैया कराएं। कमिश्नर ने *पन्ना एवं अजयगढ़* तहसील के प्राचीन तालाबों के जीर्णोद्धार कार्य की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि उक्त तालाबों के जीर्णोद्धार की प्रगति से उन्हें अवगत कराएं। कमिश्नर सागर संभाग श्री सुचारी ने आज विकास एवं निर्माण कार्यों की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चालू रबी सीजन में किसानों को खाद एवं बीज आसानी से उपलब्ध हो, इसकी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। कमिश्नर ने सागर संभाग में सिंचाई परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाहियों की जिलेवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित की जाए। जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

कॉलेज चलो अभियान का संचालन वैष्णव माता विधि महाविद्यालय

पन्ना । उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के अदेशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अन्तर्गत निरंतर स्कूलों का गांव-गांव जाकर अभियान चलाया जा रहा है आज दिनांक 16/12/2025 को वैष्णव माता विधि महाविद्यालय पन्ना के द्वारा हायर सेकेण्डरी स्कूल बराछ पन्ना का महाविद्यालय प्राचार्य अविनाश पाण्डेय के नेतृत्व में कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम केरियर काउंसलिग,आओ जाने महाविद्यालय, नई शिक्षा नीति,प्रवेश प्रक्रिया एवं शासन द्वारा आर्थिक सहायता के रूप में प्राप्त केंद्र,राज्य शासन एवं अन्य विभागो (अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग तकनीकि शिक्षा आदि) द्वारा छात्रवृति एवं प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में सहायक प्राध्यापक मनोज गौर, महेन्द्र सिंह एवं गजेन्द्र उपस्थित रहे। जिसमें स्कूल के प्राचार्य श्रीमति उषा सोनकर एवं समस्त स्टॉफ द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है जिसमें अधिकतम संख्या में छात्र-छात्राओ द्वारा जानकारी प्राप्त की गई एवं उनके द्वारा जो प्रश्न किये गए उनके प्रश्नों का समाधान किया गया।

आईएफएमआईएस के माध्यम से केन्द्रीयकृत वेतन प्रोसेसिंग व्यवस्था लागू

जागरण, पन्ना । राज्य शासन द्वारा नियमित एवं अनियमित कर्मचारियों को प्रत्येक माह की एक तारीख को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आईएफएमआईएस प्रणाली के माध्यम से केन्द्रीयकृत वेतन प्रोसेसिंग की सुविधा विकसित की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत अब प्रत्येक आहरण एवं संवितरण अधिकारी को पृथक-पृथक रूप से वेतन जनरेशन का कार्य नहीं करना होगा। केन्द्रीयकृत वेतन प्रोसेसिंग के सुचारू संचालन हेतु यह आवश्यक है कि प्रत्येक माह की 19 तारीख के पूर्व समस्त कर्मचारियों के पे रिकॉर्ड से संबंधित आवश्यक संशोधन, स्टॉप सैलरी एवं जीवन निर्वाह भत्ता से संबंधित आवश्यक ऑनलाइन आदेश आईएफएमआईएस प्रणाली में समय पर निर्मित किए जाएं, जिससे त्रुटिरहित एवं सही वेतन देयक जनरेट हो सके। उक्त प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात माह की 23 तारीख तक वेतन देयक क्रिएटर व डीडीओ लॉगिन में प्रदर्शित हो जाएंगे। संबंधित आहरण-संवितरण अधिकारी द्वारा देयकों का मिलान कर उन्हें समय पर कोषालय में भुगतान हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, जिससे कर्मचारियों को प्रत्येक माह की एक तारीख को वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। यदि किसी स्थिति में आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा वेतन देयक डिस्कार्ड किए जाते हैं, तो देयक में किए गए संशोधन का उचित एवं स्पष्ट कारण दर्ज किया जाना अनिवार्य होगा। वेतन भुगतान में विलंब की स्थिति में सम्पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित डीडीओ का होगा।

34वें कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस मीट 25 में एनटीपीसी विंध्याचल को सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया आउटरीच पुरस्कार से किया गया सम्मानित

जागरण, विन्ध्यनगर । एनटीपीसी विंध्याचल ने 34वें कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस मीट सीसी मीट 25 में सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया आउटरीच् के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संचार उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह प्रतिष्ठित आयोजन मानेसर में आयोजित किया गया। यह पुरस्कार परियोजना की ओर से शंकर सुब्रमणियम वी उप प्रबंधक नैगम संचार ने प्राप्त किया। उन्हें यह सम्मान अनिल कुमार जड़ली निदेशक मानव संसाधन एवं सी. कुमार कार्यकारी निदेशक मानव संसाधन द्वारा के.एम.प्रशांत महाप्रबंधक नैगम संचार तथा बी.के. पांडेय अपर महाप्रबंधक नैगम संचार की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह सम्मान एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा सोशल मीडिया के प्रभावी समावेशी निरंतर एवं समयबद्ध उपयोग को रेखांकित करता है जिसके माध्यम से हितधारकों के साथ सशक्त संवाद स्थापित हुआ है। यह उपलब्धि पारदर्शी प्रभावशाली एवं उत्तरदायी संचार के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है।

अंतरराष्ट्रीय वन मेले में कल्दा की चिरौंजी और वन धन उत्पादों की सशक्त प्रस्तुति

जागरण, पन्ना । म. प्र.राज्य लघुवनोपज सहकारी संघ द्वारा 17 से 23 दिसंबर के बीच भोपाल में अंतरराष्ट्रीय वन मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में पन्ना दक्षिण वनमण्डल के वन धन विकास केंद्र कल्दा द्वारा भी विविध लघुवनोपज आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी। प्रमुख उत्पादों में चिरौंजी, प्राकृतिक शहद, महुआ लड्डू, आंवला आधारित उत्पाद तथा त्रिफला चूर्ण शामिल हैं।

अचार वृक्ष का परिचय : चिरौंजी का वृक्ष, जिसे स्थानीय रूप से अचार कहा जाता है, मध्य भारत के शुष्क पर्णपाती वनों की एक महत्वपूर्ण प्रजाति है। यह वृक्ष धीमी गति से बढ़ता है तथा दीर्घकाल तक फल देता है, जिससे वन आधारित आजीविका को स्थायित्व मिलता है। परंपरागत रूप से चिरौंजी का संग्रह आदिवासी समुदायों के लिए आय का प्रमुख साधन रहा है।

चिरौंजी गिरी का पोषणीय महत्व : एफएसएसएआई मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला परीक्षणों के अनुसार कल्दा की चिरौंजी गिरी में उच्च ऊर्जा मूल्य तथा पर्याप्त प्राकृतिक वसा पाई गई है। रिपोर्ट में ट्रांस फैट और कोलेस्ट्रॉल की अनुपस्थिति दर्शाई गई है, जो इसे स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित बनाती है। प्रोटीन एवं खनिज तत्वों की उपस्थिति के कारण यह एक संतुलित एवं पौष्टिक ड्राई फ्रूट के रूप में उभरती है।

अन्य मेवों से तुलना और विशिष्टता : पोषणीय दृष्टि से चिरौंजी की तुलना बादाम एवं काजू जैसे प्रचलित ड्राई फ्रूट्स से की जाए तो यह ऊर्जा और वसा सामग्री में प्रतिस्पर्धी है। कल्दा क्षेत्र की चिरौंजी अपने विशिष्ट स्वाद, प्राकृतिक सुगंध और कम नमी के कारण अलग पहचान रखती है।

कल्दा वन धन विकास केंद्र की पहल : वर्तमान वर्ष में वन धन विकास केंद्र कल्दा द्वारा चिरौंजी के अचार फल यानी चरवा का संग्रह आदिवासी संग्राहकों से लगभग 170 से 180 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से किया गया। बाद में इसी उपज को निर्माताओं एवं व्यापारियों को 200 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक दर पर विक्रय किया गया। इस पहल से संग्राहकों को बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ और स्थानीय स्तर पर आय संवर्धन संभव हुआ।

कल्दा चिरौंजी का ब्रांड लॉन्च : संग्रह के उपरांत चिरौंजी का डीसीडिंग, सफाई एवं पैकेजिंग कर इसे कल्दा चिरौंजी के रूप में बाजार में भी प्रस्तुत किया गया। इस उत्पाद का औपचारिक शुभारंभ मई 2025 के अंत में ओरछा में आयोजित मध्य प्रदेश वन विभाग की क्षेत्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर किया गया था। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, प्रबंध संचालक राज्य लघुवनोपज सहकारी संघ सहित वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित रहे थे।

संरक्षण एवं विस्तार : चिरौंजी संसाधन के दीर्घकालीन संरक्षण हेतु अचार वृक्ष के रोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत इस वर्ष वनमण्डल अंतर्गत लगभग 6000 पौधों का रोपण किया गया। पोषणीय कटाई नियमों के तहत अप्रैल माह तक चिरौंजी के विदोहन पर प्रतिबंध लागू कर संसाधन संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। इन सभी प्रयासों में कल्दा रेंज ऑफिसर परिवेश सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में वनरक्षक सूर्य प्रताप सिंह बघेल एवं अन्य वनकर्मी, वन धन सचिव जग बहादुर सिंह गोंड एवं वन धन समिति का सराहनीय योगदान रहा।

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर राष्ट्रगान गाने वाले रत्नेश पांडे से पत्रकारों की चर्चा

जागरण, टीकमगढ़। बुधवार को टीकमगढ़ के पत्रकारों का एक दल धार्मिक यात्रा के अंतर्गत मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मैहर पहुंचा, जहां सभी पत्रकारों ने मां शारदा देवी के पावन दर्शन कर प्रदेश और जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। मां शारदा के दर्शन उपरांत पत्रकार दल सतना पहुंचा, जहां सतना के गौरव, पर्वतारोही एवं समाजसेवी रत्नेश पांडे से आत्मीय मुलाकात हुई। इस अवसर पर पत्रकारों और रत्नेश पांडे जी के बीच समाज, युवाओं की भूमिका, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। रत्नेश पांडे ने पत्रकारों का आत्मीय स्वागत किया।

संकल्प हो मजबूत तो शिखर भी झुकता है पांडे : रत्नेश पांडे सतना, मध्य प्रदेश के एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्वतारोही, साहसी खिलाड़ी एवं मोटिवेशनल स्पीकर हैं। वे मध्य प्रदेश के पहले आधिकारिक पर्वतारोही हैं जिन्होंने मई 2016 में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की और शिखर पर भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाकर प्रदेश और देश को ऐतिहासिक गौरव दिलाया। यह विश्व में अपनी तरह का एक दुर्लभ और प्रेरणादायक उदाहरण माना जाता है। रत्नेश पांडे को मध्य प्रदेश का 'माउंटेन मैन' भी कहा जाता है। हाल ही में जुलाई 2025 में उन्होंने लद्दाख क्षेत्र में मात्र तीन दिनों के भीतर 20 हजार फीट से अधिक ऊँचाई की चार चोटियों-ग्यामा कांगरी ईस्ट, कीगर री, यालुंग नोंग-1 एवं यालुंग नोंग-2-पर सफल चढ़ाई कर एक और कीर्तिमान स्थापित किया। पर्वतारोहण के साथ-साथ उनके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी दर्ज है, जिसमें उन्होंने मोटरसाइकिल की सीट पर खड़े होकर 32.3 किलोमीटर तक बाइक चलाने का रिकॉर्ड बनाया। वे सतना स्मार्ट सिटी एवं मध्य प्रदेश स्किल इंडिया मिशन के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। मुलाकात के दौरान रत्नेश पांडे ने कहा कि किसी भी बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन, कठिन परिश्रम और राष्ट्रप्रेम सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि संकल्प मजबूत हो तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

जिले के युवाओं को रत्नेश पांडे का संदेश : वही टीकमगढ़ के युवाओं को संदेश देते हुए रत्नेश पांडे जी ने कहा कि युवा अपने भीतर आत्मविश्वास और साहस पैदा करें। उन्होंने कहा कि खेल, साहसिक गतिविधियों और सकारात्मक सोच से युवा न केवल अपना भविष्य संवार सकते हैं बल्कि जिले और प्रदेश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे और नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहकर लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर टीकमगढ़ से वरिष्ठ पत्रकार राजेश यादव, लोकेन्द्र सिंह परमार एवं ऋषि अवस्थी उपस्थित रहे। सभी पत्रकारों ने इस मुलाकात को सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया। पत्रकारों ने कहा कि इस तरह की मुलाकातें अनुभव साझा करने के साथ-साथ पत्रकारिता को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक होती हैं।

रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा के लिए 22 दिसम्बर को निःशुल्क बस से खजुराहो रेलवे स्टेशन रवाना होंगे तीर्थ यात्री

जागरण, पन्ना । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत पन्ना जिले के चयनित तीर्थ यात्रियों को आगामी 22 दिसम्बर को रामेश्वरम-मदुरई की सात दिवसीय तीर्थ यात्रा के लिए कलेक्ट्रेट पन्ना से सुबह बस के माध्यम से निःशुल्क खजुराहो रेल्वे स्टेशन तक भेजा जाएगा। गत दिवस जिले के 250 तीर्थ यात्रियों का लॉटरी के जरिए चयन किया गया था। इसमें पन्ना तहसील के 164, देवेन्द्रनगर के 22, गुनौर के 32, अमानगंज एवं सिमरिया के 11-11 तथा शाहनगर तहसील के 10 तीर्थ यात्री शामिल हैं। 22 दिसम्बर को शाहनगर एवं सिमरिया के तीर्थ यात्री सीधे खजुराहो रेल्वे स्टेशन पहुंचेगे, जबकि शेष तहसील के यात्रियों को कलेक्ट्रेट से रवाना किया जाएगा। रामेश्वरम-मदुरई ट्रेन खजुराहो से सुबह 11 बजे रवाना होगी। तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए अनुरक्षकों की ड्यूटी भी निर्धारित की गई है। इसके अलावा यात्रियों की सुरक्षा के लिए सहायक उप निरीक्षक जौहर वर्मा एवं देवेन्द्र नायक तथा प्रधान आरक्षक राकेश सोनी, संजय पटेरिया एवं रामसुहावन पटेल की ड्यूटी भी लगाई गई है। चयनित तीर्थ यात्री द्वारा यात्रा में प्रस्थान न करने की स्थिति में अन्य किसी व्यक्ति को ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। यात्रा में तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम की तैनाती भी की गई है।

शहर के पार्क एवं प्रमुख चौराहों के सौदर्यीकरण हेतु औद्योगिक कम्पनियों को सौंपा जाएगा दायित्व : बैनल

सभी एजेंसियां अपने निर्धारित कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार दिए गए दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ करें पालन

जागरण, वैढ़न

कलेक्टर गौरव बैनल के अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगरीय क्षेत्र में संचालित विभिन्न कार्यो के प्रगति की जानकारी से कलेक्टर को अवगत कराया गया। जानकारी प्राप्त करने के पश्चात कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन कि रैकिंग में नगर निगम सिंगरौली का प्रदर्शन बेहतर रहा है कितु अभी कई पैरामीटरो में कार्य करने की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत मिशन की रैकिंग के सुधार हेतु अपशिष्ट पृथक्करण एवं निपटान सहित शहर का सौदर्यीकरण करने की विशेष आवश्यकता है। कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत अनुबंध एजेसिंयो के कार्य के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुयें निर्देश दिए कि एजेंसियों द्वारा अनुबंध का सही तरीके पालन नही किया जा रहा है। उन्होने निर्देश दिए कि एजेंसियो के द्वारा किए जा रहे कार्यो के नोडल अधिकारी नगर निगम कमिश्नर द्वारा नियुक्त किया जाये एवं इन कार्यो का नियमित रूप से कार्य स्थल पर पहुचकर मानीटरिग की जायें। सभी एजेसिया यह सुनिश्चित करे कि उनके द्वारा किए जा रहे कार्यो की प्रगति सात दिवस में जमीनी स्तर पर दिखे। एजेसियो द्वारा स्वच्छ भारत मिशन मे किये जा रहे कार्यो का कन्सल्टेसी नियमित रूप से एमआईएस पोर्टल में दर्ज किया जायें इसी के साथ किसी भी प्रकार की प्रगति में कमी आने पर संबंधित एजेसी के द्वारा किए अनुबंध के आधार पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जायेगी। बैठक के दौरान कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुयें कहा कि शहर की साफसफाई व्यवस्था उचित ढंग से नही की जा रही है आए दिन इसके संबंध में शिकायते प्राप्त हो रही है। संबंधित सीटाडेल एजेसी वार्डो में कचरा वाहनो को समय पर भेजकर कचरा उठाव कराना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने अभियान के प्रचार प्रसार हेतु नियुक्त एजेंसी को निर्देश दिए कि आईईसी गतिविधियों का प्राथमिकता के साथ नगर निगम क्षेत्रो में संचालन किया जाना सुनिश्चित करे इन गतिविधियों में होटल एसोसिएसन व्यापारी संगठन एनजीओ औद्योगिक संस्थाओ छात्र छात्राओ को शामिल कर स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति संवेदीकरण किया जायें।इन गतिविधियों का योजनाबंद्ध क्रियान्वन किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त करे। साथ ही मेडिकल वेस्ट खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जिले में ही आवश्यक व्यवस्थाए किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर सर्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय की बेहतर साफ सफाई व्यवस्था हेतु नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि शौचालयो की नियमित रूप से साफ सफाई की जायें तथा यह सुनिश्चित करे कि सामुदायिक शौचालय समय पर खुले इसकी निगरानी हेतु सभी वार्डो में सहायक यंत्रियों को जिम्मेदारी सौपे। कलेक्टर ने कहा कि शहर के प्रमुख चौराहो एवं पार्को की सौदर्यीकरण हेतु जिले में संचालित औद्योगिक कम्पनियो को जिम्मेदारी सौपी जाये साथ ही मुड़वानी डैम जैसे टूरिस्ट प्वाईटो का चयन कर उनमे सौदर्यीकरण का कार्य कर विकशित किया जायें। बैठक के अंत में कलेक्टर ने कहा कि नगर निगम सिंगरौली को स्वच्छता मिशन की रैकिंग में अव्वल बनाने के लिए सभी विषयो पर उत्तम कार्य करने के साथ साथ क्षेत्र की जनता में कचरा प्रबंधन हेतु जगरूकता लाने की आवश्यकता है जिसके लिए हम सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। बैठक के दौरान नगर निगम के कार्यपालन यंत्री संतोष पाण्डेय उपायुक्त आरपी बैस स्वास्थ्य अधिकारी बीएल चतुर्वेदी सहायक आयुक्त ज्योती सिंह रूपाली द्विवेदी सहित नगर निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत ने 24 उपयंत्रियों को जारी किया कारण बताओ नोटिस

जागरण वैढ़न। मनरेगा योजनान्तर्गत पुराने वित्तीय वर्षों के अपूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र जारी न करने एवं जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को पूर्ण न कराये जाने के कारण जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश कुमार गोमे द्वारा जनपद पंचायत के 24 उपयंत्रियों को कार्य पूर्णता में प्रगति लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। सीईओ श्री गोमे द्वारा जनपद पंचायत बैढ़न में पदस्थ उपयंत्री चन्दन सिंह जोर सिंह राकेश शाह संजय वर्मा अवधेश शर्मा ऋतुराज शुक्ला सोनल श्रीवास्तव रविंद्र चड़ार रंजीत कुमार का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सीईओ श्री गोमे ने जनपद पंचायत देवसर में पदस्थ उपयंत्री अभिषेक विश्वकर्मा सतीश पटेल विनोद मिश्रा विवेक कृष्ण तिवारी राजकुमार द्विवेदी सुमित वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होने जनपद पंचायत के चितरंगी के उपयंत्री अम्बिका मिश्रा ओम प्रकाश सिरोठिया तोषण सिंह रवि प्रकाश सिंह संजय सिंह रजनीश जयसवाल संजय ताम्रकार मुकेश पटेल मनोज वर्मा को करण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सचिव निलंबित, रोजगार सहायक को संविदा समाप्ति की नोटिस

जागरण, वैढ़न। गत 16 को उत्तरप्रदेश से वापस लौटते समय झरकटा घाट में सड़क दुर्घटना में ग्राम पंचायत गेरूई के ग्राम बगडेवा के 4 श्रमिकों के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 श्रमिकों की मौके पर मृत्यु हो गई एवं 1 श्रमिक घायल है। दुर्घटनाग्रस्त 4 श्रमिकों के सम्बल योजना अंतर्गत परीक्षण में पाया गया की 2 श्रमिकों के सम्बल पंजीयन कार्ड ग्राम पंचायत के सचिव श्रीमती पिंकी सिंह द्वारा नहीं बनाये जाने के कारण श्रमिक दुर्घटना सहायता राशि से वंचित हो गए। जिसे गंभीरता पूर्वक लेते हुयें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश कुमार गोमे के द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए गेरुई पंचायत सचिव पिंकी सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर मुख्यालय जनपद पंचायत चितरंगी नियत किया गया है।

राजभाषा अनुभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा

एनटीपीसी-विंध्याचल में सम्पन्न हुई 87वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

जागरण, विन्ध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के प्रशासनिक भवन सीवी रमन सभागार में आज मानव संसाधन राजभाषा अनुभाग द्वारा 87 वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस समिति का मुख्य कार्य परियोजना के अंतर्गत विभागों/अनुभागों मे राजभाषा अधिनियमध्नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करना एवं अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही की इस दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा कर आगे की कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन करना है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की यह बैठक परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा ने राजभाषा अनुभाग द्वारा हिंदी के प्रचार.प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की एवं हिंदी मे उत्कृष्ट कार्य कर रहें कर्मचारियों को प्रोत्साहन के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया। बैठक के आरंभ मे सर्वप्रथम परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण एजे राजकुमार महाप्रबंधक मेंटीनेंस एवं एडीएम एम सुरेश महाप्रबंधक चिकित्सा डॉ. बी.के.भराली महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएँ देबव्रत त्रिपाठी अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन श्रीमती मृणालनी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन श्रीमती कामना शर्मा प्रबंधक राजभाषा एनटीपीसी रिहंद पवन मिश्रा अन्य अपर महाप्रबंधकगण एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नोडल अधिकारियों का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान राजभाषा अनुभाग की विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी व विगत बैठक के दौरान लिए गए विभिन्न निर्णयों की वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया। अंत में बैठक का समापन सहायक राजभाषा अधिकारी कल्याण सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

जेपी अमेलिया नॉर्थ कोल माइंस मझौली प्रबंधन ने 26 लोगों का किया प्रमोशन

संगठन ने अध्यक्ष मनोज गौड़ तथा संचालक सुरेंद्र जैन का जताया आभार

जागरण वैढ़न। सिंगरौली अमिलिया नॉर्थ कोयला खदान कर्मचारी ट्रेड यूनियन कांग्रेस मझौली जिला सिंगरौली के महामंत्री नरेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि जे पी अमिलिया नॉर्थ कोल माइंस मझौली प्रबंधन संगठन के संरक्षक अध्यक्ष विद्यासागर बैस तथा महामंत्री नरेंद्र प्रसाद मिश्रा के लगातार प्रयास पर जे पी ग्रुप के अध्यक्ष मनोज गौड़ नई दिल्ली के निर्देशन पर तथा डायरेक्टर सुरेंद्र जैन के नेतृत्व तथा महाप्रबंधक मानव संसाधन नीरज श्रीवास्तव एवं यतेंद्र खरे के मार्गदर्शन पर संगठन के साथ आयोजित बैठक में श्रमिकों की समस्याओं को लेकर विगत कई माह से चर्चा लगातार निराकृत हेतु चल रही थी जो पहले लिस्ट में 26 श्रमिकों का प्रमोशन दिया गया तथा क्रमशः आगे श्रमिकों के कल्याण हेतु प्रमोशन सूची तैयार की जा रही है साथ ही संगठन और प्रबंधन के बीच में सौहार्दपूर्ण वातावरण में कोल माइंस के डायरेक्टर सुरेंद्र जैन के दिशा निर्देश पर स्थानीय प्रबंधन यूनिट हेड जे एस थापा एवं नीरज श्रीवास्तव तथा यतेंद्र खरे के द्वारा उदारता पूर्ण की गई कार्यवाही पर संगठन वरिष्ठ नेतृत्व को आभार जताया है। संगठन के महामंत्री नरेंद्र प्रसाद मिश्र ने प्रबंधन से अपेक्षा की गई है कि जहां 700 कर्मचारी लगभग 12.-13 वर्ष से कार्यरत है वह अभी स्थाई दर्ज प्राप्त होने का राह देख रहे हैं। संस्थान प्रबंधन से अनुरोध किया गया है कि सभी श्रमिकों को कंपनी में स्थाई श्रमिक का दर्जा प्रदान किया जाए एवं शीघ्र प्रमोशन करने की आगे की सूची जो बनाई गई है उसे जारी किया जाए। जेपी अमेलिया नॉर्थ कोल माइंस के यूनिट हेड के साथ-साथ जे पी ग्रुप के अध्यक्ष मनोज गौड़ एवं डायरेक्टर सुरेंद्र जैन द्वारा जो उदारता पूर्वक परिचय दिया है उसका संस्थान में के पदाधिकारी विद्यासागर बैस नरेंद्र प्रसाद मिश्रा लाल कुमार बैस राम दरस बैस लवलेश बैस सुरेंद्र कुमार बैस जयप्रकाश बैस शिवनारायण बैस तुलसीदास तिवारी अशोक कुमार बैस श्याम बिहारी बैस सुनील कुमार बैस राजकुमार बैस राम दिनेश बैस इंद्रजीत कुमार बैस के साथ-साथ दर्जन पदाधिकारी ने आभार व्यक्त किया है।

कार्यशाला से सभी में हिंदी के प्रति बढ़ेगी अभिरुचि : साहा

एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन

जागरण, विन्ध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल में राजभाषा अनुभाग द्वारा परियोजना के प्रशासनिक भवन के सीवी रमन सभागार में आज वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान संकाय सदस्य के रूप में प्रबन्धक राजभाषा एनटीपीसी रिहंद पवन मिश्रा उपस्थित रहे। सर्वप्रथम कार्यशाला में मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिनंदन किया गया। परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीव कुमार साहा नें अपने उद्बोधन में कार्यशाला की प्रशंसा करते हुये कहा कि इस कार्यशाला से हम सभी को कार्यालयीन काम-काज को करने में सहायता मिलेगी। श्री मिश्रा द्वारा बताए गए दैनिक कार्यों मे हिंदी के प्रयोग से संबंधित जानकारी से हमारी परियोजना को लाभ मिलेगा । साथ ही उन्होने यह भी कहा कि यह विशेष हिंदी कार्यशाला हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु बहुत ही उपयोगी है और इस तरह की कार्यशाला से हम सभी मे हिंदी के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी। कार्यशाला के दौरान संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित प्रबन्धक राजभाषा एनटीपीसी रिहंद श्री पवन मिश्रा ने हिंदी को राजभाषा बनाने हेतु संघर्ष एवं इतिहास कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग राजभाषा का महत्व आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख विंध्याचल संजीब कुमार साहा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण ए जे राजकुमार महाप्रबंधक मेंटेनेंस एवं एडीएम एम.सुरेश महाप्रबंधक चिकित्सा डॉ.बी.के. भराली महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएँ देबव्रत त्रिपाठी एवं अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन श्रीमती मृणालिनी उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन श्रीमती कामना शर्मा के साथ-साथ सभी विभागों के विभागाध्यक्ष अपर महाप्रबंधकगण राजभाषा विभागीय प्रतिनिधिगण यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

बिहार मुख्यमंत्री का हाथ संविधान पर होना चाहिए किसी महिला के हिजाब पर एवं घूंघट पर नहीं : सुदामा

मुस्लिम महिला का हिजाब खींचकर अपमान करने के संबंध में पिछड़ा वर्ग कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

जागरण, वैढ़न। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग जिला सिंगरौली के अध्यक्ष सुदामा प्रसाद कुशवाहा एवं संगठन मंत्री अधिवक्ता उसैद हसन सिद्दीकी ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि बिहार के मुख्यमंत्री ने एक मुस्लिम महिला का हिजाब खींचकर अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय कार्य किया है। इस घटना से न केवल मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं बल्कि पूरे देश की महिलाओं का अपमान किया गया है जिससे आम देश के जनमानस में आक्रोश है। बिहार का मुख्यमंत्री अपनी मर्यादा तोड़े तो आम जनता किस से इंसाफ मांगने जाएगी मुख्यमंत्री का हाथ संविधान पर होना चाहिए किसी महिला के हिजाब एवं घूंघट पर नहीं मुख्यमंत्री का यह कार्य उनकी मानसिक स्थिति और भारतीय सभ्यता और संस्कृति के प्रति उनकी अनभिज्ञता को दर्शाता है एक मुख्यमंत्री को इस तरह का कार्य करना शोभा नहीं देता है इस घटना की घोर निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि बिहार के मुख्यमंत्री तुरंत अपने इस कार्य के लिए माफी मांगें अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो आने वाले समय में एक बड़ा आंदोलन करने के लिए आम जन मानस मजबूर होंगे। संविधान के दायरे में रहकर अपनी आस्था और भावना को व्यक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मामले में उचित कार्रवाई करेंगे और हमारी भावनाओं का सम्मान करेंगे उक्त अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राम शिरोमणि शाहाबाल पूर्व जिला अध्यक्ष ग्रामीण ज्ञानेंद्र द्विवेदी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक शाह किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज दुबे वरिष्ठ कांग्रेसी अनिल सिंह पार्षद शेखर सिंह पार्षद अनिल वैश्य पार्षद रामगोपाल पाल मो.शाहिद खान रिंकू सुदामा प्रसाद साकेत एडवोकेट विद्या प्रसाद शाह एडवोकेट अशोक कुशवाहा रामकुमार शाह आईटी सेल रामनिवास तिवारी घनश्याम शाह एडवोकेट डी पी सिंह कुंदन पांडेय बृजेंद्र शर्मा मोहित कुशवाहा उपस्थित रहे।

एनसीएल की दूधीचुआ जयंत अमलोरी एवं कृष्णशिला परियोजना ने सीएसआर के तहत ज़रूरतमंदों में बांटे कंबल

1100 लोग हुए लाभान्वित

जागरण, सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एनसीएल की दूधीचुआ जयंत अमलोरी एवं कृष्णशिला परियोजनाओं ने निगमित सामाजिक दायित्व सीएसआर के तहत जरूरतमंदों को निशुल्क कंबल वितरण किया। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान सभी परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारीए स्थानीय पार्षद सीएसआर टीम व अन्य उपस्थित रहे। एनसीएल परियोजनाओं द्वारा यह कार्य सिंगरौली परिक्षेत्र में बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए राहत प्रदान करने हेतु किया गया। एनसीएल दूधीचुआ परियोजना द्वारा वार्ड क्र. 13 एवं 19 जयंत परियोजना द्वारा वार्ड क्र. 17 अमलोरी परियोजना द्वारा संविदाकर्मियों को एवं कृष्णशिला परियोजना द्वारा ग्राम कोहरोल व कोहरौलिया में कंबल वितरण किया गया। इस दौरान कुल 1100 लोग लाभान्वित हुए। गौरतलब है कि एनसीएल कि सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा स्थानीय परिक्षेत्र में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए ज़रूरतमन्द लोगों को सर्दी के प्रकोप से बचाने हेतु विभिन्न स्थानों पर कंबल बांटे जा रहे हैं।

एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा ग्राम-चरगोड़ा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

विन्ध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल ने अपनी सीएसआर पहलों के अंतर्गत आज ग्राम चरगोड़ा में वर्ष का पाँचवाँ ग्राम स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस शिविर के माध्यम से आसपास के ग्रामीण समुदायों को सुलभ समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता पुनः उजागर हुई। स्वास्थ्य शिविर में कुल 411 पंजीकरण दर्ज किए गए जिनमें 176 पुरुष 208 महिलाएँ एवं 27 बच्चे शामिल रहे। यह आँकड़े सामाजिक रूप से समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एनटीपीसी के केंद्रित प्रयासों को दर्शाते हैं। शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट से डॉ.सनी कपूर एवं डॉ. ज्योति सिंह सहित विंध्याचल अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने सेवाएँ प्रदान कीं जिनमें डॉ.मयूराक्षी भराली प्रबंधक चिकित्सा डॉ.भागवत सिंह लोधी उप प्रबंधक चिकित्सा डॉ लवकुश पांडेय अधिकारी चिकित्सा के साथ सुश्री सविता पटेल एवं अस्पताल स्टाफ शामिल थे। इस अवसर पर माहताब आलम उप महाप्रबंधक सीएसआर/आरएंडआर ने भी उपस्थिति दर्ज कराते हुए शिविर के समन्वय एवं प्रभावी संचालन की निगरानी की।

अधिकारियों एवं खदानकर्मियों ने ली सुरक्षा के साथ काम करने की शपथ

सुलियरी कोयला खदान में मनाया गया वार्षिक सुरक्षा सप्ताह

जागरण, वैढ़न। सरई तहसील अन्तर्गत आंध्रप्रदेश मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एपीएमडीसी के सुलियारी कोयला खदान में वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह 25 उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए खदान के अधिकारियों ने बताया कि सुलियारी खदान में विगत वर्ष बिना किसी घटना के सुरक्षित तरीके से कोयला उत्पादन का कार्य संपन्न हुआ है और प्रबंधन घटना मुक्त बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है। खदान सुरक्षा निदेशालय डीजीएमएस वाराणसी जोन के तत्वावधान में खदान व अन्य विभागों के पदाधिकारियों ने दिन और रात में सुरक्षा एवं बचाव से सम्बन्धित कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। इस मौके पर 17 सदस्यीय पर्यवेक्षक दल के विभिन्न सदस्यों ने सुरक्षा से सम्बन्धित बहुमूल्य सुझाव दिये और नए खदान के बावजूद सुलियारी खदान में बचाव से सम्बन्धित किये गए उपायों को जमकर सराहा। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन सफल एपीएमडीसी एवं अदाणी समूह एमडीओ की सुरक्षित टिकाऊ और सामाजिक रूप से जिम्मेदार खनन कार्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ध्वजारोहण के बाद सुरक्षा सप्ताह के पखवाड़े भर चलने वाले कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया जिसमें सुरक्षा संस्कृति और सर्वोत्तम प्रथाओं को सुदृढ़ करने के लिए सप्ताह भर में आयोजित होने वाली सुरक्षा कार्यशालाओं मॉक ड्रिल प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना कभी भी घट सकती है लेकिन इस बदलते परिवेश में सुरक्षा ज्ञान के सहारे कर्मी अपना बचाव कहीं भी कर सकते हैं। साथ ही ड्यूटी के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने को अनिवार्य बताया। इस दौरान खान सुरक्षा एवं जागरूकता से सम्बन्धित कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। उद्घाटन कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों का पारंपरिक स्वागत ज्योति प्रज्वलन सुरक्षा शपथ वृक्षारोपण अभियान और वृक्ष प्रत्यारोपण मशीन का उपयोग करके जीवित वृक्ष प्रत्यारोपण का प्रदर्शन शामिल था जो पर्यावरण संरक्षण पर खदान के विशेष ध्यान को दर्शाता है। सुलियारी कोयला खदान के संचालन पर एक प्रस्तुति दी गई जिसमें कोयला उत्पादन में इसकी अहम भूमिका सुरक्षित खनन पद्धतियों और सामुदायिक विकास पहलों को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे आदिवासी कलाकारों ने अपने नृत्य के जरिये दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में सुलियारी कोल ब्लॉक के विस्थापितों के लिए बनाए गए पुनर्वास कॉलोनी स्थित डीएवी स्कूल एवं आसपास के शासकीय विद्यालयों के छात्र.छात्राएं उपस्थित होकर अपने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिये दर्शकों को आकृष्ट किया। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत से अतिथियों का अभिवादन किया एवं सुरक्षा से सम्बन्धित गीत और नृत्य के जरिये सुरक्षा अपनाने का संदेश दिया। इन स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए सुरक्षा संबंधी नुक्कड़ नाटक गीत सांस्कृतिक नृत्य के जरिये दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने चित्रकारी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर सुरक्षा जागरूकता के सशक्त संदेश फैलाए। स्कूली बच्चों को इस अवसर पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर एपीएमडीसी एवं अदाणी समूह के तरफ से कई अधिकारी कर्मचारी एवं खदानकर्मी मौजूद रहे। गौरतलब है कि सुलियारी कोयला खदान का माइनिंग और डेवलपमेंट की जिम्मेदारी अदाणी ग्रुप की है। आयोजित इस वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह 25 के दौरान बजौड़ी गांव में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अदाणी फाउंडेशन की टीम ने बुनियादी अग्निशमन तकनीकोंए जिनमें होज़ पाइप को संभालना और आग बुझाने के सुरक्षित तरीके शामिल थेए के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का संचालन किया। कार्यक्रम में कुल 74 प्रतिभागियों ने भाग लियाए जिनमें इस गांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के छात्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्वयं.सहायता समूहों के सदस्य और स्थानीय ग्रामीण शामिल रहे। कार्यक्रम के आखिर में जहां खदान में उत्कृष्ट कार्य हेतु कर्मियों को पुरस्कार दिया गया वहीं स्कूली छात्राओं को भी उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

ग्रीन और अनकैप्ड खिलाड़ियों का दबदबा

फ्रेंचाइजियों द्वारा खरीदे गए 32 खिलाड़ियों की उम्र 25 साल से कम, इसमें से 29 भारतीय खिलाड़ी

जेएनएन, नई दिल्ली

अबू धाबी में हुई आईपीएल 2026 की नीलामी में 10 फ्रेंचाइजियों ने मिलकर 29 विदेशी खिलाड़ियों पर 128.05 करोड़ रुपए खर्च किए। 48 भारतीय खिलाड़ियों के लिए 87.40 करोड़ रुपए खर्च किए गए। खास बात ये रही कि इस 87.40 करोड़ रुपए का अधिकांश हिस्सा अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों के पास गया। फ्रेंचाइजियों ने केवल नौ कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को खरीदा, जिसमें से छह उन्हें बेस प्राइस पर मिले। इनमें से पांच की बेस प्राइस तो केवल 75 लाख रुपए ही थी। आकाश दीप केवल एक करोड़ की बेस प्राइस पर थे। फ्रेंचाइजियों द्वारा खरीदे गए 32 खिलाड़ियों की उम्र 25 साल से कम थी और इसमें से 29 भारतीय खिलाड़ी हैं। 20 खिलाड़ियों की उम्र 30 या उससे अधिक थी और इसमें केवल तीन वेंकटेश अय्यर, राहुल त्रिपाठी और प्रवीण दुबे ही भारतीय थे। 26 या उससे अधिक उम्र वाले केवल तीन भारतीय खिलाड़ियों को ही उनकी बेस प्राइस का कम से कम दोगुना रकम मिला है। राहुल चाहर और अय्यर इसमें कैप्ड और आकिब नबी अनकैप्ड खिलाड़ी रहे। नीलामी में बिकने वाले त्रिपाठी सबसे अधिक उम्र वाले खिलाड़ी रहे और वह केवल डेविड मिलर से पीछे रहे जो इस नीलामी में बिकने वाले 35 या उससे अधिक की उम्र वाले इकलौते खिलाड़ी रहे। ये दोनों ही खिलाड़ी अपनी बेस प्राइस पर बिके हैं। 30 या उससे अधिक उम्र वाले 20 में से 13 खिलाड़ी अपनी बेस प्राइस पर बिके तो वहीं केवल छह खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्हें बेस प्राइस के दोगुने से अधिक की रकम मिली है। इन 20 में से 17 खिलाड़ी विदेशी थे और 11 को बेस प्राइस पर खरीदा गया। इन खिलाड़ियों में सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाले खिलाड़ी लियम लिविंगस्टन रहे, जिन्हें 13 करोड़ रुपए में सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा। यह उनकी बेस प्राइस का 6.5 गुना अधिक था, लेकिन वह पहले राउंड में अनसोल्ड रहने के बाद एक्सीलेटर राउंड में बिके थे।

किस टीम ने कितनी राशि खर्च की

टीम	खर्च राशि	शेष राशि
चेन्नई	122.60	02.40
दिल्ली	124.65	00.35
गुजरात	123.05	01.95
कोलकाता	124.55	00.45
लखनऊ	120.45	04.55
मुंबई	124.45	00.55
पंजाब	121.50	03.50
राजस्थान	122.35	02.65
बेंगलुरु	124.75	00.25
हैदराबाद	119.55	05.45

राशि करोड़ रुपए में

पहली बार किसी खिलाड़ी को दो 17 करोड़ से अधिक मिले

कैमरन ग्रीन ने आईपीएल नीलामी में डेब्यू 2023 में किया था। उस समय मुंबई इंडियंस ने उन्हें 17.5 करोड़ रुपए में खरीदते हुए लगभग लीग इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी ही बना दिया था। वह सैम करन से पीछे रहे थे, जो उसी नीलामी में 18.25 करोड़ रुपए में बिके थे। मंगलवार को एक बार फिर उन्होंने सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए। इस बार उन्हें 25.20 करोड़ रुपए की राशि मिली, जिससे वह लीग के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए और साथ ही वह तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी भी बने हैं। इससे पहले किसी अन्य खिलाड़ी को 17 करोड़ या उससे अधिक की राशि दो बार नहीं मिली है। उनके सबसे करीब पैट कमिंस हैं, जिन्होंने दो बार 15 करोड़ रुपए से अधिक हासिल किया है। 20.5 करोड़ हैदराबाद से और 15.5 केकेआर से। मथीशा पतिराना दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे जिन्हें केकेआर ने 18 करोड़ रुपए दिए और यह अब तक किसी श्रीलंकाई क्रिकेटर को मिली सबसे बड़ी राशि है। इससे पहले एक बार ऐसा हुआ था जब किसी श्रीलंकाई क्रिकेटर ने 10 करोड़ या उससे अधिक की राशि हासिल की थी जब वानिंदु हसरंगा को 2022 में 10.75 करोड़ रुपए में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खरीदा था। पतिराना के लिए खर्च की गई राशि विशेषज्ञ गेंदबाज को मिली संयुक्त रूप से दूसरी सबसे बड़ी राशि भी है। मिचेल स्टार्क इस मामले में सबसे आगे हैं जिन्हें 2024 में केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था।

पहली बार सीएसके ने खर्च की भारी रकम

सीएसके शायद ही कभी ऐसी टीम रही है, जो नीलामी में भारी खर्च करे। अपने पूरे इतिहास में उन्होंने 10 करोड़ या उससे ज्यादा की सिर्फ चार खरीदें की हैं और 2022 से हर साल एक ऐसी खरीद देखने को मिली है, लेकिन इस बार उन्होंने उस रवैये को एक तरफ रख दिया और दो खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर एक समान 14.20 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। इससे पहले सिर्फ एक बार उन्होंने किसी खिलाड़ी पर इससे ज्यादा रकम लगाई थी जो 2023 में बेन स्टोक्स के लिए 16.25 करोड़ रुपए की बोली थी। उन्होंने किसी भारतीय खिलाड़ी पर 10 करोड़ से ज्यादा खर्च किया था, जब 2022 में दीपक चाहर को उन्होंने 14 करोड़ रुपए में खरीदा था। वीर और कार्तिक दोनों ने अभी तक आईपीएल में डेब्यू नहीं किया है, जिससे उनके लिए दिखी मांग और भी ज्यादा प्रभावशाली लगती है। मंगलवार को ये ही दो खिलाड़ी थे जिन पर पांच अलग-अलग फ्रेंचाइजियों ने बोली लगाई, जबकि पांच अन्य खिलाड़ियों पर चार-चार टीमों ने दिलचस्पी दिखाई।

कम उम्र में बड़ी रकम पाने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	साल	उम्र	टीम	राशि
कार्तिक शर्मा	2026	19 साल 23 दिन	चेन्नई	14.20
प्रशांत वीर	2026	20 साल 22 दिन	चेन्नई	14.20
कैमरन ग्रीन	2023	23 साल 203 दिन	मुंबई	17.50
इशान किशन	2022	23 साल 209 दिन	मुंबई	15.25
हैरी ब्रूक	2023	23 साल 303 दिन	हैदराबाद	13.25

भारत सीरीज में 2-1 से आगे

घने कोहरे के कारण चौथा टी-20 मैच रद्द

लखनऊ, जेएनएन। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच बुधवार को खराब दृश्यता के कारण रद्द कर दिया गया, जब घने कोहरे की एक परत ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया, जिससे सर्दियों के महीनों में उत्तरी भारत में मुकाबले कराने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यक्रम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूरी सीरीज के लिए नवंबर और दिसंबर के दौरान न्यू चंडीगढ़, धर्मशाला, लखनऊ, रांची, रायपुर, विशाखापत्तनम, कटक, अहमदाबाद, गुवाहाटी और कोलकाता को आयोजन स्थल के तौर पर चुना गया था। यह वह समय होता है जब लखनऊ, न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला जैसे मेजबान शहरों में प्रदूषण का स्तर आमतौर पर सबसे खराब होता है। भारत का अब बिना हार के लगातार 15 टी-20 सीरीज होना तय है। फिलहाल भारत सीरीज मे 2-1 से आगे है। इस सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला शुक्रवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय आधिकारिक तौर पर अत्यधिक कोहरे के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया, लेकिन सच्चाई यह थी कि प्रदूषण और कोहरे की एक मोटी चादर ने इकाना स्टेडियम को घेर लिया था जिससे दृश्यता बहुत कम हो गई थी। बुधवार को लखनऊ में वायु गुणवत्ता सूचकांत (एक्यूआई) 400 से ऊपर खतरनाक स्तर में रहा जिससे खिलाड़ियों के कल्याण के प्रति बीसीसीआई की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मैच से पहले भारतीय टीम के वार्म-अप के दौरान प्रदूषण से बचने के लिए सर्जिकल मास्क पहने देखा गया। शाम सात बजे शुरू होने वाला मैच आखिरकार छठे निरीक्षण के बाद रात साढ़े नौ बजे रद्द कर दिया गया।

टी-20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे बर्न्स, मैडसेन बने इटली के कप्तान

रोम, जेएनएन। इटली को पहली बार टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई कराने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज जो बर्न्स भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाली प्रतियोगिता में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उपलब्धता से संबंधित समस्या उनके और इटली क्रिकेट महासंघ के बीच हुए अनुबंध में बाधा बन रही है। महासंघ ने 36 साल के बर्न्स की जगह वेन मैडसेन को कप्तान नियुक्त किया है। बर्न्स ने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद अनिवार्य कूलिंग ऑफ अवधि पूरी करने के बाद पिछले साल इटली की तरफ से पदार्पण किया था। उन्हें इस साल के शुरू में इटली का कप्तान नियुक्त किया गया था। उनकी कप्तानी में ही इटली क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में खेला था। महासंघ ने बयान में कहा, पिछले कुछ सप्ताह में उनकी उपलब्धता को लेकर बातचीत में पूर्ण सहमति नहीं बन पाई, जिसके कारण उन्होंने अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए। उनके स्थान पर वेन मैडसेन को कप्तान नियुक्त किया गया है।

एशेज सीरीज तीसरा टेस्ट: 94 पर चार विकेट गंवा चुकी ऑस्ट्रेलिया को स्कोर 326/8

एलेक्स कैरी के करियर का तीसरा शतक, स्मिथ की जगह अंतिम समय में उतरे ख्वाजा की बड़ी पारी

एडिलेड, जेएनएन। विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी (106 रन) के करियर के तीसरे शतक और स्टीव स्मिथ की जगह अंतिम समय में टीम में शामिल उस्मान ख्वाजा की 82 रन की लाजवाब पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुरुआती झटकों से उबरकर आठ विकेट पर 326 रन बनाए। कैरी ने अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए ऐसे समय में क्रीज पर कदम रखा, जब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 94 रन था। इससे पहले ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटकों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अनुभवी बल्लेबाज को उनके 39वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण बाहर हो जाने से जल्दबाजी में टीम में शामिल किया गया। ख्वाजा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। जब वह पांच रन पर खेल रहे थे तब उन्हें जीवनदान मिला। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाकर मार्नस लाबुशेन (19) के साथ 61 रन की और कैरी के साथ 91 रन की दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई। कैरी ने जोश इंग्लिश (32) के साथ 59 रन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस (13) के साथ 50 रन की साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने के समय मिशेल स्टार्क 33 रन पर खेल रहे थे, जबकि नाथन लियोन ने अभी अपना खाता नहीं खोला है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और स्पिनर विल जैक्स ने दो-दो विकेट हासिल किए हैं।

- कैरी का यह पहला एशेज शतक था। यह पारी भावुक रही, क्योंकि उन्होंने इसे अपने पिता गॉर्डन को समर्पित किया, जिनका सितंबर में ल्यूकेमिया से निधन हो गया था।
- दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने सिडनी के बोंडी बीच पर हुए हमले में मारे गए 15 लोगों और घायल लोगों के सम्मान में काली पट्टी बांधी। यह हमला हनुकाह की शुरुआत का जश्न मना रहे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था।
- एडिलेड ओवल में पहले दिन 56,298 दर्शकों की भीड़ उमड़ी, जो एक रिकॉर्ड है।

सात्विक-चिराग ने शानदार वापसी कर वेड़ केंग और चैंग की जोड़ी को हराया

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट

हांगझोउ, जेएनएन। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप-बी के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग और वैंग चैंग की चीन की ओलंपिक रजत पदक विजेता जोड़ी को तीन गेम चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। सात्विक और चिराग की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने और मैच प्वाइंट बचाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की चीन की जोड़ी को 12-21, 22-20, 21-14 से हराया। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अगले मुकाबले में गुरुवार को फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी की इंडोनेशिया की जोड़ी से भिड़ेगी और इस मुकाबले के भी काफी कड़ा होने की उम्मीद है। सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने इससे पहले लियांग और वैंग के खिलाफ तीन मैच जीते थे, जबकि सात गंवाए थे, लेकिन बुधवार को भारतीय जोड़ी ने महत्वपूर्ण लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

दोनों जोड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों जोड़ियां 7-7 से बराबर थी। चीन की जोड़ी ने लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक मजबूत बढ़त बना ली। वैंग ने नेट पर शानदार खेल दिखाया, जिससे चीन की जोड़ी 14-9 से आगे हो गई और फिर उसे पहला गेम 13 मिनट में जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी की शुरुआत खराब रही, जिससे लियांग और वैंग ने पहले 2-4 और फिर 3-6 की बढ़त बना ली। इस बीच 31 शॉट की रैली भी हुई। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद बराबरी हासिल की और फिर सात्विक के दमदार शॉट से बढ़त बना ली।

फीफा पुरस्कार

ऐताना बोनमाटी को लगातार तीसरे साल सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड

दोहा, जेएनएन। उस्मान डेम्बेले और ऐताना बोनमाटी को फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के पुरस्कारों में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में 2025 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इन दोनों खिलाड़ियों ने इससे पहले बैलोन डीओर का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी जीता था। फ्रांस के डेम्बेले ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को उसके पहले चैंपियंस लीग खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई। स्पेन की बोनमाटी ने इस वर्ष स्पेन और बार्सिलोना की तरफ से शानदार खेल दिखाया था। बोनमती को लगातार तीसरे साल द बेस्ट फीफा विमेंस प्लेयर चुना गया।

फीफा पुरस्कारों के लिए दुनिया भर के राष्ट्रीय टीम के कप्तान, कोच, मीडिया और प्रशंसक मतदान करते हैं। डेम्बेले ने बार्सिलोना के युवा सनसनी लेमिन यमाल और अन्य दिग्गजों को पछाड़कर यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। उनके क्लब, पीएसजी के लिए यह एक बड़ी रात थी, क्योंकि टीम के कोच लुइस एनरिक को सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच और जियानलुइगी डोनारुम्मा को सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर का पुरस्कार मिला। चेल्सी की हन्ना हैम्पटन को सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर का पुरस्कार मिला। यूरोप के दो कोच को सर्वश्रेष्ठ कोच चुना गया। इनमें महिला वर्ग में सरीना विगमैन शामिल हैं, जिन्होंने इंग्लैंड को लगातार दूसरी बार महिला यूरो खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार लुई एनरिक को मिला, जिन्होंने पीएसजी को चैंपियंस लीग और फ्रांसीसी लीग का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सर्वश्रेष्ठ गोल अर्जेंटीना के सैंटियागो मोंटियल ने फीफा पुस्कस अवार्ड (साल का सर्वश्रेष्ठ गोल) जीता। उन्होंने यह पुरस्कार अपने शानदार बाइसिकल किक गोल के लिए प्राप्त किया। मैक्सिको की लिजबेथ ओवल को उनके एक बेहतरीन गोल के लिए फीफा मार्टा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डोपिंग की समस्याः वाडा की 2024 परीक्षण रिपोर्ट में प्रमुख देशों में भारत में सबसे अधिक पॉजिटिव दर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की डोपिंग की समस्याओं का कोई अंत नहीं दिख रहा है, क्योंकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2024 के परीक्षण आंकड़ों की रिपोर्ट के अनुसार जिन देशों ने पांच हजार या उससे अधिक परीक्षण किए हैं, उनमें भारत में सबसे अधिक उल्लंघन के मामले पाए गए हैं। वाडा की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पिछले साल 7,113 परीक्षण (6,576 मूत्र के नमूने और 537 रक्त के नमूने) किए, जिसमें 260 प्रतिकूल नतीजे आए जो 3.6 प्रतिशत की पॉजिटिव दर है, जो सभी प्रमुख देशों में सबसे अधिक है।

जब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) भविष्य में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली का मूल्यांकन करेगी, तो देश का खराब डोपिंग रिकॉर्ड प्रमुख चिंताओं में से एक होगा। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने कहा, यह स्थिति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चिंताजनक लग सकती है, लेकिन यह बताना जरूरी है कि ये आंकड़े डोपिंग के मामलों में बढ़ोतरी के बजाय भारत के कड़े डोपिंग रोधी प्रयासों का सीधा नतीजा है, जिसमें अधिक परीक्षण और प्रतिबंधित पदार्थों का पता लगाने की मजबूत प्रणाली शामिल है। वर्ष 2023 के परीक्षण आंकड़ों में 5,606 परीक्षण में 213 प्रतिकूल नतीजों के बाद भारत की पॉजिटिव परीक्षण की दर 3.8 प्रतिशत थी।

चीन ने 2024 में 24,214 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव परीक्षण की दर सिर्फ 0.2 प्रतिशत थी। अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी ने भारत से कम 6,592 परीक्षण किए और उसकी पॉजिटिव दर 1.1 प्रतिशत रही।

विश्व कप जीत आखिरी पड़ाव नहीं, यह एक लंबी यात्रा की शुरुआतः तेंदुलकर

मुंबई, जेएनएन। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम से मुलाकात की और चुनौतियों से पार पाने तथा देश का नाम रोशन करने के उनके जज्बे की तारीफ की। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम के बीच यह मुलाकात मंगलवार को एमआईजी क्रिकेट क्लब में हुई। आयोजकों ने एक बयान में कहा, दिग्गज खिलाड़ी (तेंदुलकर) ने टीम को याद दिलाया कि सफलता अपने साथ बड़ी जिम्मेदारी भी लाती है।

सचिन ने टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि उम्मीदें बढ़ेंगी और उन्हें पूरा करने के लिए और भी कड़ी मेहनत और बेहतर एकाग्रता की जरूरत होगी। विश्व कप जीत कोई आखिरी पड़ाव नहीं है उन्होंने इसे एक लंबी यात्रा की शुरुआत बताया जो अब अनगिनत लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

टाटा स्टील शतरंज सात से 11 जनवरी तक : पहली बार दोनों विश्व चैंपियन भारतीय धरती पर किसी व्यक्तिगत टूर्नामेंट में भिड़ेंगे

गुरु-शिष्य के बीच मुकाबलाः छह साल बाद आनंद की वापसी, गुकेश से भी होगी भिड़ंत

जेएनएन, कोलकाता

यह एक गुरु और उनके शिष्य के बीच एक जबरदस्त मुकाबला होगा, जब पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद छह साल बाद प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे और सात से 11 जनवरी तक यहां सातवें टाटा स्टील शतरंज में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश और अपने दूसरे पूर्व शिष्यों का सामना करेंगे। पिछली बार 2019 में टूर्नामेंट खेलने वाले आनंद भारतीय सितारों की नई पीढ़ी के खिलाफ वापसी करेंगे, जिसमें गुकेश सबसे आगे हैं। आनंद ने गुकेश का हाल के वर्षों में अपनी वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में करीब से मार्गदर्शन (मेंटर) किया है। यह पहली बार होगा जब ये दोनों विश्व चैंपियन भारतीय धरती पर किसी व्यक्तिगत टूर्नामेंट में आपस में भिड़ेंगे। टाटा स्टील शतरंज इंडिया 'धोनो धन्यो ऑडिटोरियम' में आयोजित किया जाएगा, जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज दोनों प्रारूप में ओपन और महिला दोनों वर्ग होंगे और दोनों वर्ग के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष डीबी सुंदर रामम ने कहा कि आनंद की वापसी ने इस प्रतियोगिता में एक खास आयाम जोड़ा है। टूर्नामेंट निदेशक दिब्येंदु बरुआ ने कहा कि यह प्रतियोगिता विश्व स्तर पर प्रमुख शतरंज टूर्नामेंट में से एक बन गई है और आनंद का अपने छात्रों और शिष्यों का सामना करना भारतीय शतरंज में मशाल अगली पीढ़ी को सौंपने का प्रतीक है।

"भारत सहित पूरी दुनिया में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के उभरने से शतरंज की दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव आया है। मैं भारत के इस बड़े टूर्नामेंट में युवा दिग्गज शतरंज खिलाड़ियों की चुनौती स्वीकार करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। - विश्वनाथन आनंद

ये खिलाड़ी मुख्य आकर्षण

- ओपन वर्ग में फिडे विश्व कप उप विजेता वेई यी, पूर्व अमेरिकी चैंपियन वेस्ली सो, हेन्स नीमेन, वोलोडार मुर्जिन और आर प्रज्ञानानंदा तथा अर्जुन एरिगेसी सहित एक मजबूत भारतीय दल भी शामिल होगा। अन्य भारतीयों में विदित गुजराती, अरविंद चिदंबरम, दिव्या देशमुख, वैशाली आर, वंतिका अग्रवाल और रक्षिता रवि शामिल हैं।
- महिलाओं के वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या के साथ पूर्व विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, कैटरीना लेग्नो, नेना डजाग्निदजे, डी हरिका और कैरिसा यिप मुख्य आकर्षण होंगी।

श्रीलंका ने टी-20 विश्वकप के लिए आर श्रीधर को फील्डिंग कोच नियुक्त किया

कोलंबो, जेएनएन। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर को अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले टी-20 विश्व कप के आखिर तक अपनी राष्ट्रीय टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया। उन्होंने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के राष्ट्रीय हाई परफार्मेंस सेंटर में 10 दिन का विशेष फील्डिंग शिविर भी आयोजित किया था। बीसीसीआई के लेवल तीन के कोच श्रीधर 2014 से 2021 तक भारतीय राष्ट्रीय पुरुष टीम के फील्डिंग कोच रहे और उन्होंने 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी सेवाएं दी। श्रीधर श्रीलंका की टीम की फील्डिंग को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों के दौरान खिलाड़ियों के साथ काम करेंगे।

जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक कल

सतना। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संषोधित 2016 के तह्त जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में अब 19 दिसम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई है।

स्वरोजगार योजना के आवेदन 20 दिसंबर तक

सतना। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदायों के बेरोजगारों को मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु स्व-रोजगार योजना के अंतर्गत उद्योग, सेवा, व्यवसाय में अनुदान उपलब्ध कराकर उद्यम स्थापित कराना है। योजना के अंतर्गत मूलक प्रकरण के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अवैध सट्टा खिलाने वालों को कोलगवां पुलिस ने दबोचा

जागरण, सतना

शहर में अवैध रूप से सट्टा खिलाने वाले लोगो के विरूद्ध कडी कार्यवाही करते हुये कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने कईयों को दबोच लिया है यह कार्यवाही एसपी हंसराज सिंह के निर्देश एवं एएसपी प्रेमलाल कुर्वे और सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां टीआई सुदीप सोनी द्वारा की गई है।

ये है मामला

थाना क्षेत्र के अतंर्गत अलग अलग सट्टा के ठिकानो मे कोलगवां पुलिस ने 6 सटोरियों को सट्टा पर्ची काटते पकडा है उनके कब्जे से सट्टा पर्ची व नगद राशि जप्त की गई है। सट्टा पर्ची काटने वाले दो सटोरियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया एवं सभी आरोपियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है पुलिस ने मुकेश नागदेव पिता गोपी चंद नागदेव उम्र 36 साल निवासी सिंधी कैपी संतोष कोटवानी पिता भीम सेन कोठवानी उम्र 47 वर्ष निवासी सिंधी कैम्पी बिनू यादव उम्र 59 वर्ष राजेश चांदवानी उम्र 42 साल निवासी सिंधी कैम्प कमलेश राज्यपाल पिता नानक राम उम्र 37 साल निवासी सिंधी कैम्प संतोष कोल पिता राजकुमार कोल उम्र 30 साल निवासी 30 साल उतैली आशीष गंगा वानी निवासी पुरूषवानी मोहल्ला सिंधी कैम्प अगा उर्फ भगवानदास नवानी निवासी सिंधी कैम्प के विरूद्ध पुलिस ने कार्यवाही की है।

मोटर साइकलों पर न्यायालय ने ठोका जुर्माना

जागरण, सतना। विगत दिनो मैहर जिले याताया प्रभारी विक्रम पाठक ने एसपी अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर दो पहिया वाहनो पर चालानी कार्यवाही की थी इस दौरान कई दो पहिया वाहनो को जप्त किया गया था इसके बाद मामले को न्यायालय के सुपुर्द किया गया था यातायात पुलिस द्वारा प्रस्तुत किये गये मामलो पर न्यायालय ने गंभीरता पूर्व विचार करते हुये वाहनो पर बडी चलानी कार्यवही की है। नियम विरुद्ध सायलेंसर एवं अन्य अनियमितताओं वाली मोटर सायकिलों को जप्त कर प्रकरण माननीय न्यायालय मैहर में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा संबंधित सभी वाहनों पर 4500-4500 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। साथ ही तेज पटाखे जैसी आवाज उत्पन्न करने वाली सायलेंसर लगी मोटर सायकिलों पर 4800 का जुर्माना किया गया। यातायात पुलिस द्वारा नियम विरुद्ध पटाखे जैसी आवाज उत्पन्न करने वाली सायलेंसरों को निकलवाकर वाहनों में ओरिजनल सायलेंसर लगवाए गए तत्पश्चात नियमानुसार वाहनों को वाहन मालिकों के सुपुर्द किया गया। यातायात पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में केवल मानक एवं वैध उपकरणों का ही उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन करें अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

सोनाक्षी मयंक का नेटवाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

सतना। 25 से 29 दिसम्बर तक 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन मंगलौर कनार्टक में हो रहा है। जिसका प्री नेशनल कोचिंग कैम्प दिनांक 18 से 22 दिसम्बर तक औद्योगिक नगरी सतना में आयोजित हो रहा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता नेटबाल में सिन्धु उमावि रीवा रोड कक्षा 11 में अध्ययनरत खिलाड़ी सोनाक्षी वर्मा पुत्री राजकुमार वर्मा बिरसिंहपुर मंयम गौतम पुत्र कृष्ण कुमार गौतम का चयन मप्र शालेय टीम में हुआ है एवं विद्यालय में पदस्थ पीटीआई संदीप टंडन को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से मप्र टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। विद्यालयीन खिलाड़ियों के मप्र टीम में चयन होने पर सिन्धु नवयुवक समाज के अध्यक्ष अजय तेजवानी, मंत्री अशोक वसानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश गांधी वरिष्ठ सहमंत्री सुशील धनवानी, वरिष्ठ सहमंत्री कमल जानवानी, कनिष्ठ सहमंत्री सूरज टेकचंदानी, कोषाध्यक्ष जीडी जसवानी ने शुभ कामनायें प्रेषित की।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही बरतने वाले 5 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस

जिला पंचायत सीईओ ने कार्यवाही के दिये निर्देश

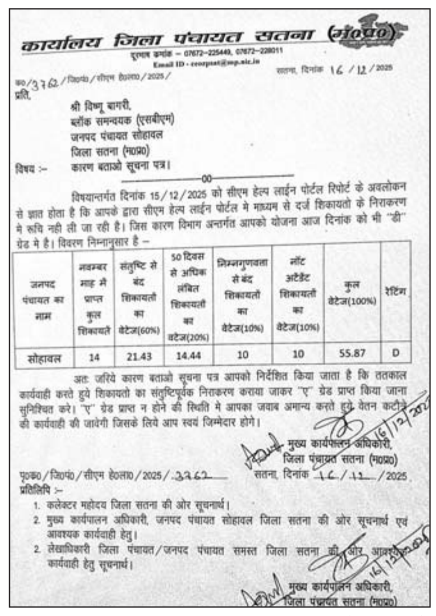

कार्यालय जिला पंचायत सतना (म०प्र०)

दूरभाष क्रमांक – 07672-225449, 07672-228011

Email ID - ceozpsat@mp.nic.in

क्र०/3262/जिपं०/सीएम हेल्०/2025/ सतना, दिनांक 16/12/2025

प्रति,

श्री विष्णु बागरी,
ब्लॉक समन्वयक (एसबीएम)
जनपद पंचायत सोहावल
जिला सतना (म०प्र०)

विषय :- कारण बताओ सूचना पत्र।

–00–

विषयान्तर्गत दिनांक 15/12/2025 को सीएम हेल्प लाईन पोर्टल रिपोर्ट के अवलोकन से ज्ञात होता है कि आपके द्वारा सीएम हेल्प लाईन पोर्टल मे माध्यम से दर्ज शिकायतो के निराकरण मे रूचि नही ली जा रही है। जिस कारण विभाग अन्तर्गत आपको योजना आज दिनांक को भी "डी" ग्रेड मे है। विवरण निम्नानुसार है –

जनपद पंचायत का नाम	नवम्बर माह मे प्राप्त कुल शिकायतें	संतुष्टि से बंद शिकायतों का वेटेज(60%)	50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज(20%)	निम्नगुणवत्ता से बंद शिकायतों का वेटेज(10%)	नॉट अटेंडेड शिकायतों का वेटेज(10%)	कुल वेटेज(100%)	रेटिंग
सोहावल	14	21.43	14.44	10	10	55.87	D

अतः जरिये कारण बताओ सूचना पत्र आपको निर्देशित किया जाता है कि ततकाल कार्यवाही करते हुये शिकायतो का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराया जाकर "ए" ग्रेड प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करे। "ए" ग्रेड प्राप्त न होने की स्थिति मे आपका जवाब अमान्य करते हुये वेतन कटौत्रे की कार्यवाही की जावेगी जिसके लिये आप स्वयं जिम्मेदार होगे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जिला पंचायत सतना (म०प्र०)

पृ०क्र०/जिपं०/सीएम हेल्०/2025/3262 सतना, दिनांक 16/12/2025

प्रतिलिपि :-

1. कलेक्टर महोदय जिला सतना की ओर सूचनार्थ।
2. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत सोहावल जिला सतना की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
2. लेखाधिकारी जिला पंचायत/जनपद पंचायत समस्त जिला सतना की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जिला पंचायत सतना (म०प्र०)

जागरण, सतना। सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले जनपद पंचायत के 5 कर्मचारियों को जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह ने कारण बताओ नोटिस जारी जारी कर जवाब तलब किया है जारी किये गये आदेश में जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि ए ग्रेड प्राप्त नही होने की स्थिति में जवाब अमान्य करते हुये वेतन कटौती की कार्यवाही की जायेगी।

इन पर हुई कार्यवाही

जनपद पंचायत नागौद में पदस्थ पीएम आवास के ब्लाक समन्वयक केके सिंह , रामपुर बाघेलान जनपद में पदस्थ एपीओ श्रीमती विभाग सिंह जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान में पदस्थ एसबीएम के ब्लाक समन्वयक तरूणेन्द्र प्रताप सिंह जनपद पंचायत सोहावल में पदस्थ एसबीएम के ब्लाक समन्वयक विष्णु बागरी और जनपद पंचायत नागौद में पदस्थ एसबीएम की ब्लाक समन्वय श्रीमती पुर्णिमा बागरी के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले सांसद गणेश सिंह ने रखी राजमार्ग परियोजनाओं की मांग

जागरण, सतना। बीजेपी नेता व सतना लोकसभा क्षेत्र के सांसद गणेश सिंह ने बुधवार को केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान सांसद ने अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े लंबित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और पूर्व में दिए गए सभी मांग पत्रों पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही की मांग की। सांसद ने कहा कि इन परियोजनाओं का शीघ्र पूरा होना सतना के समग्र विकास के लिए अनिवार्य हैए जो यातायात सुगमता को भी बढ़ाएगा। मंत्री गडकरी ने सांसद की सडक़ व हाइवे की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों को निर्देश दिए जाएंगे ताकि इन परियोजनाओं में हो रही देरी को दूर किया जा सके। सांसद कहा सतना मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है जहां राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल स्थानीय सीमेंट उद्योगों कृषि और पर्यटन को जोड़ता है। सांसद गणेश सिंह ने सबसे पहले रामपथगमन मार्ग अयोध्या से चित्रकूट रोड के सतना.मैहर तक विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन सतना से चित्रकूट तक के दूसरे चरण का कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। सांसद ने मांग की कि इस चरण को तत्काल प्रारंभ किया जाएए ताकि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले और अयोध्या से चित्रकूट .मैहर तक की यात्रा सुगम हो। .एनएच .943 दमोह से नागौद सडक़ का बंद पड़ा कार्य सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 943 दमोह से नागौद सडक़ का जिक्र किया। इस सडक़ का निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा हैए मांग की है कि ठेकेदारों को चेतावनी दी जाए और कार्य को दोबारा चालू कराने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए जांए। झांसी से बमीठा और बमीठा से सतना तक के अधूरे निर्माण कार्य पर सांसद ने बताया कि इन खंडों में कार्य की प्रगति धीमी है।

आईटीआई प्राचार्य रहे अनुपस्थित, कलेक्टर ने जारी की कारण बताओ नोटिस

सतना। बुधवार को मैहर कलेक्ट्रेट में संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि पिछले सप्ताह जिले के लगभग सभी विभागों ने सीएम हेल्पलाइन में अच्छा कार्य किया है। अधिकांश विभाग ए श्रेणी में है। राजस्व और स्वास्थ्य विभाग सी श्रेणी तथा अध्यात्म विभाग डी श्रेणी में है। ग्रेडिंग के अंतिम समय में राजस्व और स्वास्थ्य विभाग और बेहतर कार्य करें तथा सभी विभाग ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। समय सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल, डॉ आरती सिंह, एसपी मिश्रा, कार्यपालन यत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला संयोजक अरुण शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र बांगरे, उपसंचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, वेद मणि मिश्रा, अशोक तिवारी, सीएमओ नगर पालिका सुषमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि चालू माह की अभी भी मैहर जिले में कुल 4306 शिकायतें लंबित हैं। इस सप्ताह 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों में लगभग 2 हजार शिकायतें कम की गई हैं। आईटीआई के प्राचार्य की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। विगत दिनों प्रभारी मंत्री द्वारा ली गई जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अनुपस्थित रहे जिला अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए कमिश्नर रीवा को प्रस्ताव भेजने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। मानवाधिकार आयोग तथा अन्य आयोग के पत्रों में पालन प्रतिवेदन तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जन आकांक्षा पोर्टल पर संधारित समय सीमा पत्रको की समीक्षा कलेक्टर ने विभागबार की। उन्होंने पोर्टल पर जवाब अंकित नहीं करने वाले विभाग प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अंतर विभागीय समन्वय के बिंदुओं पर भी समीक्षा की।

शक्ति संगम का शिशु मंदिर में हुआ आयोजन

जागरण, उचेहरा। नारी तुम केवल श्रृद्धा हो विश्वास रजत नम पग तल में। पियूष स्त्रोत सी बहा करोए जीवन के सुंदर समतल मेंए इन्ही उद्देश्यों को लेकर सरस्वती शिशु मंदिर भरहुत में बीते दिन राष्ट्र के निर्माण में नारी की भूमिका पर केन्द्रित सप्तशक्ति संगम समारोह का गरिमामयी आयोजन हुआ जिसके मुख्य अतिथि श्रीमती नूपुर अवस्थी ;संकुल प्राचार्य शास उच्च माध्य विद्या गुढ़वा लगरगवां रहीं जबकि अध्यक्षता पंचायत की सरपंच श्रीमती मायादेवी कोल ने की। आयोजन की मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकरणी सदस्य सुश्री वसुंधरा सिंह द्वितीय वक्ता नीलम कुशवाहा रही संयोजिका सुश्री दीपांजलि सिंह रही। प्रथम वक्ता ने कुटुंब प्रबोधन विषय पर प्रकास डाला तथा दूसरे वक्ता ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रकास डाला आयोजन दोपहर 1बजे से शुरु हुआ। संयोजक बाल्मीक गुप्ता रहे। इस आयोजन में सैकड़ो मातृशक्ति मौजूद रही। अतिथियो का स्वागत द्वीप प्रज्जवलन एवम वाणी वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बहन खुसी सिंह एकल्पना सिंह अदिति द्विवेदी द्वारा स्वागत प्रस्तुत किया गया। संचालन सुश्री प्रिया द्विवेदी तथा कृष्णकला सिंह ने किया।

एसडीओपी ने गुंडा निगरानी सुदा बदमाशों की जांच पड़ताल कर दिये निर्देश

मुकुंदपुर कस्बे एवं आसपास के क्षेत्र में पुलिस का औचक निरीक्षण

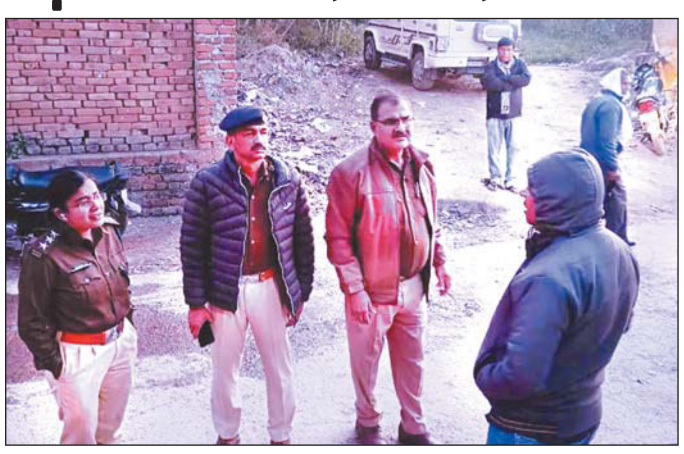

जागरण, सतना। बुधवार को अमरपाटन एसडीओपी ख्याति मिश्रा ने मुकुंदपुर कस्बे एवं आसपास के क्षेत्रो का औचक निरीक्षण कर गुंडा निगरानी सुदा बदमाशो की जांच पडताल करते हुये निर्देश दिये है इस दौरान उनके साथ ताला थाना प्रभारी और मुकुंदपुर चौकी प्रभारी मौजूद थे ।भ्रमण के दौरान क्षेत्र के संदिग्ध स्थानों संदिग्ध व्यक्तियों, नशाखोरों, गुंडों, आवारा एवं मनचले तत्वों की गहन चेकिंग की गई। साथ ही बाजार क्षेत्र में व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन की स्थिति का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकानदारों एवं आम नागरिकों को यातायात व्यवस्था शांति बनाए रखने तथा कानून व्यवस्था में सहयोग करने हेतु आवश्यक समझाइश दी गई। अभियान के अंतर्गत गुंडा निगरानी बदमाशों की चेकिंग की गई एवं क्षेत्र के विभिन्न संदिग्ध स्थलों का निरीक्षण भी किया गया। थाना प्रभारी ताला एवं चौकी प्रभारी मुकुंदपुर को कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखने एवं नियमित गश्त बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए।

बनाये गये 8 टिकट काउंटर व दो पार्किंग

सतना। संचालक महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर ने बताया कि वर्ष के समापन एवं नव वर्ष आगमन पर 31 दिसंबर 2025 एवं 1 जनवरी 2026 को मुकुन्दपुर जू भ्रमण करने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए समस्त प्रबंध किये गये है। 31 दिसंबर 2025 को जू का साप्ताहिक अवकाश रहता है, परन्तु नये वर्ष में पर्यटकों की सुविधाओं के लिए जू भ्रमण खोला जायेगा। जिसके अन्तर्गत 8 टिकिट काउन्टर, चार वाहन पार्किग (दो पार्किग दो पहिया एवं दो पार्किग चार पहिया वाहन) बनाये गये है। साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन, चिकित्सा दल, फायर बिग्रेड के भी इंतजाम किये गये है। मुकुन्दपुर जू की सुदृढ़ व्यवस्था एवं पर्यटको के सुविधा के लिये जू प्रबंधन के कर्मचारियों एवं श्रमिकों के अतिरिक्त वनमण्डल सतना से कर्मचारियों, वनमण्डल रीवा से कर्मचारियों, 1 उपवन मण्डलाधिकारी एवं 3 वन परिक्षेत्र मुकुन्दपुर की तैनाती की गई हैं। संचालक महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी एंड जू मुकुंदपुर ने नववर्ष के उपलक्ष्य में 31 दिसंबर 2025 और 1 जनवरी 2026 के दौरान भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों से अपील की है कि जू के भ्रमण के दौरान एक जिम्मेदार नागरिक का परिचय देते हुये जू प्रबंधन का सहयोग करें और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जू प्रबंधन द्वारा अपील की गई है कि जू मुकुन्दपुर, सतना में भ्रमण के दौरान दिशा-निर्देशों का पालन कर जू प्रबंधन का सहयोग करें। पर्यटकों के लिए दिशा-निर्देश संचालक ने पर्यटकों के लिये जारी दिशा-निर्देशों में बताया कि व्हाइट टाइगर सफारी एण्ड जू मुकुन्दपुर मे भ्रमण के दौरान पर्यटक प्रवेश टिकिट के पीछे दिये गये निर्देशो को ध्यान से पढ़कर उनका पालन करना सुनिश्चित करें। जू मे प्रवेश करते समय प्रबंधन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करे, जिसके कारण किसी परेशानी या जू प्रबंधन को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

सुशासन दिवस की शपथ 24 दिसंबर को प्रातः 11 बजे

सतना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुये उनके जन्म दिवस 25 दिसंबर के एक दिवस पूर्व 24 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। अपर कलेक्टर विकास सिंह ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि 24 दिसंबर 2025 को सभी शासकीय कार्यालयों मे सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 11 बजे सभी अधिकारी और कर्मचारी सुशासन की शपथ लेंगे।

वन जीपी वन बीसी के 6 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

सतना। इंडियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सतना में म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत सतना के सहयोग से स्व सहायता समूह के सदस्यों को बैंक मित्र मिशन वन जीपी वन बीसी के 6 दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन कार्यक्रम संपन्न किया गया प्रशिक्षण पश्चात 18 दिसंबर को आईआईबीएफकि परीक्षा का भी आयोजन प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया जायेगा ! कार्यक्रम में उपस्थित म प्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत सतना कि जिला प्रबंधक वित्त ने सभी समूह सदस्यों को सफल होने कि अग्रिम शुभकामनाये प्रेषित कि। संस्थान के निदेशक समीर एसडी टोप्पो ने सभी प्रतिभागियों का शुभकामनाये प्रेषित कि। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ संकाय सुखेन्द्र प्रसाद सूर्यवंशी संकाय सत्य कुमार त्रिपाठी ए बी एम मप्रडे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विनय शर्मा कार्यालय सहायक द्वय सुश्री शिवानी सिंह एवं शुभांगी खरे अतिथि संकाय अशोक कुमार मनोज चौधरी एवं विनोद कुशवाहा उपस्थित रहे ।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com